{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 17 जुलाई 2026
आषाढ शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 293
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,186.87
निफ्टी	-	24,072.75
सोना	-	1,51,525
चांदी	-	235000
डॉलर	-	96.37

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पुरी रथ यात्रा 2026

भगदड़ में एक की मौत और 200 से अधिक घायल

बीते 24 घंटों के दौरान 200 मिलीमीटर भारी बारिश

पुरी। विश्व प्रसिद्ध पुरी जगन्नाथ रथ यात्रा 2026 का आगाज गुरुवार को बेहद उत्साह और धार्मिक श्रद्धा के साथ हुआ, लेकिन महा-उत्सव के पहले ही दिन एक दुखद हादसा सामने आया। भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की वार्षिक गुंडिचा मंदिर यात्रा के लिए पुरी के ग्रैंड रोड (बड़ा डंडा) पर लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रथों को मंदिर से बाहर निकालते समय अचानक मची अफरा-तफरी और भगदड़ के कारण दम घुटने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक लोग घायल व बेहोश हो गए। हालांकि प्रशासन की ओर से मौत की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थिति को संभालने के लिए स्पेशल रेस्क्यू यूनिट (एसआरयू) ने तुरंत मोर्चा संभाला और प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालकर पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल तथा पुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है।

इसके पहले, रथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत पारंपरिक पहंडी जुलूस के साथ हुई। शंख, झांझ और घंटों की गूंज के बीच सबसे पहले चक्रराज सुदर्शन, फिर देवी सुभद्रा और अंत में भगवान जगन्नाथ को उनके भव्य रथों पर विराजमान कराया गया। इस पावन अवसर पर पूरा पुरी शहर जय जगन्नाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

इस बार रथ यात्रा पर मौसम की मार भी देखने को मिल रही है। पुरी में बीते 24 घंटों के दौरान करीब 200 मिलीमीटर भारी बारिश दर्ज की गई है, जिससे कई निचले इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति पैदा हो गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए ओडिशा सरकार पूरी तरह अलर्ट है। आवास एवं शहरी विकास मंत्री कृष्ण चंद्र महापात्र ने संवेदनशील इलाकों का दौरा कर जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ग्रैंड रोड सहित प्रमुख मार्गों पर उच्च क्षमता वाले पंप और बायपास लाइनें लगाने के निर्देश दिए हैं ताकि जलभराव के बावजूद श्रद्धालुओं को असुविधा न हो और यातायात सुचारू बना रहे।

वांगचुक का अनशन : केंद्र सरकार पर बढ़ा दबाव, अमेरिका से अपील

नई दिल्ली। पर्यावरणविद् और शिक्षाविद सोनम वांगचुक का दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में कथित अनियमितताओं और शैक्षिक सुधारों की मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन जारी है। उनका स्वास्थ्य दिन-ब-दिन बिगड़ता जा रहा है, जिस पर अब देश और विदेश से गहरी चिंता व्यक्त की जा रही है। देशभर से उनसे अनशन तोड़ने की अपीलें हो रही हैं।

इस कड़ी में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिकी भारतीय प्रवासी समूह, द हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स ने एक खुला पत्र लिखकर वांगचुक से बातचीत करने और उनका अनशन तुड़वाने की अपील की है। समूह ने वांगचुक के स्वास्थ्य पर गंभीर चिंता जताकर केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह प्रदर्शनकारियों से मिले और परीक्षा में गड़बड़ियों, शैक्षिक शासन तथा संस्थागत जवाबदेही से संबंधित उनकी चिंताओं का ठोस जवाब दे।

द हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स ने अपने पत्र में केंद्र सरकार से जवाबदेही के लिए विश्वसनीय और समयबद्ध प्रक्रिया स्थापित करने का आह्वान किया। इसके साथ ही, समूह ने वांगचुक और अनशन कर रहे छात्रों से भी अपनी जान को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनकी चिंताओं को पूरे भारत और दुनिया भर में सुना गया है, और उन्हें अपनी मांगों की गंभीरता दिखाने के लिए अपने स्वास्थ्य का बलिदान नहीं देना चाहिए। अमेरिकी समूह ने केंद्र सरकार से कहा कि वह परीक्षा और भर्ती में गड़बड़ियों को दूर करने के लिए एक स्पष्ट प्रक्रिया बनाए और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार की रक्षा करे।

खास खबर

कोयल मल्लिक ने दिया राज्यसभा से इस्तीफा

कोलकाता। राज्यसभा में ममता बनर्जी को एक और झटका लगा है। पश्चिम बंगाल से टीएमसी की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यसभा के सभापति को सौंप दिया है। सबसे बड़ी आश्चर्य की बात यह है कि कोयल मल्लिक अप्रैल महीने में ही टीएमसी से राज्य सभा सांसद बनी थीं। इससे पहले टीएमसी के 3 और राज्यसभा सांसदों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। राज्यसभा से इस्तीफा देने वाली वह चौथी सांसद हैं। उनके इस्तीफे के बाद संसद में ममता गुट के 17 सांसद बचे हैं। इससे पहले इस्तीफा देने वाला तीनों सांसद भाजपा जॉइन कर चुके हैं। अभिनेत्री से राजनेता बनीं पश्चिम बंगाल से टीएमसी की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

जेल में 22 जुलाई को 2 हत्यारों की शादी

जोधपुर(ईएमएस)। जोधपुर के मंडोर ओपन जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे युवक-युवती 22 जुलाई को फेरे लेंगे। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने इसकी अनुमति दे दी है। राजस्थान के न्यायिक इतिहास में यह पहला मौका होगा जब किसी ओपन जेल (खुला बंदी शिविर) परिसर के भीतर दो दोषियों की शादी होगी। युवक नागौर का, जबकि युवती मुंबई की रहने वाली है। जेल में ही दोनों के बीच नदीकियां बढ़ीं और शादी का फैसला किया। यह ऐतिहासिक आदेश न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी एवं न्यायमूर्ति प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने जारी किया। मंडोर ओपन जेल में रहकर सजा काट रहे मूलाराम भाटी (33) और सीमा (31) आगामी 22 जुलाई को शादी करेंगे।

खेत और संपत्ति पर पहला अधिकार परिवार जनों का

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कृषि भूमि और पारिवारिक संपत्ति के अधिकारों को लेकर अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति अपनी विरासत में मिली कृषि भूमि या संपत्ति बेचना चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपने परिवार के अन्य पात्र सदस्यों या सह-उत्तराधिकारियों को उसे खरीदने का अवसर देना होगा। कोर्ट ने कहा कि यह प्रावधान हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 22 के तहत लागू होता है और इसका उद्देश्य पारिवारिक संपत्ति को परिवार के भीतर सुरक्षित रखना है। न्यायालय ने यह भी कहा कि किसी बाहरी व्यक्ति को संपत्ति बेचने से पहले परिवार के सदस्यों के प्राथमिकता के अधिकार का सम्मान करना आवश्यक है।

कुछ ना कहना

ई20 पेट्रोल को लेकर आया उपभोक्ता के पक्ष में पहला फैसला, कोर्ट ने कहा

कंपनी कार मालिक को वाहन बदल कर दें या तय राशि का करें भुगतान

रायपुर,। ई20 पेट्रोल से वाहन में खराबी को लेकर आए देश के पहले फैसले में कोर्ट ने उपभोक्ता को राहत दी है। कार मालिक ने आरोप लगाया था कि ई20 पेट्रोल ने उसकी गाड़ी को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद रायपुर जिला उपभोक्ता अदालत ने कार मालिक के पक्ष में फैसला सुनाया। साथ ही कोर्ट ने कंपनी और संबंधित पक्षकारों को कार मालिक की शिकायत को देखते हुए वाहन बदलने या तय राशि का भुगतान करने का आदेश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रायपुर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में परिवाद को ऑनलाइन 12 मार्च 2025 को दी गई थी, जबकि इसका पंजीयन 16 अप्रैल 2025 को हुआ। 14 जुलाई को आयोग ने अपना आदेश जारी किया। उपभोक्ता ने आरोप लगाया था कि उनकी मारुति ग्रैंड विटारा कार में ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल के बाद बार-बार समस्याएं आने लगीं। शिकायत में इंजन संबंधी परेशानी, परफॉर्मेंस के खराब होने, मिसफायरिंग और लगातार माइलेज घटने जैसी समस्याओं का जिक्र किया। उपभोक्ता का कहना था कि कई बार सर्विस सेंटर में जांच और मरम्मत कराई।

आयोग ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत परिवाद को आंशिक रूप से स्वीकार किया। आयोग ने माना कि ई20 पेट्रोल के संबंध में उपभोक्ता के पास व्यवहारिक रूप से अन्य ईंधन विकल्प उपलब्ध नहीं था, क्योंकि अधिकांश पेट्रोल पंपों पर यही ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा था। आयोग ने संबंधित पक्षकारों को निर्देश दिया कि वे उपभोक्ता की कार वापस लेकर उसी मॉडल की नई ई20 ईंधन समर्थित कार आदेश की तारीख से 45 दिनों के अंदर उपलब्ध कराएं। अगर तय अवधि में वाहन नहीं बदला तो विपक्षी पक्षकारों को वाहन की कीमत और संबंधित खर्चों का भुगतान भी करना होगा।

आयोग ने यह भी आदेश दिया कि संबंधित पक्षकारों को मानसिक क्षति और वाद व्यय की राशि भी अदा करनी होगी। आयोग ने उपभोक्ता को हुई मानसिक परेशानी के लिए एक लाख रुपए और मुकदमे के खर्च के लिए 10 हजार रुपए का भुगतान करने को कहा। आदेश में कहा गया है कि राशि का भुगतान 45 दिनों के अंदर नहीं किया जाता है, तो भुगतान की तारीख तक 7 फीसदी वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

रेप की कोशिश की परिभाषा पर बवाल, महिला आयोग और सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

पटना। देशभर में पटना और इलाहाबाद हाईकोर्ट की रेप की कोशिश से जुड़ी कुछ टिप्पणियों पर गहरा विवाद छिड़ गया है। इन अदालतों ने अलग-अलग मामलों में कहा था कि महज महिला का सलवार उतारना या स्तन दबाना रेप की कोशिश नहीं। इन विवादित बयानों पर अब सुप्रीम कोर्ट ने अपनी नाराजगी जाहिर की है, वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने भी इस पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने स्पष्ट किया कि यौन अपराधों की परिभाषा तय करते समय केवल शारीरिक शोषण को आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने बल दिया कि पीड़िता की गरिमा, उसकी सहमति, घटना से उसके मन में पैदा हुआ भय और मानसिक पीड़ा को भी उतना ही महत्व दिया जाना चाहिए। महिला आयोग की अध्यक्ष रहाटकर ने चेतावनी दी कि यदि न्यायिक प्रक्रिया कानून की तकनीकी परिभाषाओं तक सीमित रह जाएगी और पीड़िता के वास्तविक अनुभवों व कानून की मूल भावना को नजरअंदाज करेगी, तो न्याय व्यवस्था पर जनता का भरोसा कमजोर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की

गरिमा, उनके शारीरिक अधिकारों और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा न्याय व्यवस्था की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने भी इन हाईकोर्ट के फैसलों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी और देश की सभी अदालतों के लिए महत्वपूर्ण दिशानिर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया है कि यौन अपराधों के मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता पर बनी नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी कमेटी की रिपोर्ट को तुरंत सुप्रीम कोर्ट और सभी हाईकोर्ट्स की वेबसाइटों पर अपलोड किया जाए। साथ ही, राज्यों को सभी पुलिस स्टेशनों को इन नियमों का पालन करने के निर्देश जारी करने को कहा गया है ताकि एफआईआर दर्ज करते समय और चार्जशीट दाखिल करते समय इन संवेदनशील पहलुओं का ध्यान रखा जा सके। यह पूरा विवाद न्याय व्यवस्था में पीड़िता-केंद्रित दृष्टिकोण और कानून की मूल भावना को बनाए रखने की आवश्यकता को उजागर करता है, ताकि महिलाओं को पूरा न्याय मिल सके और उनका विश्वास कायम रहे।

तिरुपति मंदिर में टूटा रिकार्ड... एक ही दिन में 97 करोड़ का दान

तिरुपति। विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर को एक ही दिन में रिकॉर्ड तोड़ दान मिला है। नए संशोधित डोनर पॉलिसी के लागू होने से ठीक पहले, नियमों में बदलाव और वीआईपी दर्शन की सुविधाएं कम होने की आहट के बीच, पुराने नियमों का फायदा उठाने के लिए देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से रिकॉर्ड तोड़ 96.98 करोड़ रुपए का भारी-भरकम दान दिया। दरअसल ट्रस्ट ने वीआईपी सुविधाओं और दर्शन प्रबंधन में कुछ बदलाव किए हैं, जो मंगलवार आधी रात से लागू हुए। ट्रस्ट के अनुसार इसके पहले बुकिंग कराने वाले लोगों पर नए नियम लागू नहीं होंगे इसलिए लोगों ने उससे पहले ही पुराने नियमों के तहत दान की झड़ी लगा दी। संशोधित नीति के तहत अब स्लैब सिस्टम को खत्म कर दिया गया है। अब दानदाताओं को उनकी सटीक दान राशि के आधार पर विशेष प्रवेश दर्शन, सुप्रभातम सेवा, ब्रेक दर्शन, सुप्रभातम सेवा, कल्याणोत्सवम में भागीदारी, आवास की व्यवस्था और लड्डू, रेशमी वस्त्र, सोने-चांदी के सिक्के जैसे उपहार मिलेंगे। यह विशेषाधिकार 20 वर्ष और संस्थानों के लिए 15 वर्ष तक मान्य रहेंगे। मंगलवार को कुल 2,460 दानदाताओं ने योगदान दिया, जिनमें से 2,354 ने ऑनलाइन और 106 ने ऑफलाइन माध्यम चुना। इनमें से 1,212 लोगों ने 1 लाख से 10 लाख रुपये के बीच, जबकि 1,246 भक्तों ने 10 लाख से 25 लाख रुपए के बीच का दान दिया।

मानसून सत्र से पहले आज राजनाथ सिंह के घर एनडीए की अहम बैठक

नई दिल्ली। आगामी मानसून सत्र से पहले सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) अपनी विधायी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए महत्वपूर्ण बैठक करेगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एनडीए नेताओं की बैठक सत्र के लिए गठबंधन की रणनीति तय करेगी।

इसके बाद, 21 जुलाई को सुबह 9ः30 बजे संसद पुस्तकालय भवन के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में एनडीए संसदीय दल की बैठक होगी। सत्र शुरू होने से एक दिन पहले, 19 जुलाई को सुबह 11 बजे सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। इस दौरान सरकार अपनी मुख्य प्राथमिकताओं को साझा करेगी, जबकि विपक्ष कई विवादास्पद मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। आगामी सत्र के हंगामेदार होने की प्रबल संभावना है। विपक्ष नीट पेपर लीक मामले को जोर-शोर से उठाएगा और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई मौतों पर रक्षा मंत्री सिंह की टिप्पणियों पर सवाल करेगा। कांग्रेस ने पहले ही इस संबंध में रक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। इस बार संसद के दोनों सदनों में कई सदस्यों की सीटिंग व्यवस्था में भी बदलाव देखने को मिल सकता है। तृणमूल कांग्रेस से बगावत कर नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में विलय करने वाले 20 लोकसभा सांसदों ने सदन में अलग बैठने की मांग की है।

प्रथम पुण्य स्मरण

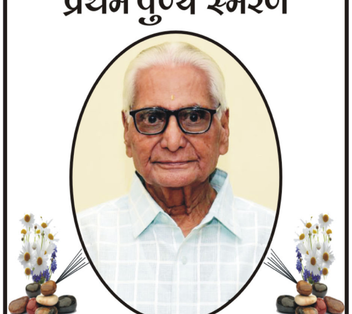

स्व. श्री ज्ञानचंदजी बाफना

जन्म-22/10/1944, स्वर्गवास-17/07/2025

मानव जीवन की समझ सार्थकता, धर्म के मूल को आपने स्वीकारा,
सहज भाव रख सुख-दुःख में, नहीं किया धर्म से किनारा।
साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, संस्कार और परिवार
स्वत्र आपका व्यक्तित्व रहा उजियारा।
हो प्रमाणित यशोगान कहे दिशाएं, स्वीकार करे हे पूज्य वंदन हमारा।।

श्रद्धानवत- श्रीमती मालती बाफना (धर्मपत्नि)
परेश-रेखा बाफना, कमलेश-सीमा बाफना (पुत्र-पुत्रवधु)
श्रेयश-राशि बाफना, यश-सुगंधा बाफना (पौत्र-पौत्रवधु)
संभव (पौत्र), मेयांशी बाफना (पड़पोती)
एवं समस्त बाफना परिवार, बालाघाट (मप्र)

पीएम आवास योजना में गड़बड़ी का आरोप, पात्रों के नाम सूची से गायब, कलेक्टर से जांच की मांग

सर्वे में नाम होने के बावजूद अंतिम सूची से हटाए गए 10 से 11 परिवार, ग्रामीणों का आरोप, अपात्रों को मिला आवास का लाभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के सरकारी दावों के बीच धनसुआ ग्राम पंचायत से गड़बड़ी का गंभीर मामला सामने आया है। मंगलवार को गांव के करीब एक दर्जन ग्रामीण जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आवास योजना वर्ष 2025-26 के लिए हुए सर्वे में उनके नाम दर्ज किए गए थे, लेकिन अंतिम स्वीकृत सूची जारी होते ही उनके नाम रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। वहीं, उनकी जगह ऐसे लोगों को योजना का लाभ दे दिया गया, जिन्हें ग्रामीण अपात्र बता रहे हैं।

ग्रामीण अशोक पांचे ने बताया कि ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत द्वारा वर्ष 2025-26 में कच्चे एवं पक्के मकानों का सर्वे कराया गया था। सर्वे के दौरान उनके सहित लगभग 10 से 11 जरूरतमंद परिवारों को पात्र मानते हुए सूची में शामिल किया गया था। सर्वे पूरा होने के बाद सभी को उम्मीद थी कि इस बार उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलेगा और वर्षों पुराना पक्के घर का सपना पूरा होगा, लेकिन जब अंतिम सूची जारी हुई तो इन सभी परिवारों के नाम गायब मिले। ग्रामीणों का कहना है कि जिन परिवारों के नाम हटाए

गए हैं, वे आज भी जर्जर और कच्चे मकानों में रहने को मजबूर हैं। बरसात के मौसम में उनके घरों में पानी टपकता है, दीवारें गिरने का खतरा बना रहता है और परिवार हर बारिश में डर के साये में रात गुजारता है। इसके बावजूद उन्हें योजना से बाहर कर दिया गया, जबकि कई ऐसे लोगों को लाभ मिल गया जिनके पास पहले से पक्के मकान हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत स्तर पर योजना के चयन में पारदर्शिता नहीं बरती गई। उनका कहना है कि प्रभावशाली लोगों और अपने करीबियों को लाभ पहुंचाने के लिए पात्र परिवारों के नाम सूची से हटाए गए। यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो आवास आवंटन में हुई अनियमितताएं सामने आ सकती हैं। अशोक पांचे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब और बेघर परिवारों के लिए शुरू की गई है, लेकिन जब वास्तविक पात्रों को ही योजना से वंचित कर दिया जाएगा तो सरकार की मंशा पर भी सवाल उठेंगे। उन्होंने कहा कि गांव के कई परिवार वर्षों से पक्के मकान की आस लगाए बैठे हैं, लेकिन सूची से नाम हटने के कारण उनका सपना अधूरा रह गया। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि ग्राम पंचायत धनसुआ में प्रधानमंत्री आवास योजना की पूरी प्रक्रिया की जांच कराई जाए। सर्वे सूची, ग्राम पंचायत द्वारा भेजी गई सूची और अंतिम स्वीकृत सूची का मिलान कर यह पता लगाया जाए कि किन परिस्थितियों में पात्र हितग्राहियों के नाम हटाए गए। साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए वास्तविक पात्र परिवारों को तत्काल योजना का लाभ दिलाया जाए। अब सवाल यह है कि गरीबों को पक्की छत देने वाली इस महत्वाकांक्षी योजना में आखिर पात्रों के नाम कैसे गायब हो गए? क्या यह केवल लापरवाही है या फिर किसी स्तर पर बड़ा खेल हुआ है? इसका जवाब अब प्रशासनिक जांच के बाद ही सामने आएगा।

जबलपुर के करोड़ों के सोना लूटकांड के तार गया से जुड़े, एमपी पुलिस की कई ज्वेलरी दुकानों पर छापेमारी

गया। मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुए करोड़ों रुपये के चर्चित सोना लूटकांड की जांच में एक बार फिर बिहार के गया जिले का कनेक्शन सामने आया है। पिछले तीन-चार दिनों से मध्य प्रदेश पुलिस की टीम गया जिले के गुरुआ, आमस, बांकेबाजार समेत कई थाना क्षेत्रों में लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस लूटे गए सोने को खपाने के नेटवर्क की जांच कर रही है और कई संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है।

- क्या है पूरा मामला?

यह मामला 11 अगस्त 2025 को मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के खितौला थाना क्षेत्र स्थित इंसाफ बैंक की शाखा में हुई बड़ी लूट से जुड़ा है। हथियारबंद अपराधियों ने बैंक से करीब 14.87 किलोग्राम सोना और 5 लाख रुपये नकद लूट लिए थे। इस सनसनीखेज वारदात के बाद शुरू हुई जांच में पुलिस को कई अहम सुराग मिले, जिनके आधार पर इस लूटकांड का कनेक्शन बिहार के गया जिले से जुड़ता नजर आया।

- गया में लगातार छापेमारी

मध्य प्रदेश पुलिस पिछले कई दिनों से गया जिले के विभिन्न इलाकों में डेरा डाले हुए है। गुरुआ, आमस और बांकेबाजार थाना क्षेत्रों में कई ज्वेलरी दुकानों की तलाशी ली जा रही है। बुधवार को गुरुआ बाजार स्थित शिव मंदिर के समीप एक आभूषण दुकान में पुलिस ने करीब चार घंटे तक गहन छानबीन की। इस दौरान दुकान के संचालक और अन्य लोगों से भी पूछताछ की गई। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं।

यह भी बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान कुछ सोना बरामद किया गया है, जिसकी जांच की जा रही है कि वह जबलपुर लूटकांड से जुड़ा है या नहीं।

- पहले भी हुई थी गिरफ्तारी, 3 किलो सोना बरामद

इस मामले में इससे पहले बिहार एसटीएफ ने वर्ष 2026 में गया से राजेश दास उर्फ आकाश दास और इंद्रजीत दास को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ ने उनके कब्जे से करीब तीन किलोग्राम लूटा गया सोना भी बरामद किया था। उसी कार्रवाई में मिले इनपुट के आधार पर अब मध्य प्रदेश पुलिस दोबारा गया पहुंचकर पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

ज्वेलरी दुकानदार का दावा

जिस आभूषण दुकान से सोना बरामद किए जाने की बात सामने आई है, उसके संचालक ने पुलिस के दावे से इनकार किया है। उनका कहना है कि बरामद किया गया सोना स्थानीय स्तर पर खरीदा गया है और उसका जबलपुर लूटकांड से कोई संबंध नहीं है। वहीं गुरुआ थाना अध्यक्ष ने कहा कि पूछताछ के लिए एक युवक को हिरासत में लिया गया था। उन्होंने कहा कि जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी तक किसी ज्वेलरी दुकान या कारोबारी की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल मध्य प्रदेश और बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई जारी है। जांच एजेंसियों का मानना है कि लूटे गए सोने को विभिन्न माध्यमों से बाजार में खपाने का प्रयास किया गया था। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग अपने पास लिया

जनता परिणाम चाहती है, केवल विभागों का हस्तांतरण नहीं- जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गौ-पालन एवं पशुपालन विभाग अपने पास रखने के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र में विभागों का आवंटन और परिवर्तन मुख्यमंत्री का अधिकार है, लेकिन प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि क्या विभाग बदलने से व्यवस्था भी बदलेगी? पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास पहले से ही अनेक महत्वपूर्ण विभाग हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन विभागों की जिम्मेदारी सीधे मुख्यमंत्री के पास है, वे भी जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। ऐसे में अब पशुपालन विभाग भी अपने पास रखने के बाद प्रदेश के किसान, पशुपालक और गौ-भक्त यह जानना चाहते हैं कि क्या इस विभाग का भविष्य भी अन्य विभागों जैसा होगा या वास्तव में इसमें सुधार दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि जिस भारतीय जनता पार्टी ने वर्षों तक गाय को अपनी राजनीति का सबसे बड़ा प्रतीक बनाया, उसी के शासन में मध्य प्रदेश का गोवंश सबसे अधिक उपेक्षित है। प्रदेश की गौशालाओं में चारे, पानी, उपचार और संसाधनों की कमी लगातार सामने आती रही है। दूसरी ओर किसानों की अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण माध्यम पशुपालन भी बढ़ती लागत, महंगे चारे और कमजोर सरकारी सहायता के कारण घाटे का सौदा बनता जा रहा है। पटवारी ने कहा कि स्वयं राज्य सरकार ने विधानसभा में स्वीकार किया है कि पिछले दो वर्षों में बेसहारा गोवंश से जुड़े 237 सड़क हादसे हुए, जिनमें 94 लोगों की मृत्यु तथा 133 लोग घायल हुए। यह केवल आंकड़े नहीं, बल्कि प्रशासनिक विफलता का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि सरकार यह भी स्वीकार कर चुकी है कि एक गौशाला में एक गोवंश के पालन-पोषण पर प्रतिदिन लगभग ?70 का खर्च आता है, जबकि सरकार द्वारा दिया जाने वाला अनुदान इससे काफी कम है। ऐसी स्थिति में गौशालाओं के संचालकों और गोवंश दोनों की बदहाल स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। पटवारी ने कहा कि धर्म केवल नारों से नहीं, बल्कि दायित्व निभाने से चलता है। सनातन संस्कृति केवल भाषणों में नहीं, बल्कि गौवंश की सुरक्षा, किसानों की समृद्धि और पशुपालकों के सम्मान से जीवित रहती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि यदि उन्होंने यह विभाग वास्तव में जिम्मेदारी के साथ अपने पास रखा है तो प्रदेश की सभी गौशालाओं की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करें, पशुपालकों के लिए राहत पैकेज घोषित करें, छुट्टा गोवंश की समस्या के स्थायी समाधान के लिए समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करें तथा किसानों की फसलों और सड़क दुर्घटनाओं में हुए नुकसान के लिए प्रभावी मुआवजा और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करें।

मप्र में कम बारिश ने बढ़ाई मुसीबत, किसानों को बार-बार करना पड़ रही बुवाई

भोपाल। मानसून में हुई देरी और अनियमित बारिश का असर अब सोयाबीन की खेती पर पड़ रहा है। किसानों द्वारा दो-दो बार बुवाई करने के बाद भी सोयाबीन की फसल का अंकुरण ही नहीं हुआ है। ऐसे में एक बार फिर बारिश की कमी की वजह से भी सोयाबीन की फसल के लिए स्थिति अनुकूल नहीं रह गई है। ऐसे में किसानों पर आर्थिक मार तो पड़ ही रही है। इसका असर सोयाबीन के उत्पादन पर भी पड़ेगा। आने वाले समय में बाजार और आम उपभोक्ताओं पर भी इसका असर देखने को मिलेगा।

दरअसल, मानसून के लेट होने की वजह से सोयाबीन की फसल की बुवाई करीब 15 दिन लेट शुरू हुई। इसके बाद बुवाई के लिए किसानों को अनुकूल स्थिति नहीं मिली और बड़े हिस्से में बोई गई सोयाबीन की फसल खराब हो गई। फसल नहीं उगने से परेशान किसानों ने सोयाबीन की दोबारा बुवाई कर दी, लेकिन पश्चिम मध्य प्रदेश में एक बार फिर बारिश गायब हो गई है। बारिश की कमी की वजह से दूसरी बार बोई गई सोयाबीन अंकुरित नहीं हुई है। ऐसे में सोयाबीन के सबसे बड़े उत्पादक क्षेत्र मालवा में सोयाबीन का रकबा घट जाने और उत्पादन प्रभावित होने का खतरा बन गया है।

दो-तीन बार करना पड़ रही बुवाई

किसान सुरेश पाटीदार ने बताया कि दो बार सोयाबीन की बुवाई फेल हो गई है। इसके बाद तीसरी बार बुवाई की है। यदि बारिश नहीं आती है, तो सोयाबीन की खेती में बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। किसान राजेश गोस्वामी ने बताया कि गांव में 40 प्रतिशत से अधिक किसानों को दोबारा बुवाई करनी पड़ी है। कई किसानों ने तो सोयाबीन की जगह अन्य फसल जैसे उड़द मक्का लगा ली है। बारिश नहीं आई तो इस साल सोयाबीन की फसल बिगड़ जाएगी।

प्रभावित हो सकता है उत्पादन

वहीं, कृषि विभाग के विशेषज्ञों के अनुसार अनियमित बरसात की वजह से सोयाबीन का रकबा घट सकता है। कृषि अधिकारी बिका वास्के बताते हैं कि इस वर्ष मानसून की बारिश लेट हुई है और सोयाबीन की बुवाई की अनुकूल स्थिति नहीं मिलने की वजह से कई छात्रों में दोबारा सोयाबीन की बुवाई की गई है। इस वर्ष सोयाबीन का रकबा 10 प्रतिशत तक कम हुआ है और आगे बारिश अच्छी नहीं होने की स्थिति में उत्पादन प्रभावित हो सकता है।

गौरतलब है कि देश में मध्य प्रदेश में सर्वाधिक सोयाबीन का उत्पादन होता है। इस वर्ष बारिश की कमी और खरीफ सीजन की शुरुआत में ही सोयाबीन की फसल अंकुरण और बुआई में आ रही समस्या को लेकर व्यापारियों और बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि सोयाबीन की फसल मालवा क्षेत्र के किसानों का मुख्य आर्थिक आधार है। यदि किसानों को नुकसान होगा तो इसका असर बाजार पर पड़ेगा। सोया व्यापार और मंडी से जुड़े हुए व्यवसायी नरेंद्र जैन ने बताया कि रतलाम जिले और आसपास के क्षेत्र में सोयाबीन की दो-तीन बार बुआई करना पड़ गई है। इसकी वजह से सोयाबीन का रकबा घटेगा और उत्पादन भी कम होगा। इससे सोयाबीन के दाम बढ़ेंगे और सोया तेल भी महंगा होने की संभावना बनेगी।

आज पीएम मोदी हरियाणा से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

चंडीगढ़। पीएम नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। पीएम के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के साथ-साथ हरियाणा के सभी जिलों में भी जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, चेयरमैन, जिला अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। खास बात यह है कि पीएम मोदी के आगमन पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में कांग्रेस के निलंबित पांच विधायकों को भी आमंत्रित किया गया है। इनमें जरनैल सिंह, शैली चौधरी, रेणु बाला, मोहम्मद इसराइल और मोहम्मद इलियास शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिला स्तर पर अलग-अलग स्थानों पर वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी भी तय कर दी गई है। अंबाला में कैबिनेट मंत्री अनिल विज, सोनीपत में कृष्णलाल पवार, पानीपत में महिपाल ढांडा, हिसार में रणवीर गंगवा, भिवानी में श्रुति चौधरी, फरीदाबाद में विपुल गोयल और गुरुग्राम में राव नरवीर कार्यक्रम में शामिल होंगे।

आज बैंकों में रहेगा ताला...जाने किस राज्य और क्यों

नई दिल्ली । यदि आप शुक्रवार, 17 जुलाई को बैंक संबंधी कोई कार्य निपटाने की योजना बना रहे हैं, तब यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। कल मेघालय राज्य में सभी सरकारी और निजी बैंक बंद रहने वाले है। यह छुट्टी 19वीं सदी के शुरुआती स्वतंत्रता सेनानी और खासी पहाड़ियों के आदिवासी राजा यू तिरोत सिंग की पुण्यतिथि के मौके पर घोषित की है। उन्होंने अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की थी और अपनी ज़मीन व जंगलों की रक्षा के लिए उनके खिलाफ लंबा संघर्ष किया था। हालांकि, मेघालय को छोड़कर देश के बाकी सभी राज्यों में कल बैंक खुले रहने वाले है। इसके पहले, गुरुवार, 16 जुलाई को ओडिशा, मणिपुर और उत्तराखंड में रथ यात्रा, कांग रथयात्रा और हरेला त्यौहार के कारण बैंकों में अवकाश था।

जुलाई महीने में बैंक कई अन्य दिनों पर भी बंद रहने वाले है। यह जानना ज़रूरी है कि ये छुट्टियां राज्य-विशिष्ट या राष्ट्रीय स्तर पर हो सकती हैं। 18 जुलाई (शनिवार) को केवल सिक्किम में द्रुकपा त्शे-जी त्यौहार के कारण बैंक बंद रहने वाले है। जबकि अन्य राज्यों में तीसरे शनिवार होने के बावजूद बैंक खुले रहने वाले है। 19 जुलाई (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश के चलते पूरे देश में बैंकों में ताला रहेगा। इसके बाद, 22 जुलाई (बुधवार) को त्रिपुरा में खारची पूजा के कारण और 25 जुलाई (चौथा शनिवार) तथा 26 जुलाई (रविवार) को क्रमशः चौथे शनिवार और साप्ताहिक अवकाश के कारण भी देश भर में बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इसलिए, बैंक जाने से पहले छुट्टियों की सूची ज़रूर जांच लें।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0020/ड-154/2026-27
मौजा कंजई, रा.नि.मं. लालबर्रा

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मालती भलावी पिता सावन भलावी जाति गोंड, निवासी ग्राम कंजई, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कंजई, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता कमलाबाई पति स्व. रामदयाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 18.01.1986 मृत्यु स्थल ग्राम कंजई के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 17.07.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 16.07.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कुनबी समाज का 35वॉ स्थापना दिवस एवं प्रतिभाओं का सम्मान समारोह संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रगतिशील कुनबी समाज जिला बालाघाट के तत्वाधान में समाज का 35वॉ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहां आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी प्रतिभाओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंचासीन अतिथियों द्वारा शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एंव दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।शुभारंभ में सरस्वती शिशु मंदिर कारंजा लांजी की बालिकाओं, कुमारी विशाखा, चेतना, निकिता द्वारा दीप ज्योति प्रार्थना सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।मंचासीन अतिथियों में सरंक्षक भागवत कुथे, निलकण्ठ बहेकार, बेनीराम खोटेले,जिला अध्यक्ष सुनिल खोटेले, श्रीराम दानी, श्रीमती नलिनी थेरकर, टी सी भागडकर, प्रभु एस बुढ्ढेकर, कीर्ति कुमार ठाकुर ए.आर थेरकर घनश्याम फुण्डे, जयराम खोटेले, ज्ञानीराम पडोरे, मामा मते, एशराम लानगे का स्वागत सत्कार किया गया ।अतिथियो का स्वागत अरविन्द पारधी, मोहन थेरकर, कैलास डोरस, चैतराम सपाटे, राधेश्याम भोयर, प्रमोद सपाटे, तरूण नाकतोडे, दिलीप बहेकार, उमाशंकर खोटेले, द्वारा किया गया।इसी प्रकार श्रीमती सीमा बुढेढकर

कल्पना बहेकार लता खोटेले उर्मिला थेरकर का स्वागत श्रीमती माधुरी बेदरे आरती दानी, मन्दा बहेकार, द्वारा किया गया तत्पश्चात कक्षा 10वी एंव 12वी के 75 प्रतिशत से अधिक के छात्र एवं छात्राओं का समाज द्वारा सम्मान किया गया।जिसमें कक्षा 10वी के 124 छात्र/ छात्रायें एवं 12वी के 68 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।कक्षा 12वी प्रथम क्रमांक में ऋक्केश पिता संजय ठाकरे ग्राम ढोरिया परसवाडा 95.20 प्रतिशत, द्वितीय क्रमांक खुशबु पिता बलीराम तुमसरे कनकी लालबर्रा क्षेत्र 94.40 प्रतिशत एंव तृतीय क्रमांक मे रेणु रागिनी पिता रविन्द्र ब्राम्हणकर ग्राम नाहरवानी हटा 93.20 प्रतिशत,इसी प्रकार कक्षा 10वी मे प्रथम क्रमांक कुमारी पल्लवी बान्ते पिता रामकिशन बान्ते ग्राम सारद सिवनी हट्टा 98.8 प्रतिशत, द्वितीय क्रमांक में रौनक पिता गुनीराम बागडे ग्राम आवारी टोला ग्राम कारंजा लांजी 98.6 प्रतिशत एवं हिमांशी पिता गंगाराम कुथे 98.2 प्रतिशत, बालाघाट द्वारा तृतीत स्थान प्राप्त किया।अतिथियों द्वारा जिसमें नगद राशि व स्मृतिचिन्ह एवं प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया।

लगातार प्रगति कर रहा समाज- खोटेले

अध्यक्ष सुनील खोटेले ने कहा कि 1991 में समाज रूपी पौधे का बीज रोपित किया गया था जो आज 35वें वर्ष में निरन्तर प्रगति कर रहा है । समाज के सभी प्रतिभावान बच्चों के उज्जवल भविष्य यशशवी जीवन के लिए आगे और अधिक परिश्रम करने की जरूरत है। इन्ही विचारों पर बल दिया।इस अवसर पर श्री खोटेले ने शिवाजी सांस्कृतिक भवन में स्थान की कमी को देखते हुए समाजजनों से अपील की जिसमें टी.सी भागडकर, भागवत कुथे, श्रीराम दानी,महेश खोटेले, संजय ठाकरे, शिवचरण घोरमोड़े एवं मनोहर मराठा द्वारा भवन निर्माण हेतु प्रत्येक ने 25000/- रूपये की राशि अपने माता-पिता की स्मृति में देने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सभी दानवीरों का स्वागत किया गया।अन्य वक्ताओं में संरक्षक नीलकण्ठ बहेकार, बेनीराम खोटेले सहित अन्य द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये।कार्यक्रम का संचालन शिवशंकर शिवणकर द्वारा किया गया कार्यक्रम के सफलतार्थ शैलेन्द्र बेदरे, अशोक ढोंगे, आदित्य शिवणकर, रवि दोनाडकर, राधेश्याम भोयर बेनीराम झलपे, चैतराम सपाटे सुनीता पारधी, सरीता कुथेकर ने प्रयास किया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

डायल 112 की तत्परता से बची युवक की जान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। समय पर मिली सूचना और डायल112 की त्वरित कार्रवाई ने एक 18 वर्षीय युवक की जान बचा ली। गर्रा पुल के पास वैनगंगा नदी में पूरी रात फंसे युवक को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकालकर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका

उपचार जारी है। पुलिस की इस संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई की लोगों ने सराहना की। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जुलाई 2026 को गर्रा निवासी शाहरुख खान ने डायल112 पर सूचना दी कि गर्रा पुल के पास वैनगंगा नदी में एक युवक गिरा हुआ है और उसकी हालत गंभीर है। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना से डायल 112 के आरक्षक गोपाल घोड़ावत एवं पायलट प्रज्ज्वल सोनी तत्काल मौके के लिए रवाना हुए।घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस टीम ने देखा कि युवक नदी के पानी में आधा डूबा हुआ था और अत्यधिक पीड़ा की स्थिति में पड़ा था। प्रारंभिक जानकारी में पता चला कि युवक पिछली रात से ही नदी में फंसा हुआ था। लंबे समय तक पानी में रहने के कारण उसकी शारीरिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही थी और वह स्वयं बाहर निकलने में असमर्थ था।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नदी से बाहर निकाला गया और 112 वाहन से तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाकर भर्ती कराया गया। समय रहते चिकित्सकीय उपचार मिलने से युवक की जान बच गई।उपचार के दौरान युवक ने अपना नाम हर्ष चौरागढ़े 18 वर्ष निवासी बुढ़ी बालाघाट बताया। उसने पुलिस को बताया कि वह घूमने के उद्देश्य से वैनगंगा नदी के किनारे गया था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गया। नदी में पानी का बहाव तेज होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका और पूरी रात नदी में ही फंसा रहा। लंबे समय तक पानी में रहने से उसकी हालत गंभीर हो गई थी।पुलिस की तत्परता, मानवीय संवेदनशीलता और स्थानीय लोगों के सहयोग से युवक को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस सफल रेस्क्यू अभियान ने एक बार फिर यह साबित किया कि आपातकालीन परिस्थितियों में डायल-112 और एफआरवी पुलिस की त्वरित कार्रवाई लोगों के लिए जीवनरक्षक साबित हो रही है।

राघवटोला प्लांट आगजनी में पुलिस ने और कसा शिकंजा, 9 और गिरफ्तार, भेजे गए जेल

करोडो की आगजनी मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़ी, भाजपा पदाधिकारी, सरपंच समेत पहले ही तीन आरोपी जा चुके हैं जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र के राघवटोला स्थित निर्माणाधीन माइक्रो इरिगेशन परियोजना प्लांट में हुई करोड़ों रुपये की आगजनी के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। बहुचर्चित इस मामले में गुरुवार 16 जुलाई को पुलिस ने नौ और आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इससे पहले इस मामले में भाजपा पदाधिकारी एवं जनपद पंचायत बालाघाट के निर्माण सभापति भुवनेश्वर रजक, ग्राम पंचायत परतापुर के सरपंच राजेश सिरसाम तथा राकेश दमाहे को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। लगातार हो रही गिरफ्तारी से अब इस मामले में पुलिस की कार्रवाई और तेज होती दिखाई दे रही है।

गौरतलब है कि 1 जुलाई को राघवटोला स्थित निर्माणाधीन माइक्रो इरिगेशन परियोजना प्लांट में भीषण आग लगने से करोड़ों रुपये की मशीनरी, पाइप, एचडीपीई फिटिंग, वाल्व, स्काडा सामग्री, ओएमएस उपकरण, कंटेनर और अन्य निर्माण सामग्री जलकर खाक हो गई थी। कंपनी ने इस आगजनी में करीब 4 से 5 करोड़ रुपये के नुकसान का दावा किया था। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने इसे दुर्घटना नहीं बल्कि सुनियोजित आगजनी मानते हुए गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज किया। मामले के शिकायतकर्ता अतुल बघेले निवासी बुढियागांव ने पुलिस को दिए बयान में बताया था कि घटना के दिन वह प्लांट में ड्यूटी पर मौजूद था। उसके साथ प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक बिरतिया, सुपरवाइजर हिमांशु राजुरकर तथा कर्मचारी अजय बनवाले भी कार्य कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी भुवनेश्वर रजक, राजेश सिरसाम और राकेश दमाहे अपने साथियों के साथ प्लांट पहुंचे। आरोप है कि आरोपियों ने पहले कंपनी प्रबंधन से 10 लाख रुपये की मांग की और रकम नहीं मिलने पर प्लांट में आग लगाने की धमकी दी। शिकायत के अनुसार राकेश दमाहे अपने साथ पेट्रोल से भरी केन लेकर आया था और उसने प्लांट परिसर में रखी सामग्री पर पेट्रोल छिड़कना शुरू कर दिया। जब कर्मचारी अतुल बघेले ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने कथित रूप से उसके ऊपर भी पेट्रोल डाल दिया। आरोप है कि सरपंच राजेश सिरसाम ने माचिस जलाकर आग लगा दी, जिससे अतुल के हाथ झुलस गए। उसने बारिश के पानी से किसी तरह आग बुझाकर अपनी जान बचाई, जबकि अन्य कर्मचारी मौके से भाग निकले। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने प्लांट परिसर में रखी करोड़ों रुपये की सामग्री को आग के हवाले कर दिया और जाते समय कंपनी प्रबंधन को धमकी भी दी कि जब तक 10 लाख रुपये नहीं दिए जाएंगे, तब तक यहां काम नहीं करने दिया जाएगा और दोबारा भी ऐसी घटनाएं होती रहेंगी। इस मामले में लामता पुलिस ने शिकायत के आधार पर भाजपा पदाधिकारी एवं जनपद पंचायत बालाघाट के निर्माण सभापति भुवनेश्वर रजक, सरपंच राजेश सिरसाम, राकेश दमाहे सहित अन्य आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 109(1), 191(2), 191(3), 296(बी), 326(एफ), 326(जी), 308(5), 351(3) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। प्रारंभिक कार्रवाई में तीन मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने विवेचना आगे बढ़ाते हुए 16 जुलाई को इस प्रकरण में शामिल कृपाल वरकड़े, मोतीराम पंद्रे, दिनेश पंद्रे, गणेश सिरसाम, संजय सिरसाम, देवेंद्र पंद्रे उर्फ गोलू पंद्रे, ताराचंद कुमरे, मुकेश मर्सकोले और आकाश उइके को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया। इधर, मामले में गिरफ्तार किए गए नौ आरोपियों की ओर से अधिवक्ता गौरव मेश्राम ने बताया कि सभी आरोपियों की ओर से शुक्रवार को न्यायालय में जमानत याचिका प्रस्तुत की जाएगी। अब इस बहुचर्चित मामले में सभी की नजर न्यायालय की सुनवाई पर टिकी है कि आरोपियों को राहत मिलती है या न्यायालय उनकी जमानत याचिका निरस्त करता है। फिलहाल सभी आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल में हैं।

और बढ़ सकती है आरोपियों की संख्या

राघवटोला प्लांट आगजनी मामले में पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए तथ्य और साक्ष्य भी सामने आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार विवेचना के दौरान घटना में शामिल कई अन्य लोगों की पहचान भी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि पुलिस के पास करीब तीन दर्जन संदिग्धों की सूची है, जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है। अब तक कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में जिन लोगों की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिलेंगे, उनके विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में आने वाले दिनों में इस बहुचर्चित मामले में आरोपियों की संख्या और बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत 16 जुलाई को महिला पुलिस थाना बालाघाट की टीम ने जिले के शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचकर विद्यार्थियों को नशे के प्रति जागरूक किया। इस दौरान छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों को नशे के दुष्प्रभावों की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए उन्हें नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

अभियान के तहत महिला पुलिस थाना की टीम ने सबसे पहले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समनापुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशे की शुरुआत अक्सर शौक या साथियों के दबाव में होती है।लेकिन धीरे धीरे यही आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, परिवार और सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित कर देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने और अपने आसपास यदि कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में हो तो उसे समझाने तथा आवश्यक होने पर परिवार और संबंधित विभाग को जानकारी देने की अपील की।इसके बाद महिला थाना पुलिस की टीम पीएम श्री शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल बड़ी कुम्हारी पहुंची।जहां लगभग 400 से 500 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। यहां भी विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों, साइबर अपराध, सामाजिक जिम्मेदारियों तथा कानून के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ ने एक स्वर में नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण की।पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि शराब, तंबाकू, गुटखा, सिगरेट, ड्रग्स और अन्य मादक पदार्थ न केवल शरीर को गंभीर बीमारियों की ओर ले जाते हैं। बल्कि व्यक्ति की सोच, व्यवहार और निर्णय लेने की क्षमता को भी प्रभावित करते हैं। नशे की

वजह से कई परिवार आर्थिक संकट, घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और आपराधिक घटनाओं का शिकार होते हैं। इसलिए युवाओं की भूमिका नशामुक्त समाज के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उन्हें पढ़ाई, खेल, योग, सांस्कृतिक गतिविधियों और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यदि युवा सही दिशा में आगे बढ़ेंगे तो समाज स्वयं नशे जैसी बुराइयों से मुक्त होता जाएगा।इस जागरूकता अभियान में महिला थाना प्रभारी किरण वरकड़े, सहायक उप निरीक्षक दिनेश पंचेश्वर, आरक्षक तरुण, विशेष दस्ते की सदस्य साक्षी सहित महिला पुलिस थाना एवं विशेष दस्ते के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने भी पुलिस विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उल्लेखनीय है कि पुलिस विभाग द्वारा चलाया जा रहा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना तथा समाज में नशामुक्त वातावरण तैयार करने के लिए जनभागीदारी बढ़ाना है।

भू अधिग्रहण में आया नाम, पर नहीं मिला मुआवजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक आदिवासी महिला ने अपनी पुश्तैनी भूमि के राजस्व अभिलेखों से नाम हटाकर कथित रूप से उक्त भूमी को फर्जी तरीके से विक्रय किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है।जिंसमे उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में सौपे गए ज्ञापन में इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।खामटोला (चांगोटोला) निवासी सगुनाबाई ने कलेक्टर को दिए आवेदन में बताया कि वह आदिवासी समाज की महिला हैं तथा मूल रूप से ग्राम डोंगरिया की निवासी हैं। उनका विवाह लगभग 20 से 22 वर्ष पूर्व खामटोला में हुआ, जिसके बाद से वह वहीं निवास कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनकी नानी कमलीबाई तथा माता बेंदुबाई के नाम ग्राम डोंगरिया में पैतृक भूमि दर्ज थी। माता की मृत्यु के बाद उत्तराधिकार के आधार पर उनका नाम दर्ज होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। आवेदिका के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-543 के निर्माण के लिए वर्ष 2023 में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के दौरान जारी राजपत्र में उनके परिवार के नाम दर्ज थे, किंतु नामों में त्रुटियां होने के बावजूद उनका सुधार नहीं किया गया। उनका आरोप है कि इसी का लाभ उठाते हुए राजस्व अभिलेखों से उनकी माता का नाम हटाकर केवल अन्य सहखातेदारों के नाम दर्ज कर दिए गए और जानबूझकर उनका नाम उत्तराधिकारी के रूप में नहीं जोड़ा गया।

एक ही भूमि के बना दिए दो अलग अलग नक्शे

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि सहखातेदार लक्ष्मण की मृत्यु के बाद उसकी पुत्रियां मनौती और सनौती के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर दिए गए, जबकि बेंदुबाई की एकमात्र उत्तराधिकारी होने के बावजूद सगुनाबाई का नाम शामिल नहीं किया गया। इसके बाद कथित रूप से 13 फरवरी 2024 को संबंधित भूमि का विक्रय पत्र निष्पादित कराया गया। आवेदिका का कहना है कि विक्रय पत्र में बैंकिंग माध्यम से भुगतान दर्शाया गया, जबकि वास्तविक रूप से विक्रेताओं को कोई प्रतिफल राशि नहीं दी गई।

सगुनाबाई ने आरोप लगाया कि बाद में उक्त भूमि को दूसरे व्यक्ति के नाम विक्रय कर दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भूमि हस्तांतरण की अनुमति मिलने से पहले ही पटवारी द्वारा भूमि का नक्शा काट दिया गया, जिससे पूरे मामले में राजस्व अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है।आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि दोनों विक्रय पत्रों में संलग्न नक्शों में गंभीर अंतर है। एक नक्शा वर्ष 1996-97 का तथा दूसरा वर्ष 2012-13 का बताया गया है, जिनमें एक ही भूमि को अलग-अलग स्वरूप में दर्शाया गया है।

वैधानिक कार्यवाही कर दिलाया जाए इंसाफ-सगुनाबाई

आवेदिका सगुनाबाई ने बताया कि यह पूरा कृत्य सुनियोजित षड्यंत्र और छल-कपट के तहत किया गया है।महिला ने यह भी आरोप लगाया कि मनौती और सनौती को यह कहकर रजिस्ट्रार कार्यालय ले जाया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के मुआवजे की प्रक्रिया पूरी करनी है, जबकि उनसे धोखे से विक्रय पत्र पर हस्ताक्षर करा लिए गए। मामले की शिकायत पूर्व में पुलिस से भी की गई थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।ज्ञापन में तत्कालीन एवं वर्तमान पटवारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। आवेदिका का आरोप है कि राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर उनकी माता का नाम हटाया गया तथा उत्तराधिकारी होने के बावजूद उनका नाम दर्ज नहीं किया गया, जिससे उन्हें उनकी पैतृक संपत्ति से वंचित कर दिया गया।सगुनाबाई ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर भूमि हस्तांतरण, नामांतरण, विक्रय पत्रों तथा राजस्व अभिलेखों की जांच कराने, दोषी अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई करने तथा उन्हें उनकी वैधानिक भूमि का अधिकार दिलाने की मांग की है।

मानेगांव सड़क हादसे में तीन की मौत, घायल धानेश्वर ने उपचार के दौरान नागपुर में तोड़ा दम

भरवेली के एक ही मोहल्ले में एक साथ तीन घरों में मातम, गांव में शोक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीती रात भरवेली थाना क्षेत्र के मानेगांव में हुए भीषण सड़क हादसे में, तीन लोगों की मौत हो गई।जहा सीमेंट से भरे बेलगाम ट्रक की चपेट में आने से भरवेली वार्ड नंबर 5 निवासी मायल श्रमिक गोविंद मर्सकोले ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था।तो वही 44 वर्षीय प्रकाश पिता योगराज चौरे की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। वही इस हादसे में गंभीर रूप से घायल 23 वर्षीय धानेश्वर पिता दशरथ मर्सकोले को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल से नागपुर रिफर किया गया था, जहां नागपुर के सरकारी अस्पताल में भोर सुबह करीब 4 बजे उसकी भी उपचार के दौरान मौत हो गई। इस तरह बुधवार की रात मानेगांव मार्ग पर ट्रक की चपेट में आने से हुए इस भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। यह तीनों व्यक्ति ग्राम पंचायत भरवेली वार्ड नंबर 5 श्री राम मंदिर के पीछे एक ही मोहल्ले के बताए गए हैं।हादसे के बाद एक ही मोहल्ले के तीन घरों में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, तो वही एक साथ सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत होने पर पूरे गांव में अशोक व्याप्त है

एक ही मोहल्ले में रहते थे तीनो दोस्त

बताया जाता है कि गोंविद मॉयल कर्मी था,जबकि प्रकाश और धानेश्वर मजदूरी का काम करते थे। एक ही मोहल्ले में निवासरत होने से तीनो आपस में दोस्त थे जो बुधवार की शाम, टेकाड़ी में चाय-नाश्ता करने गए थे। जहां से तीनो गोंविद की मोटर सायकिल में वापस भरवेली आ रहे थे।मोटरसाइकिल

गोंविद चला रहा था।इसी दौरान बालाघाट से मलाजखंड की ओर सीमेट लेकर जा रहे ट्रक क्रमांक एमएच 34-बीजी 9316 ने उनकी मोटर सायकिल को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे, गोविंद ट्रक की चक्के की चपेट में आ गया और तकरीबन 50 से 60 मीटर तक चक्के के साथ घसीटते चला गया। जिससे उसका पेट फट गया और पेट से लेकर पैर के घुटनों तक के हिस्सा चूराचूर हो गया था। जिसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी।घटना की जानकारी के बाद भरवेली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रकाश चौरे और धानेश्वर मर्सकोले को एम्बुलेंस से अस्पताल भिजवाया। जहां रात तकरीबन 11 बजे प्रकाश ने दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल धानेश्वर मर्सकोले को परिजन बेहतर उपचार के लिए नागपुर लेकर गए थे, इस दौरान ही तकरीबन सुबह 4.00 बजे, उसने उपचार के दौरान नागपुर में दम तोड़ दिया।

इकलौता बेटा था गोंविन्द

बताया गया कि सड़क हादसे में मारे गए मॉयल कर्मी, गोविंद, परिवार का इकलौता बेटा था। जिसकी मौत ने पत्नी, दो बच्चे और मां से उनका पालनहार छिन लिया है। वहीं प्रकाश चौरे के पांच बच्चे है, जबकि अभी धानेश्वर अविवाहित था। एक ही घटना में तीन परिवारों ने अपनो बेटो को खो दिया।

मामले की जांच जारी है-पन्द्रों

हिट एंड रन के इस मामले में पुलिस ने दोनो मृतकों के शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम कराकर, शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।पुलिस ने बताया कि मामले में ट्रक चालक बल्लारशाह निवासी नसरत अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर, ट्रक को जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी भूपेन्द्रसिंह पंद्रो ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पेंशन की राह तक रहे वृध्दजन और दिव्यांगजन, 5 महीने से नहीं मिली राशि

वृध्दजन, दिव्यांगजन सहित अन्य पेंशनधारी परेशान, जिम्मेदार मौन, जल्द 5 माह की पेंशन की राशि दिलवाने की शासन-प्रशासन से लगाई गुहार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शासन की ओर से चलाई जा रही समाज कल्याण की योजनाएं धरातल पर दम तोड़ती नजर आ रही हैं। प्रदेश में पिछले पांच महीनों से वृध्दजन, दिव्यांगजन और निराश्रित महिलाओं को पेंशन की राशि नहीं मिली है। इस लेट-लतीफी के कारण समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के सामने आज रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सरकार की तमाम जनहितैषी घोषणाएं इस वर्ग के लिए कागजी और खोखली साबित हो रही हैं। वहीं वृध्दजन सहित अन्य पेंशनधारी पेंशन की राशि आने में देरी होने से परेशान होकर जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचकर जिम्मेदारों से मिलकर राशि कब आयेगी पूछ रहे है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ उन्हे आश्वासन ही दे रहे है कि जल्द खाते में राशि आ जायेगी। लेकिन 5 महीने बीत जाने के बाद भी अब तक पेंशन की राशि नही मिलने से वृध्दजन, दिव्यांगजन सहित निराश्रित महिलाओं को जीविकापार्जन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सभी पेंशनधारियों ने शासन-प्रशासन से जल्द शासन से मिलने वाली पेंशन की राशि खाते में डालने की मांग की है।

निराश्रितों का एकमात्र सहारा है पेंशन

आपकों बता दे कि सरकार के द्वारा असहाय, बुजुर्गो, दिव्यांगजन एवं 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को प्रतिमाह 600 रूपये पेंशन के रूप में देती है ताकि वे अपने जीविकापार्जन कर सके। लेकिन समय पर पेंशन की राशि नही मिलने से सभी पेंशनधारी परेशान है। महंगाई के इस दौर में जहां आम इंसान का जीना मुहाल है। वहीं इन असहाय बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए यह सरकारी पेंशन ही जीवन का एकमात्र सहारा थी। इसी मामूली राशि से ये लोग अपनी दवाइयां, राशन और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करते थे। लेकिन पिछले 5 माह से खातों में एक रुपया भी न आने के कारण अब इनके सामने भूखे मरने की नौबत आ गई है। कई बुजुर्ग तो ऐसे हैं जो गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और रूपये न होने के कारण उनकी दवाइयां भी बंद हो चुकी हैं। वहीं पेंशन की आस में लाचार बुजुर्ग और दिव्यांगजन प्रतिदिन जनपद पंचायत कार्यालय का चक्कर काटने को मजबूर हैं। वहीं अधिकारी सिर्फ जल्द ही बजट आने का खोखला आश्वासन देकर उन्हे वापस कर देते हैं। वहीं बैंकों के चक्कर लगा-लगाकर थक चुके इन लाभार्थियों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। जिससे सभी पेंशनधारियों में शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

औचित्यहीन साबित हो रही जनहितैषी योजनाएं

एक तरफ सरकार हर मंच से यह दावा करती है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी लाभ सीधे पहुंच रहा है। वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। नियमानुसार हर महीने आधार पर पेंशन लाभार्थियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से राशि पहुंच जानी चाहिए थी। परंतु पांच महीने का लंबा समय बीत जाने के बाद भी पेंशन न मिलना शासन और प्रशासनिक तंत्र की भारी उदासीनता को दर्शाता है। वहीं पेंशनधारियों का कहना है कि 5 महीने से बैंक और सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे है, किन्तु पेंशन की राशि कब मिलेगी जिसके बारे में कोई सही जवाब नहीं देते है। वहीं दुकान वाले ने भी अब उधार राशन देना बंद कर दिया है। वहीं नि:शक्त सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी का कहना है कि शासन स्तर से ही बजट का अभाव है, राशि आबंटित होते ही उनके खातों में राशि डाल दी जायेगी।

5 माह से पेंशन नही मिली है वृध्दजनों को - सिलेकर

डीपी सिलेकर ने बताया कि सरकार बड़ी-बड़ी बातें और घोषणाएं करती है, लेकिन हकीकत यह है कि बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों को मिलने वाली 600 रूपये प्रतिमाह की पेंशन जो कि मात्र 20 रूपये प्रतिदिन बैठती है। वह भी पिछले 5 महीनों से नहीं मिली है। जिससे वृध्दजन, दिव्यांग, निराश्रित महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जब सरकार वृध्दजनों को 20 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से माह में 600 रूपये नही दे पा रही है जो समझ से परे लग रहा है और अपने आप को जनहितैषी सरकार बताती है लेकिन जमीनी स्तर पर शून्य नजर आ रही है। श्री सिलेकर ने बताया कि 70 से 80 वर्ष की उम्र के कई ऐसे बुजुर्ग हैं जो चल-फिर भी नहीं सकते, यह पेंशन कोई भीख नहीं बल्कि उनका हक है। लाड़ली बहना जैसी योजनाओं में रूपये दिये जा रहे हैं, लेकिन जीवन के अंतिम पड़ाव पर खड़े इन बुजुर्गों को नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे पेंशनधारियों में आक्रोश व्याप्त है।

सरकार जल्द पेंशन की राशि पेंशनधारियों के खाते में डाले - भाऊराम

जिला कांग्रेस कमेटी सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि सरकार के द्वारा असहाय, बुजुर्गो, दिव्यांगजन एवं 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को प्रतिमाह 600 रूपये पेंशन के रूप में देती है ताकि वे अपने जीविकापार्जन कर सके। लेकिन 5 माह से पेंशन नही मिलने से सभी पेंशनधारियों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और रोजाना वृध्दजन व दिव्यांगजन जनपद कार्यालय का चक्कर लगा रहे है किन्तु उनकी कोई सुनवाई नही हो पा रही है। समय पर पेंशन की राशि नही मिलने से सभी पेंशनधारी परेशान है। इसलिए सरकार से मांग है कि वृध्दजन एवं दिव्यांगजनों के खातों में 5 माह का जल्द पेंशन की राशि डाले।

इनका कहना है-

5 माह से वृध्दजन, दिव्यांगजनों को पेंशन नही मिली है जिसका मुख्य कारण है कि शासन स्तर से ही विलंब हो रहा है, हमारे द्वारा इस समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। जल्द ही सभी पेंशनधारियों के खातों में राशि आ जायेगी।

आकाश बोकड़े
ब्लाक समन्वयक
नि:शक्त सामाजिक न्याय विभाग जनपद पंचायत लालबर्रा।

नगपुरा के उमावि. में गुरू पुर्णिमा पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर ग्राम पंचायत नगपुरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को गुरू पुर्णिमा पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम स्कूल के प्राचार्य चंद्रपाल उके की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। यह कार्यक्रम लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल के निर्देशानुसार इस पखवाड़े का आयोजन 15 जुलाई से 29 जुलाई तक किया जा रहा है। वहीं इस निर्देशों के तहत इस अवधि में तिथि वार विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। वहीं गुरूपुर्णिमा पखवाड़ा कार्यक्रम के शुभारंभ पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिये। चर्चा में स्कूल के प्राचार्य चंद्रपाल उके ने बताया कि गुरू पुर्णिमा पखवाड़ा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृति, गुरू ज्ञान, संस्कार एवं जीवन मूल्यों का विकास करना है। साथ ही, गुरू-शिष्य परंपरा के संवर्धन, शिक्षकों के सम्मान, विद्यार्थियों में नैतिक संस्कारों के विकास तथा शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम स्कूलों में आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी में बुधवार को स्कूल में गुरू पुर्णिमा पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ कर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं स्कूल में होने वाली गतिविधियों के बारे में बताया गया ताकि वे शैक्षणिक व प्रायोगिक गतिविधियों से रूबरू होकर अ'छी पढ़ाई कर आगे बढ़ सके। इस अवसर पर शिक्षिका श्रीमती अनुराधा भौरगढ़, प्रीति अमूले, सोमलाल बारेकर, शीतल बहेकार सहित अन्य

उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के विद्यार्थियों ने किया सांदीपनी विद्यालय लेंडेझरी का शैक्षणिक भ्रमण

संस्कार, संस्कृति और गुरू-शिष्य परंपरा के संवर्धन के लिए आयोजित हुआ कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शासन के निर्देशानुसार गुरू पूर्णिमा पखवाड़ा अभियान के तहत शासकीय स्कूलों में विभिन्न रचनात्मक व शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में संस्कृति, गुरू ज्ञान, नैतिक संस्कार और जीवन मूल्यों का विकास करना है। साथ ही गुरू-शिष्य परंपरा को समृध्द करना, शिक्षकों का सम्मान बढ़ाना और विद्यार्थियों के लिए एक बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है। इसी कड़ी में गुरू पूर्णिमा पखवाड़ा अभियान के दूसरे दिन गुरूवार को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के विद्यार्थियों ने सांदीपनी विद्यालय लेंडेझरी का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांदीपनी विद्यालय लेंडेझरी परिसर में स्थित विभिन्न आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं का अवलोकन किया। जिसमें विद्यार्थियों ने लाइब्रेरी में ज्ञानवर्धक पुस्तकों और अध्ययन के तौर-तरीकों को देखा, आईटी लैब व केमिस्ट्री लैब में कंप्यूटर व विज्ञान के आधुनिक उपकरणों और उनके प्रयोगों को बारीकी से समझा। क्रीड़ा कक्ष (स्पोर्ट्स रूम)में खेल गतिविधियों और शारीरिक विकास के महत्व को जाना एवं अन्य गतिविधियों को देखा और समझा है। इस शैक्षणिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्कृष्ट दर्जे की शैक्षणिक व प्रायोगिक गतिविधियों से रूबरू करवाना है, ताकि वे इन अनुभवों से सीख लेकर अपनी पढ़ाई को और बेहतर बना सकें एवं जीवन में आगे बढ़ सकें। चर्चा में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि गुरू पुर्णिमा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत 16 जुलाई को स्कूल के छात्र-छात्राओं को सांदीपनी विद्यालय लेंडेझरी का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया है। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में "नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान" के अन्र्तगत विद्यार्थियों को शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन कर दिलाई गई शपथ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अन्तर्गत नशा उन्मूलन गतिविधियों के तहत शासकीय महाविद्यालय में गुरूवार को शॉर्ट फिल्म व रील्स प्रदर्शन का आयोजन कर शपथ दिलवाई गई। उक्त कार्यक्रम उ'च शिक्षण संस्थाओं में नशा के प्रति जन जागरूकता के विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम जैसे रील्स बनाना, शार्ट फिल्म का प्रदर्शन का आयोजन कर शपथ दिलवाना था। आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शॉर्ट फिल्म के माध्यम से दिखाया गया कि किस तरह से तम्बाकु, शराब, सिगरेट, ड्रग, पान इत्यादि का सेवन करने से शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। यह हृदय, फेफड़ों और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाता है। मानसिक रूप से व्यक्ति अवसाद, चिंता और गुस्से का शिकार हो जाता है। पारिवारिक संबंध बिगड़ जाते हैं और सामाजिक प्रतिष्ठा नष्ट हो जाती है। आर्थिक स्थिति कमजोर हो जाती है। ये सभी पहलुओं को फिल्म में दिखाया गया है। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने समस्त स्टॉफ एवं विद्यार्थियों को नशा के प्रति जन जागरूकता हेतु शपथ दिलवाई । कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे के नेतृत्व में पूर्ण किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रसिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, इकबाल खान सहित अन्य प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

बघोली में प्रयोगशाला एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा लोक शिक्षण संचालनालय के अंतर्गत विकासखंड लालबर्रा की ग्राम पंचायत बघोली में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। ग्राम पंचायत बघोली स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में लागत 17.05 लाख का (लैब) एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का 17 जूलाई को शाम 4 बजे भूमिपूजन किया जायेगा। चर्चा में बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल ने बताया कि लंबे समय से बघोली हायर सेकेण्डरी स्कूल के नवीन भवन निर्माण की मांग की जा रही थी। जिसके बाद अतिरिक्त कक्ष एवं लैब निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ है। उक्त कार्य का भूमिपूजन 17 जुलाई को शाम 4 बजे किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम बालाघाट-सिवनी की सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य, विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता, जिला पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पूर्व राज्य मंत्री रामकिशोर नानो कावरे, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े , पूर्व विधायक अशोक सिंह सरस्वार के प्रमुख आतिथ्य, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, जनपद सदस्य श्रीमती रजवन झनकारसिंह उइके, जिला पंचायत उपाध्यक्ष योगेश (राजा) लिल्हारे, जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, डुलेन्द्र ठाकरे के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर ग्रामीणजन, बच्चों के अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सरपंच अरशद पापा पटेल ने की है।

आस-पास की खबरें

मेंढ़की हेड पर नहर की फाल और लाइनिंग जर्जर

अधिकारियों की बेरुखी से तंग आए ग्रामीण, गुणवत्तापूर्ण सुधार करने की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी क्षेत्र के किसानों के लिए जीवनदायिनी कही जाने वाली नहरें इस समय जल संसाधन विभाग की अनियमित्ता एवं अनदेखी की भेंट चढ़ चुकी हैं। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मेंढ़की हेड पर मुख्य नहर की फाल और लाइनिंग जगह जगह से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। स्थिति यह है कि पूर्व में किए गए मरम्मत कार्य में बरती गई भारी अनियमितताओं के कारण नहर दोबारा बदहाल हो चुकी है। पानी का रिसाव कांक्रीट की परत के नीचे होने से पूरी फाल उखड़ चुकी हैं। इस बदहाली को लेकर क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में शासन प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है।

तीन बार हुआ निर्माण,पर तकनीकी खामी और अनियमित्ता ने फेरा पानी

प्राप्त जानकारी के अनुसार भौगोलिक दृष्टि से देखें तो यह कैनाल क्षेत्र की कृषि व्यवस्था की रीढ़ है। ढूटी घाट बांध से सीधा पानी नहर के जरिए कायदी पहुंचता है। कायदी से एक मुख्य कैनाल सीधे मेंढ़की के लिए निकलती है। प्रेम नगर के पास मेंढ़की हेड पर आकर यह मुख्य कैनाल दो कैनाल में विभाजित हो जाती है। पहली कैनाल डोंगरमाली और घोटी तक पानी पहुंचाती है। दूसरी कैनाल गर्रा और मोहगांवखुर्द की तरफ जाती है। इसी विभाजन बिंदु यानी मेंढ़की हेड पर पानी गिरने वाला मुख्य फाल पूरी तरह टूट चुका है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार इस कैनाल पर पूर्व में तीन बार फाल का निर्माण कार्य कराया जा चुका है। लेकिन विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण कार्य में गुणवत्ता और तकनीकी मापदंडों को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया। बिना किसी ठोस तकनीकी आधार के केवल औपचारिकता के लिए कांक्रीटीकरण कर दी गई जो महज एक साल का समय भी नहीं निकाल सकी और उखड़कर बह गई वर्तमान में स्थिति फिर से जस की तस हो गई है। गुणवत्ताविहीन कार्य के कारण सरकारी राशि का तो दुरुपयोग हुआ ही साथ ही किसानों की समस्या भी दोगुनी हो गई। नहर की दुर्दशा यहीं खत्म नहीं होती जल संसाधन विभाग द्वारा लंबे समय से इस पूरी कैनाल की साफ सफाई नहीं कराई गई है। इसके चलते नहर के भीतर भयंकर गाद, मिट्टी और लेदी कचरा जमा हो चुका है। इस मलबे के कारण मुख्य कैनाल से निकलने वाले छोटे माइनर उपनहरें प्रभावित हो रही हैं। वर्तमान में खरीफ की फसल का सीजन शुरू हो चुका है और किसानों को खेतों के लिए पानी की सख्त दरकार है। अगर नहर की स्थिति ऐसी ही रही तो अंतिम छोर के किसानों तक पानी पहुंचना मुश्किल होगा।

विभाग के द्वारा शासकीय राशि का तरह दुरुपयोग किया जा रहा है-नंदकिशोर बिसेन

किसान नंदकिशोर बिसेन ने बताया कि नहर की साफ सफाई नहीं हुई है गंदगी भरी है जगह जगह से टूट चुकी है। यहां पर पुलिया की फाल का भी सुधार कार्य गुणवत्ता पूर्वक नहीं हुआ कच्चा निर्माण किया गया हमारे द्वारा निर्माण कर रहे लोगों को रोका गया परंतु उन्होंने किसी की नहीं सुनी लीपा पोती कर चले गए। यह फाल तीन बार बन चुकी है पर व्यवस्थित और तकनीकी मापदंडों के आधार पर निर्माण नही होने के कारण हर बार टूट जाती है। विभाग की देखरेख भी नहीं है ठेकेदार अपनी मनमर्जी करते हैं शासकीय राशि का पूरी तरह दुरुपयोग किया जा रहा है।

किसानो की समस्या पर सिचांई विभाग कभी ध्यान नही देता है-उपेंद्र बिसेन

किसान उपेंद्र बिसेन ने बताया कि ढूटी से मेंढ़की मुख्य कैनाल है लाइनिंग के बाद से कई खामियां हैं फाल की जगह कांक्रीट उखड़ गया है। मेंढ़की हेड यह यहां से एक नहर घोटी और दूसरी नहर मोहगांव तक जाती है दो फाल है और दोनों टूट चुकी है। विभाग बोलता है अंतिम छोर तक पानी जाता है परंतु किसान यहां पर आकर धरना देते हैं उनकी शिकायत पानी नहीं मिलने की रहती है। वर्तमान में इन्होंने संस्था खत्म कर दिया है एसडीओ को बताने पर वह ध्यान नहीं देते हैं उनकी बड़ी लापरवाहियां है मेंटेनेंस कभी होता नहीं है। हम तो यही चाहते हैं कि विभाग के मंत्री इस समस्या पर ध्यान दे क्योंकि यह किसानो की समस्या है।

विभाग के अधिकारियों की लापरवाही का दंश झेल रहे किसान- लक्ष्मीनारायण कुंजाम

सरपंच प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण कुंजाम में बताया कि हमारे यहां स्थिति बहुत खराब है। किसान अपने व्यय पर श्रम कर काम करता है विभाग में शिकायत के उपरांत भी आज तक कभी कोई है कार्य नहीं करवाया गया है। वह हमेशा पंचायत पर डाल देते हैं अब मनरेगा भी बंद है वरना पहले साफ सफाई कर देते थे। नहर में बहुत सारी लेदी जमा हो गई है कचरा जमा हो गया है। फाल पर हर बार की तरह टूट गयी गुणवत्ता पूर्वक कोई कार्य नहीं करते हैं, यही कारण है कि माइनर में पानी किसानों को अपनी मेहनत से लाना पड़ता है। अभी किसानों को पानी की जरूरत पड़ेगी तो यह नहर छोड़ने पर और ज्यादा समस्या विकराल हो जाती है।

मारपीट करने वाले दो सगे भाई ज्ञानीराम और बलीराम लिल्हारे को एक एक वर्ष का सश्रम कारावास

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी न्यायालय के विद्वान न्यायधीश श्रीमती अंकिता जैन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के द्वारा मारपीट के एक मामले में फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों को एक एक वर्ष के सश्रम

कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों पर आर्थिक जुर्माना भी लगाया गया है। यह मामला खैरलांजी थाना क्षेत्र का है न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें और साक्ष्यों को मद्देनजर रखते हुए आरोपीगण ज्ञानीराम लिल्हारे उम्र 55 वर्ष और उनके भाई बलीराम लिल्हारे उम्र 50 वर्ष दोनों निवासी वार्ड नं.2 खैरलांजी को धारा 325/34 भा.दं.प. के तहत दोषी पाया गया। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी प्रणव राजनेगी से प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना 26 अगस्त 2020 की है। पीड़ित उस दिन अपना मोबाइल सुधारने के लिए खैरलांजी में एक मोबाइल दुकान पर गया था। मोबाइल नही बनने के कारण जब वह वापस लौट रहा था तभी पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी ज्ञानीराम लिल्हारे ने उसे रोक लिया और माँ बहन की गंदी गालियां देने लगा। जब पीडित ने गालियां देने से मना किया तो ज्ञानीराम ने हाथ.मुक्कों से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच उसका भाई बलीराम लिल्हारे भी वहां आ पहुंचा। बलीराम ने भी गाली गलौज करते हुए पीड़ित पर लकड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में पीड़ित के दोनों पैरों, सीने, बाईं कमर, दोनों पंजों और उंगलियों में गंभीर चोटें आईं। इसके बाद दोनों आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। खैरलांजी पुलिस द्वारा मामले की आवश्यक विवेचना पूर्ण कर आरोप पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इस मामले में शासन की ओर से सहायक निदेशक कपिल कुमार डेहरिया के कुशल मार्गदर्शन में सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी प्रणव राजनेगी द्वारा सशक्त पैरवी की गई। न्यायालय ने अभियोजन के द्वारा प्रस्तुत पुख्ता साक्ष्यों एवं तथ्यों पर विश्वास करते हुए आरोपियों को उक्त कडे दण्ड से दण्डित किया।

कम बारिश और अत्यधिक तापमान से खेतों में पड़ गई दरारें

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी/वारासिवनी। विगत एक सप्ताह से बारिश नही होने का नुकसान किसानों को भुगतना

पड़ रहा है। उनके द्वारा बुआई किये गए धान के रोपे जहां कुम्हलाने लग गए हैं वही कुछ स्थानों पर रोपा वाले खेतों में दरारें पड़ना प्रारंभ हो गई है। शीघ्र ही बारिश नही हुई तो उन किसानों को जिनके पास अपने खुद के सिंचाई साधन नही है आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ सकता है। क्षेत्र में इन दिनों प्राय: किसानों के द्वारा खेतों में बुआई कर दी गई है। कुछ निजी साधन वाले किसानों के द्वारा रोपा भी लगाया जा चुका है। लेकिन विगत सप्ताह भर से बारिश नही होने के कारण किसानों के रोपा सुखने लग गए है और जिन्होंने रोपा लगा दिया है उनकों अपना रोपा बचाने में भारी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। जिले सहित क्षेत्र में खरीफ ऋतु में धान की बुआई अधिक होती है। अधिकतम किसान धान की बुआई करते है धान को ऐसे भी सिंचाई के लिए पानी की अधिक आवश्यकता होती है ,ऐसे में बारिश जितनी विलंब करेंगी उतनी किसानों की मुश्किलें बड़ती जाएगी।

सप्ताह बाद हुई हल्की बारिश ने गर्मी से दिलाई राहत

गुरुवार की शाम को तहसील मुख्यालय में लगभग एक सप्ताह बाद हुई हल्की बारिश ने आम जनमानस को उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिली है। उन किसानों के लिए भी यह हल्की बारिश संजीवनी साबित हो सकती है जिनके रोपा और फसल सूखने की कगार पर आ गए है।

गणेश पटेल नगपुरे का दुखद निधन आज होगा अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। डोंगरमाली। खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम भेंड़ारा निवासी गणेश पटेल नगपुरे का गुरूवार को दुखद निधन हो गया। गणेश पटेल हमेशा धार्मिक कार्य में आगे रहने वाले पटेल साहब हमेशा गांव के सामाजिक कार्य में संलग्न रहते थे। गांव के पटेल रहे हैं वह कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ कर चले गए। उनके निधन से उनके इष्ट मित्र,ग्रामवासियों ने शोक व्यक्त किया है। आज दोपहर 11 बजे ग्राम भेंडारा के वैनगंगाघाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा ।

सरस्वती स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर संपन्न,न्यायाधीशों ने बच्चों को सिखाया कानून और सुरक्षा का पाठ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरस्वती स्कूल में तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार न्यायाधीश नयन जैन द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड और न्यायाधीश सुश्री अंकिता जैन तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित जनों के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्र छात्राओं को कानून के प्रति जागरूक करना और उन्हें उनके अधिकारों से रूबरू कराना था। जिसमें न्यायाधीश अंकिता जैन ने कहा की हर देश का अपना एक कानून होता है। आपको यह अच्छी तरह पता होना चाहिए कि क्या सही है क्या गलत है और कानून की नजर में क्या अपराध है। अगर स्कूल आते जाते समय या कहीं भी कोई आपको परेशान करता है पीछा करता है या गलत व्यवहार करता है तो बिल्कुल ना डरें। चुप रहकर दुर्व्यवहार सहना कोई समाधान नहीं है। उन्होंने छात्राओं को आश्वस्त किया कि कानून उनकी पहचान पूरी तरह गुप्त रखेगा। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे ऐसी किसी भी परिस्थिति में अपने माता पिता प्राचार्य या शिक्षकों से बात जरूर करें ,क्योंकि बिना डरे आवाज उठाने से ही समाज में बदलाव आएगा। न्यायाधीश नयन जैन ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की बारीकियां सिखाईं और बताया कि नियमों का पालन करना सिर्फ चालान से बचने के लिए नहीं बल्कि स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने बच्चों को पॉक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम के सुरक्षा चक्र के बारे में विस्तार से समझाया, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रह सकें। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रविशंकर पटले, जितेंद्र टेंभरे सहित समस्त छात्र छात्राए शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

चोरों का आतंक डोंगरगांव में 4 दुकानों के टूटे ताले

कर्मचारी को चाकू की नोक पर ले गए चोर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम डोंगरगांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। 16 जुलाई की दरमियानी रात दो अज्ञात असामाजिक तत्वों ने क्षेत्र की चार दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। इतना ही नहीं चोरों ने एक दुकान में सो रहे कर्मचारी को चाकू दिखाकर बंधक बनाया और अपने साथ ले गए जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

रात 11 बजे के बाद सक्रिय हुए चोर

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत डोंगरगांव एवं महाराजपुर के सभी दुकान संचालक रोजाना की तरह रात्रि लगभग 11 बजे अपने अपने प्रतिष्ठान बंद कर घरों को लौट चुके थे। इसी सन्नाटे का फायदा उठाकर दो अज्ञात युवकों ने चोरी का ताना बाना बुना। चोरों ने सिलसिलेवार ढंग से एक के बाद एक चार दुकानों के ताले चटकाए इसमें गणेशा गोयल की दुकान डोंगरगांव में लिंगमारा मार्ग किनारे स्थित इस दुकान का ताला तोड़ा गया जो बीते कुछ समय से बंद थी। विशाल बिसेन की दुकान में चोरों ने दुकान के पीछे का दरवाजा तोड़ा। अंदर सो रहे कर्मचारी राजू भीमटे को चाकू दिखाकर डराया धमकाया। यहाँ से चोरों ने 2 कैरेट अंडे, कंप्रेसर मशीन और हवा पंप चोरी कर लिया। वीरेंद्र नागवंशी की दुकान में चोरों ने दरवाजे का ताला तोड़कर पानी की बोतलें, कोल्ड ड्रिंक्स, नकदी,गुटखा,कुरकुरे के पाउच और गैस सिलेंडर पार कर दिया। वही मोहन सोनवाने की महाराजपुर से मंगेझरी मार्ग किनारे स्थित दुकान को भी चोरों ने अपना निशाना बनाया। घटना के दौरान सबसे खौफनाक मंजर विशाल बिसेन की दुकान में देखने को मिला। चोरों ने दुकान के अंदर सो रहे कर्मचारी राजू भीमटे को बंधक बना लिया। उसे चाकू दिखाकर डराया गया और अपने साथ महाराजपुर के पेट्रोल पंप तक ले गए। पेट्रोल पंप के पास पहुँचते ही राजू किसी तरह अपनी जान बचाकर वहाँ से भागा और सीधे ग्राम सरपंच के घर पहुँचा। राजू ने सरपंच को आपबीती सुनाते हुए घटना की पूरी जानकारी दी। सुबह जैसे ही ग्रामीणों को इस वारदात की भनक लगी पूरे डोंगरगांव में हड़कंप मच गया। हालांकि इस पूरी वारदात में बहुत बड़ी रकम या भारी सामान की चोरी नहीं होने के कारण शुरुआती तौर पर पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। लेकिन घटना की गंभीरता और कर्मचारी के साथ हुई जबरदस्ती को देखते हुए अब पीडितों के द्वारा पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

चोरो ने डोंगरगांव में आंतक मचा रखा है-विशाल बिसेन

विशाल बिसेन ने बताया कि डोंगरगांव में मेरी दुकान है साइकिल का काम करता हूं। रात 7.30 बजे में दुकान बंद कर घर गया था तो रात करीब 2.30 बजे मुझे सरपंच का फोन आया कि तुम्हारी दुकान में चोरी हो गई। उन्होंने बताया कि राजू भीमटे जो तुम्हारी दुकान में सोता है उसे चोर चाकू की नोक पर महाराजपुर पेट्रोल पंप तक लेकर गए थे जहां से वह भाग पर मेरे घर आया और जानकारी दी है। श्री बिसेन ने बताया कि मेरे बाजू की दुकान जो बंद थी वहां भी चोरी हुई है और हमारे यहां से दो अंडे की कैरेट, कंप्रेशर मोटर, हवा का पंप चोरी हुआ है। हमारा सोने वाला अकेला व्यक्ति था और वह दो चोर थे अंधेरे में बराबर पहचान नहीं हो पाई हमारे द्वारा जल्द पुलिस में शिकायत की जायेगी।

भूख से बड़ा सवाल

वहाँ एक व्यक्ति भूखा बैठा है, लेकिन उसका सवाल अकेला नहीं है। पर्यावरण कार्यकर्ता और लद्दाख के सामाजिक चिंतक सोनम वांगचुक का अनशन अब केवल लद्दाख की संवैधानिक व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण या स्थानीय अधिकारों का आंदोलन नहीं रह गया है। वह उस बेचैनी का प्रतीक बन गया है, जिसे आज देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग नामों से महसूस किया जा रहा है। कहीं किसान अपनी फसल का मूल्य पूछ रहा है, कहीं युवा रोजगार का भविष्य तलाश रहा है, कहीं विद्यार्थी परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है और कहीं पहाड़ अपने अस्तित्व की चिंता में आवाज़ दे रहे हैं। इन सभी प्रश्नों के बीच जंतर-मंतर पर बैठा एक अनशनकारी मानो पूरी व्यवस्था से पूछ रहा है—क्या लोकतंत्र में नागरिक की बात सुनने के लिए उसे पहले अपनी भूख साबित करनी होगी? यह प्रश्न असुविधाजनक है। इसलिए शायद इसका उत्तर भी असुविधाजनक ही होगा।सत्ता की एक पुरानी आदत है। वह विरोध को पहले छोटा मानती है, फिर उसे राजनीतिक बताती है, उसके बाद उसे प्रायोजित घोषित करती है और अंत में, यदि वह आंदोलन बड़ा हो जाए, तो संवाद का दरवाज़ा खोलती है। यह क्रम नया नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब संवाद अक्सर अंतिम विकल्प बन गया है, जबकि लोकतंत्र में उसे पहला विकल्प होना चाहिए। सोनम वांगचुक की सभी माँगों से हर नागरिक सहमत हो, यह आवश्यक नहीं। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है। लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की परिपक्वता इस बात से नहीं मापी जाती कि उसने कितनी माँगें मानीं; उससे यह मापी जाती है कि उसने कितनी बातें सुनीं। यदि सरकार अपनी बात कह सकती है, तो नागरिक को भी अपनी बात कहने का समान अधिकार है। और यदि नागरिक अपनी बात कहने के लिए अनशन का सहारा लेता है, तो यह उसकी पहली पसंद नहीं, बल्कि संवाद की विफलता का संकेत है। विडंबना देखिए। यह वही देश है जिसने दुनिया को महात्मा गांधी दिए। गांधी ने सत्याग्रह और उपवास को सत्ता को अपमानित करने का माध्यम नहीं बनाया था; उन्होंने उसे सत्ता की अंतरात्मा को जगाने का माध्यम बनाया था। उनके लिए अनशन किसी सरकार के विरुद्ध युद्ध नहीं था, बल्कि समाज के विवेक को झकझोरने का नैतिक प्रयास था। लेकिन आज लगता है कि राजनीतिक सत्ता की संवेदनशीलता का तापमान इतना कम हो गया है कि नैतिक आग्रह भी प्रशासनिक नोटिंग में बदल जाते हैं। आज शासन का चरित्र भी बदल गया है। पहले सरकारें संवाद के बाद घोषणा करती थीं, अब अक्सर घोषणा के बाद संवाद खोजा जाता है। पहले नीतियाँ लोगों तक पहुँचती थीं, अब प्रचार पहले पहुँच जाता है और संवाद बाद में। सरकारें नागरिकों से कम और कैमरों से अधिक बात करती दिखाई देती हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस दुर्लभ होती जा रही हैं, लेकिन विज्ञापन लगातार बढ़ रहे हैं। यह केवल एक सरकार की समस्या नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक राजनीति का नया रोग बनता जा रहा है। जंतर-मंतर पर जुटी भीड़ का अर्थ केवल संख्या नहीं है। वहाँ कलाकार हैं, लेखक हैं, सामाजिक कार्यकर्ता हैं, पर्यावरणविद हैं, छात्र हैं, किसान संगठनों के प्रतिनिधि हैं और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग भी हैं। अभिनेत्री जीनत अमान, नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, स्वरा भास्कर, अभिनेता अभय देओल और अन्य सार्वजनिक हस्तियों ने समर्थन दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी भी पहुँचीं। विपक्ष के नेताओं की उपस्थिति भी रही। इन चेहरों की उपस्थिति किसी आंदोलन को स्वत: सही सिद्ध नहीं करती, लेकिन यह अवश्य बताती है कि उसके उठाए गए प्रश्नों को नज़रअंदाज़ करना अब आसान नहीं रहा। लोकतंत्र में सबसे खतरनाक स्थिति तब पैदा होती है जब सरकार यह मान ले कि विरोध केवल विपक्ष की परियोजना है और आंदोलन केवल राजनीतिक षड्यंत्र। यदि हर असहमति के पीछे साज़िश खोजी जाएगी, तो वास्तविक समस्याएँ धीरे-धीरे बहस से बाहर हो जाएँगी। फिर नागरिक सवाल पूछने से पहले अपनी नीयत का प्रमाण देने लगेगा।

रेल भूमि पोर्टल और भारत- यूके एफटीए का ऐतिहासिक संगम

क्या अब रेल भूमि अधिग्रहण में फर्जीवाड़ा, रिकॉर्ड में हेरफेर और मुआवज़ा घोटालों पर लगेगी निर्णायक रोक? -भारत-यूके एफटीए से वैश्विक आर्थिक समृद्धि समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत आज विकसित भारत- 2047 के लक्ष्य की ओर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।जिसका प्रमाण,14 जुलाई 2026 से केंद्रीय रेलवे मंत्रालय ने रेलवे पोर्टल की भी शुरुआत की क्योंकि विजन को प्राप्त करने के लिए आंतरिक भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शिता, जवाबदेही, कर्तव्यों कों बढ़ाकर सुशासन लाना जरूरी है, तो दूसरी ओर 56 से अधिक देशों सेएफटीए जिसमें दिनांक 15 जुलाई 2026 से ब्रिटेन यूके एफटीए की शुरुआत हुई,99 प्रतिशत वस्तुएं कर मुक्त होगी और इसी दिन मुंबई व कोलकाता के बंदरगाहों से निर्यात शुरू हो गया हैँ।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता,व भारतीय रेलवे की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।विकसित भारत 2047 की दिशा में यह दोनों आर्थिक व पारदर्शिता का ऐतिहासिक कदम हैँ। इस लक्ष्य की प्राप्ति में नई रेल लाइनेंडेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर,तीसरी-चौथी लाइन,स्टेशन पुनर्विकास, बुलेट ट्रेन और अन्य आधारभूत परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है।लेकिन वर्षों से भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को लेकर किसानों भूमि धारकों और आम नागरिकों के बीच अनेक शिकायतें और विवाद सामने आते रहे हैं। इन्हीं समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से रेलमंत्री द्वारा 14 जुलाई 2026 से रेल भूमि पोर्टल की शुरुआत की गई है,जिसका उद्देश्य भूमि अधिग्रहण और मुआवज़ा भुगतान की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल, पारदर्शी, समयबद्ध और जवाबदेह बनाना है। साथियों बात अगर हमभारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता विकसित भारत 2047 की दिशा में ऐतिहासिक आर्थिक कदम कों समझने की करें तो15 जुलाई 2026 से भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता प्रभावी होने को इसी दिन मुंबई और कोलकाता बंदरगाहों से विशेष कार्यक्रम के माध्यम से निर्यात की नई शुरुआत की गई।इस समझौते के तहत यूके ने भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यातित उत्पादों को शून्य या शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान की है, जिससे वस्त्र, चमड़ा, इंजीनियरिंग, समुद्री उत्पाद, रत्न-आभूषण, फार्मा, कृषि एवं एमएसएमई क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरी ओर भारतीय व्यापारियों को विशाल ब्रिटिश बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त,निवेश और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे,जबकिउपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद,अधिक विकल्प और दीर्घकाल में प्रतिस्पर्धी कीमतों का लाभ मिल सकता हैयह समझौता निर्यात, विनिर्माण, सेवा क्षेत्र,वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और विदेशी निवेश को गति देकर भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देगा तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और भारत को वैश्विक व्यापारिक शक्ति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सटीकता से मील का पत्थर सिद्ध होगा। साथियों भूमि किसी किसान के लिए केवल संपत्ति नहीं होती, बल्कि उसकी आजीविका पहचान और आने वाली पीढ़ियों का आधार होती है।इसलिए जब किसी सार्वजनिक परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहित की जाती है,तब यह आवश्यक हो जाता है कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष,पारदर्शी और कानूनसम्मत हो। भारत में यह प्रक्रिया उचित मुआवज़ा एवं भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुसार संचालित होती है,जिसमें किसानों को उचित मुआवज़ा,पुनर्वास तथा पुनर्स्थापन का अधिकार दिया गया है।हालाँकि व्यवहारिक स्तर पर भूमि अधिग्रहण के दौरान समय-समय पर अनेक प्रकार की अनियमितताओं के आरोप भी सामने आते रहे हैं। कई मामलों में यह आरोप लगाए गए कि अधिग्रहण की प्रारंभिक सूचना या प्रस्ताव सार्वजनिक होने के बाद संबंधित भूमि के राजस्व रिकॉर्ड में परिवर्तन कराने, कृषि भूमि को गैर-कृषि अथवा व्यावसायिक श्रेणी में परिवर्तित कराने, कृषि भूमि स्टेटस से भूमि का मूल्य बढ़ाने अथवा अधिक मुआवज़ा प्राप्त करने के उद्देश्य से दस्तावेज़ों में बदलाव कराने के प्रयास किए जाते रहे हैं, जो मैंने हमारी भूमि जब रेलवे अधिकरण में गई थी तो उस समय पूरा नजारा मैंने स्वयं देखा था कि किस तरह पड़ित जमीन को, चालू व कमर्शियल दिखाकर मिली भगत से पैसे वसूले गए, कुछ मामलों में संबंधित अधिकारियों या अन्य हितधारकों की भूमिका पर भी प्रश्न उठे हैं। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ऐसे आरोपों की सत्यता प्रत्येक मामले में जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही निर्धारित होती है, इसलिए सभी मामलों या सभी अधिकारियों के बारे में सामान्य निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। साथियों, यही वह पृष्ठभूमि है जिसमें रेल भूमि पोर्टल एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में सामने आया है।यदि अधिग्रहण की अधिसूचना, भूमि की मूल स्थिति,भूमि उपयोग की श्रेणी,स्वामित्व, राजस्व रिकॉर्ड, मूल्यांकन, दस्तावेज़ों में हुए परिवर्तन तथा मुआवज़े की पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप से समय-मुद्रित (टाइम-स्टाम्पड) होकर दर्ज होगी,तो अधिसूचना के बाद किए गए किसी भी संदिग्ध परिवर्तन की पहचान करना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो जाएगा।इससे रिकॉर्ड मेंछेड़छाड़ फर्जी दस्तावेज़,मनमाना वर्गीकरण तथा अनियमित मुआवज़े जैसी संभावित गड़बड़ियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। साथियों, रेल भूमि पोर्टल का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि अब भूमि स्वामी स्वयं अपने अधिग्रहण की स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे। उन्हें यह जानकारी मिलेगी कि उनकी फाइल किस स्तर पर है, कौन-सा दस्तावेज़ लंबित है, मूल्यांकन कब हुआ, मुआवज़े की राशि कितनी निर्धारित हुई और भुगतान किस चरण में है। इससे सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर कम होंगे और पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।इस नई व्यवस्था का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि रेलवे, जिला प्रशासन और राज्य सरकार के बीच समन्वय अधिक मजबूत होगा। पहले अलग-अलग विभागों में फाइलों के आदान-प्रदान में महीनों लग जाते थे, जिससे परियोजनाएँ भी प्रभावित होती थीं और किसानों को मुआवज़ा मिलने में भी देरी होती थी। अब डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर सभी संबंधित विभाग वास्तविक समय में जानकारी साझा कर सकेंगे। साथियों किसानों के लिए यह भी अत्यंत महत्वपूर्ण है कि वे अपने भूमि अभिलेख, खसरा-खतौनी, आधार, बैंक खाता, नामांतरण तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज़ों को अद्यतन रखें। डिजिटल प्रणाली में सही रिकॉर्ड होने से मुआवज़ा भुगतान की प्रक्रिया अधिक तेज़ और विवादरहित होगी।यदि किसी किसान को भूमि के मूल्यांकन, मुआवज़े की राशि अथवा अधिग्रहण प्रक्रिया पर आपत्ति हो, तो वह संबंधित भूमि अधिग्रहण अधिकारी, जिला प्रशासन अथवा कानून के अंतर्गत उपलब्ध अपील के अधिकार का उपयोग कर सकता है। डिजिटल रिकॉर्ड होने से ऐसे मामलों की जांच भी अधिक पारदर्शी और साक्ष्य-आधारित हो सकेगी। साथियों, यह समझना भी आवश्यक है कि केवल डिजिटल पोर्टल बन जाने से सभी प्रकार कीअनियमितताएँ स्वत: समाप्त नहीं हो जाएँगी। इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि राज्य सरकारों के भूमि अभिलेख पूरी तरह डिजिटाइज़ हों,सभीपरिवर्तनों का ऑडिट ट्रेल उपलब्ध हो, जवाबदेही तय की जाए, शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण हो और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। यदि इन सभी पहलुओं पर समान रूप से ध्यान दिया गया, तो रेल भूमि पोर्टल भूमि अधिग्रहण व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन ला सकता है। साथियों, भारत में रेलवे केवल परिवहन का माध्यम नहीं बल्कि आर्थिक विकास का इंजन है। नई रेल लाइनें बनने से किसानों को अपनी उपज के लिए बेहतर बाज़ार मिलता है, उद्योगों को सस्ता परिवहन उपलब्ध होता है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलती है। इसलिए यह आवश्यक है कि विकास और किसानों के अधिकार दोनों के बीच संतुलन बना रहे।यदि रेल भूमि पोर्टल का प्रभावी और ईमानदारीपूर्वक क्रियान्वयन किया गया,तो भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में वर्षों से चली आ रही अनेक समस्याओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा। इससे वास्तविक भूमिधारकों को समय पर उचित मुआवज़ा मिलेगा, रिकॉर्ड में अनियमित परिवर्तन की संभावनाएँ कम होंगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और सार्वजनिक परियोजनाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। साथियों, अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी यही बताते हैं कि डिजिटल भूमि प्रबंधन प्रणाली भ्रष्टाचार की संभावनाओं को कमकरती है परियोजनाओं की गति बढ़ाती है और नागरिकों का विश्वास मजबूत करती है। जापान, दक्षिण कोरिया तथा अनेक यूरोपीय देशों में डिजिटल भूमि रिकॉर्ड और ऑनलाइन अधिग्रहण प्रणाली ने आधारभूत संरचना विकास को अधिक पारदर्शी बनाया है। भारत का यह कदम भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण सुधार माना जा रहा है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन का रास्ता विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि कहा जा सकता है कि रेल भूमि पोर्टल केवल एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म नहीं, बल्कि भारत में भूमि अधिग्रहण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीक-आधारित बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक सुधार है। यदि इसे कानून के कठोर पालन,सशक्त डिजिटल निगरानी और प्रभावी प्रशासनिक जवाबदेही के साथ लागू किया गया, तो यह किसानों के अधिकारों की रक्षा करते हुए विकास परियोजनाओं को नई गति देने वाला एक मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

15 रुपये लीटर पेट्रोल का जुमला? ऱ्इथेनॉल नीति पर जवाबदेही का समय

-भूपेन्द्र गुप्ता

देश को इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल अपनाने के लिए प्रेरित करते समय जनता के सामने एक आकर्षक भविष्य की तस्वीर रखी गई थी। यह कहा गया कि इथेनॉल आधारित ईंधन व्यवस्था आने पर पेट्रोल की कीमतें 15 रुपये प्रति लीटर तक आ सकती हैं। वर्षों बाद वास्तविकता यह है कि उपभोक्ता आज भी ऊंची कीमत पर पेट्रोल खरीद रहा है और अब उसे यह भी बताया जा रहा है कि E20 ईंधन के कारण कुछ वाहनों में माइलेज 3ङ्क5 प्रतिशत तक घट सकता है। स्वयं पेट्रोलियम मंत्रालय ने माना है कि कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता पर प्रभाव पड़ सकता है। यह सर्वविदित है इथेनॉल की कैलोरिफिक वैल्यू (ऊर्जा क्षमता) पेट्रोल से लगभग 30–35 प्रतिशत कम है, तो समान मात्रा में ईंधन से मिलने वाली ऊर्जा भी कम होगी। आधुनिक E20-अनुकूल इंजन इस अंतर की कुछ भरपाई कर सकते हैं, लेकिन भौतिकी का यह सिद्धांत नहीं बदलता कि इथेनॉल में प्रति लीटर ऊर्जा कम होती है। इसलिए माइलेज पर कुछ प्रभाव पड़ना तकनीकी रूप से अस्वाभाविक नहीं है। हाल के दिनों में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी कहा है कि इथेनॉल की कम कैलोरिफिक वैल्यू के कारण माइलेज पर सीमित असर पड़ सकता है, हालांकि उन्होंने वाहन क्षति के दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया। सरकार का दूसरा तर्क है कि E20 को व्यापक परीक्षण के बाद लागू किया गया और आधुनिक वाहनों में इससे सामान्य रूप से इंजन क्षति का कोई प्रमाणित पैटर्न नहीं मिला। उद्योग संगठनों और सरकार का कहना है कि E20 के लिए परीक्षण किए गए हैं तथा वारंटी भी लागू रहेगी। फिर भी उपभोक्ता के सामने कुछ वैध प्रश्न बने रहते हैं। यदि इथेनॉल मिश्रण से तेल आयात कम होता है, तो उसका आर्थिक लाभ पेट्रोल की खुदरा कीमत में क्यों नहीं दिखाई देता? यदि लाखों पुराने वाहन मूल रूप से E20 के लिए डिज़ाइन नहीं किए गए थे, तो उनके लिए अलग संक्रमण योजना क्यों नहीं बनाई गई? यदि पेट्रोल पंपों और वाहन निर्माताओं द्वारा ईंधन प्रणाली की देखभाल संबंधी अतिरिक्त सावधानियां बताई जाती हैं, तो क्या उपभोक्ता को पहले से व्यापक और स्पष्ट जानकारी दी गई? आज नीति का मूल्यांकन केवल पर्यावरणीय या कृषि लाभ से नहीं, बल्कि उपभोक्ता अनुभव से भी होगा। यदि जनता को अधिक कीमत भी चुकानी पड़े, माइलेज में कमी का अनुभव भी हो और भविष्य में रखरखाव की अतिरिक्त चिंता भी उठानी पड़े, तो यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सरकार उन शुरुआती दावों और वर्तमान परिणामों के बीच के अंतर का स्पष्टीकरण दे। सरकार यह भी बताये कि ईथेनाल निर्माण में खर्च होने वाले अतिशय पानी के कारण भविष्य में पानी के संभावित संकट पर उसकी क्या नीति है?जल संकट से होने वाले नुकसान की भरपाई कैसे होगी? भारत को वैकल्पिक ईंधनों की आवश्यकता है। ऊर्जा सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है और किसानों के लिए नए बाज़ार भी। लेकिन किसी भी ऊर्जा परिवर्तन की सफलता का आधार केवल नीति नहीं, बल्कि पारदर्शिता, वैज्ञानिक संवाद और उपभोक्ता के प्रति जवाबदेही है। इथेनॉल नीति पर एक और प्रश्न पारदर्शिता का है। आश्चर्य यह है कि इस विषय पर सबसे अधिक सार्वजनिक पक्षधरता अक्सर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करते दिखाई देते हैं, जबकि यह नीति मूलत: पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र से जुड़ी है। यदि किसी मंत्री या उनके परिवार का जैव-ईंधन क्षेत्र से कोई व्यावसायिक संबंध सार्वजनिक रूप से मौजूद है, तो सरकार को स्वयं आगे बढ़कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि नीति-निर्माण, निर्णय प्रक्रिया और निजी व्यावसायिक हितों के बीच किसी प्रकार का हितों का टकराव नहीं है। लोकतंत्र में केवल निष्पक्षता ही नहीं, बल्कि निष्पक्षता का दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। सरकार को अब तीन स्पष्ट कदम उठाने चाहिए—पहला, इथेनॉल नीति का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट सार्वजनिक किया जाए; दूसरा, पुराने और नए वाहनों पर वास्तविक प्रभाव का विस्तृत डेटा जारी किया जाए; और तीसरा, यह बताया जाए कि जिन आर्थिक लाभों का वादा किया गया था, वे आम उपभोक्ता तक कब और कैसे पहुंचेंगे। ऊर्जा परिवर्तन तभी सफल माना जाएगा जब उसके लाभ किसानों, पर्यावरण और उपभोक्ता—तीनों तक समान रूप से पहुंचें।

महंगाई की नई मार-आरबीआई के लक्ष्य से ऊपर पहुंची खुदरा महंगाई आम आदमी का बजट बिगड़ा खाद्य वस्तुओं और पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों ने बढ़ाई चिंता

देश में महंगाई ने एक बार फिर आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। जून महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई है। पिछले 17 महीनों में यह पहला अवसर है जब महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के 4 प्रतिशत के निर्धारित लक्ष्य से ऊपर पहुंची है। इससे पहले मई में खुदरा महंगाई 3.95 प्रतिशत दर्ज की गई थी। महंगाई में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हुई वृद्धि का परिणाम मानी जा रही है। इसके साथ ही परिवहन लागत बढ़ने से रोजमर्रा की जरूरत का लगभग हर सामान महंगा हो गया है, जिसका सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट पर दिखाई देने लगा है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून महीने में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.32 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 4.78 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 5.45 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 5.09 प्रतिशत दर्ज की गई। यह स्पष्ट संकेत है कि गांव और शहर दोनों ही महंगाई की मार झेल रहे हैं। फल, सब्जियां, दालें, खाद्य तेल, दूध तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने रसोई का खर्च काफी बढ़ा दिया है। मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए घर का बजट संभालना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो गया है।

महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हुई वृद्धि भी रही है। ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है। ट्रांसपोर्ट महंगा होने का असर केवल परिवहन क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका प्रभाव हर उस वस्तु पर पड़ता है जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जाता है। किराना, फल-सब्जियां, दवाइयां, कपड़े, निर्माण सामग्री और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें भी परिवहन खर्च बढ़ने के कारण ऊपर चली जाती हैं। जून महीने में माल ढुलाई से जुड़ी सेवाओं की महंगाई दर बढ़कर लगभग 7.70 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो यह बताती है कि परिवहन लागत अब महंगाई का बड़ा कारण बन चुकी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता ने भी ईंधन की कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारत जैसे आयात पर निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। ऐसे में वैश्विक परिस्थितियां बिगड़ने पर घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल महंगे हो जाते हैं। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का असर अब सीधे आम नागरिक की जेब पर महसूस किया जा रहा है। महंगाई बढ़ने का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के लिए नया आधार वर्ष और नई उपभोक्ता टोकरी लागू होने के बाद यह महंगाई का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है। नई उपभोक्ता टोकरी में लोगों की वर्तमान जीवनशैली और खर्च के पैटर्न को अधिक वास्तविक रूप से शामिल किया गया है। इससे महंगाई का आकलन पहले की तुलना में अधिक सटीक माना जा रहा है। हालांकि इससे यह भी स्पष्ट हुआ है कि लोगों के दैनिक खर्च में वास्तविक बढ़ोतरी पहले के अनुमान से अधिक है।

महंगाई का सबसे अधिक असर निश्चित आय वाले परिवारों पर पड़ता है। जिन लोगों की आय सीमित है या जिनकी आय में नियमित वृद्धि नहीं होती, उनके लिए बढ़ती कीमतों के बीच खर्चों का संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। वेतनभोगी कर्मचारी, छोटे व्यापारी, किसान, मजदूर और पेंशनभोगी सभी इस स्थिति से प्रभावित हो रहे हैं। आवश्यक वस्तुओं पर अधिक खर्च होने के कारण लोग अन्य जरूरतों पर खर्च कम करने को मजबूर हो रहे हैं। इससे उपभोक्ता मांग पर भी असर पड़ सकता है, जो अर्थव्यवस्था की गति को प्रभावित करता है।

भारतीय रिजर्व बैंक का प्रमुख उद्देश्य महंगाई को नियंत्रित रखते हुए आर्थिक विकास को संतुलित बनाए रखना है। आरबीआई ने खुदरा महंगाई के लिए 4 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2 से 6 प्रतिशत के दायरे को स्वीकार्य सीमा माना गया है। हालांकि जून में महंगाई लक्ष्य से ऊपर पहुंच गई है, लेकिन यह अभी भी आरबीआई की निर्धारित ऊपरी सीमा 6 प्रतिशत से नीचे है। इसके बावजूद लगातार बढ़ती महंगाई केंद्रीय बैंक के लिए चिंता का विषय बन सकती है। यदि आने वाले महीनों में महंगाई का दबाव बना रहता है तो ब्याज दरों को लेकर आरबीआई को अधिक सतर्क रुख अपनाना पड़ सकता है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण नहीं पाया गया और कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहीं तो आने वाले महीनों में महंगाई और बढ़ सकती है। दूसरी ओर यदि मानसून सामान्य रहता है, कृषि उत्पादन अच्छा होता है और सरकार समय रहते आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ाने के कदम उठाती है तो खाद्य महंगाई में कुछ राहत मिल सकती है। अच्छी फसल से सब्जियों, अनाज और दालों की कीमतों में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

सरकार के सामने फिलहाल दोहरी चुनौती है। एक ओर उसे महंगाई पर नियंत्रण रखना है तो दूसरी ओर आर्थिक विकास की गति भी बनाए रखनी है। इसके लिए खाद्य आपूर्ति को मजबूत करना, जमाखोरी पर सख्ती, परिवहन व्यवस्था को सुचारु रखना और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी होगा। यदि आपूर्ति श्रृंखला मजबूत रहती है तो कीमतों पर नियंत्रण पाने में मदद मिल सकती है।

आर्थिक जानकारों का मानना है कि महंगाई केवल आंकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध आम नागरिक के जीवन स्तर से है। जब खाद्य पदार्थ, ईंधन और दैनिक उपयोग की वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवारों की बचत कम होने लगती है। उपभोक्ता खर्च घटता है और इसका प्रभाव पूरे आर्थिक तंत्र पर दिखाई देता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण केवल सरकार या आरबीआई की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि उत्पादन, आपूर्ति और बाजार व्यवस्था के बेहतर समन्वय से ही संभव है।

जून महीने के महंगाई के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था फिलहाल नई चुनौती का सामना कर रही है। पिछले 17 महीनों में पहली बार आरबीआई का लक्ष्य टूटना यह बताता है कि कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। यदि आने वाले महीनों में खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो आम आदमी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। ऐसे समय में सरकार, रिजर्व बैंक और संबंधित एजेंसियों को समन्वित प्रयास करते हुए महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के उपाय करने होंगे, ताकि आम नागरिक को राहत मिल सके और अर्थव्यवस्था संतुलित विकास की दिशा में आगे बढ़ती रहे।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। दिसावरी मांग के चलते गुरुवार को किराना जिंसों में हल्दी के भावों में तेजी रही। खाद्य तेलों में भी बाजार में मजबूती का रुख देखने को मिला। तिलहन वर्ग में सरसों और सोयाबीन के भाव बढ़त के साथ कारोबार करते रहे, जबकि दलहनों में चना मजबूत बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हल्दी में बाहरी मांग निकलने से बाजार में तेजी का वातावरण रहा। शक्कर के भाव भी बढ़त पर रहे। खाद्य तेलों में कारोबार सामान्य रहा, लेकिन भावों में मजबूती बनी रही। दलहन बाजार में चना 6300 से 6400 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर मजबूत रहा। तिलहन में सरसों और सोयाबीन में भी खरीदी समर्थन से बाजार में तेजी दर्ज की गई। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4570-4630, खोपरा गोला 375-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500, (160) 2900, (200) 3100, (250) 3600,

तेल- सींगदाना 1660-1680, मुम्बई 1680, राजकोट तेलिया 2615, सोया साल्वेंट 1405-1410, सोया रिफाइंड 1465-1470, कपास्या 1530, धूलिया 1535, कड़ी 1535,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1650, मुम्बई पाम 1485, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7800-8100, रायडा 7000-7100, सोयाबीन 7200, टोली (महुआ बीज) 5000-5100, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6300-6400, एवरेज 5900-6000, विशाल 6100-6200, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5700-5800, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7600-7900, मीडि?यम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9800-9900, उड़द गर्मी 8800-9500, ग्रेविटी क्लीन 10000-10200, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार पूर्व स्तर पर बने रहे।

भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 221000, चाँदी (99) 221000, टंच 220900, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 141200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 0.1फीसदी कमजोर होकर 96.3450 पर बंद हुआ। वहीं पिछले सत्र में यह 96.2550 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.31 पर आ गया। पश्चिम एशिया संकट के कम होने के कोई संकेत नहीं मिलने के बीच कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रहा। हालांकि, घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक शुरुआत से रुपये को कुछ समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.28 प्रति डॉलर पर खुला।

शेयर बाजार सपाट बंद हुआ

सेंसेक्स 1.44 अंक बढ़ा, निफ्टी 5.75 अंक गिरा

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण आज बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा। इसके कारण दुनिया भर के बाजारों से कमजोर संकेत मिले। जिसका प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1.44 अंक बढ़कर 77,186.87 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 5.75 अंक नीचे आकर 24,072.75 पर बंद हुआ। आज 1,947 शेयरों में तेजी, 2,119 शेयरों में गिरावट जबकि 194 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। वहीं व्यापक बाजारों में, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स और स्मॉलकैप इंडेक्स में गिरावट रही। प्रमुख सूचकांक दिन भर बढ़त के साथ बने रहे, लेकिन दूसरे आधे हिस्से में मुनाफावसूली हावी

रही। क्षेत्रीय सूचकांकों में, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में सबसे अधिक बढ़त रही। इसके बाद निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी और निफ्टी ऑटो में भी तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी फार्मा में मामूली बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मेटल भी नीचे आये। इसके अलावा निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी बैंक के शेयर भी नीचे आये। एचसीएल टेक, इंडिगो, विप्रो, मारुति, बजाज फाइनेंस और एमएंडएम के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे, जबकि , एसबीआई लाइफ, बजाज फिनसर्व, बीईएल और एचडीएफसी बैंक नीचे आये। वहीं, अमेरिका में उम्मीद से कम महंगाई के आंकड़े आने से ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंकाएं कुछ कम हुईं, जिससे बाजार को निचले स्तरों पर सहारा मिला। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार की तेजी के साथ शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 285 अंक चढ़कर 77,470.43 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 0.34 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

बंधुआ मजदूरी पर भारत की अधिसूचना, अमेरिकी शुल्क में राहत की आस

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत ने बंधुआ मजदूरी से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इससे अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर प्रस्तावित धारा 301 के तहत लगाए जाने वाले शुल्क में कुछ नरमी आने की उम्मीद है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने पिछले महीने भारत सहित कई देशों पर बंधुआ मजदूरी से जुड़े आयात की जांच के बाद 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क का प्रस्ताव किया था। वहीं पाकिस्तान, इंडोनेशिया और मैक्सिको जैसे देशों को बंधुआ मजदूरी से निर्मित वस्तुओं के आयात रोकने हेतु 'आंशिक व्यवस्था' लागू करने के कारण 10 प्रतिशत का कम शुल्क प्रस्तावित था। भारत सरकार ने इस सप्ताह बंधुआ मजदूरी का उपयोग करके निर्मित वस्तुओं के आयात को रोकने के लिए अधिसूचना जारी की है। वाणिज्य एवं उद्योग महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी इस अधिसूचना में बंधुआ मजदूरी को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की परिभाषा के अनुरूप परिभाषित किया गया है। यह कदम भारत को उसी अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप लाता है जिसका उपयोग अमेरिका घरेलू स्तर पर करता है। ऐसे में भारत को अब यूएसटीआर की जांच पर अंतिम रिपोर्ट में, जो संभवत: इस महीने जारी होगी, भारतीय सामानों के लिए बेहतर शुल्क परिणाम की उम्मीद है। अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 अमेरिका को उन व्यापार प्रथाओं की जांच करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति देती है जिन्हें वह अपने कारोबार के लिए हानिकारक मानता है। भारत और अमेरिका व्यापार समझौते के लिए भी बातचीत कर रहे हैं, जिसमें इन मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।

रूसी तेल खरीद पर 100 फीसदी शुल्क का प्रस्ताव

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका में दोनों दलों के सीनेटरों के एक समूह ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक का एक संशोधित मसौदा पेश किया है, जिसमें रूस के कच्चे तेल और गैस के पांच सबसे बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इस सूची में भारत भी शामिल है, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूसी तेल पर बढ़ती निर्भरता के कारण एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना कर सकता है। यह संशोधित विधेयक पिछले मसौदे से भिन्न है, जिसे पहले सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने प्रस्तावित किया था, जिसमें रूस से ऊर्जा के सभी संभावित खरीदारों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था। नए मसौदे में भारत, चीन, हंगरी, स्लोवाकिया और अजरबैजान जैसे शीर्ष पांच खरीदारों को विशेष रूप से लक्षित किया गया है, जबकि ज्यादातर यूरोपीय देशों को इससे बाहर रखा गया है। भारत के लिए यह विधेयक ऐसे समय में आया है जब वह पश्चिम एशिया से आपूर्ति बाधाओं और रूसी तेल पर मिल रही भारी छूट के कारण जून में रूस से अपने कच्चे तेल का आयात बढ़ाकर 25.8 लाख बैरल प्रति दिन कर चुका है। मैरीटाइम इंटेलिजेंस फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, जून में भारत के कुल कच्चे तेल के आयात में रूस का योगदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण आपूर्ति बाधित होने की आशंका के चलते जुलाई में भी रूसी तेल की खरीद मजबूत रहने की उम्मीद है। यह विधेयक भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के प्रयासों को भी जटिल कर सकता है। एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि व्यापार वार्ता में इस विधेयक पर अभी तक चर्चा नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि व्यापार समझौते में शुल्क संबंधी चिंताओं के साथ-साथ इस विधेयक के प्रभाव पर भी बात होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी ऊर्जा नीति को राष्ट्रीय हित और ऊर्जा सुरक्षा पर आधारित रखना जारी रखना चाहिए, क्योंकि अमेरिकी सीनेट में पारित होने के बावजूद इस विधेयक के लागू होने की संभावना कम है। उन्होंने सलाह दी कि भारत को चीन की तरह रूसी तेल खरीदना जारी रखना चाहिए।

मेष- आज का दिन खुशियों, सुकून और सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम और आपसी समझ रिश्तों को और मजबूत बनाएगी। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए किए गए प्रयास सफल होते नजर आएंगे। हालांकि दूसरों के मामलों में बिना वजह दखल देने से बचें। सेहत से जुड़ी किसी भी छोटी परेशानी को नजरअंदाज न करें।

वृषभ- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपका मन खुश कर देगी। हालांकि विरोधियों की बातों में आकर कोई फैसला लेने से बचें। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिलने के संकेत हैं।

मिथुन- आज का दिन सामान्य से बेहतर और सुकून भरा रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर हल्की चिंता जरूर रह सकती है, लेकिन धीरे-धीरे स्थिति में सुधार आएगा। माता-पिता की सेवा करने से मन को शांति मिलेगी और उनका आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। संतान की भावनाओं को समझने और उन्हें सही दिशा देने की जरूरत होगी। पुराने मित्र से मुलाकात दिन को यादगार बना सकती है।

कर्क- आज किसी भी जोखिम भरे काम से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी। किसी बड़ी डील या महत्वपूर्ण फैसले से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रम या पूजा-पाठ में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है। किसी पुराने मित्र का आगमन दिन को खास बना सकता है।

सिंह- आज आपका मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ने के संकेत हैं। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा और रिश्तों में भी मजबूती आएगी। किसी भी विवाद से दूरी बनाए रखें। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा और परिवार में विवाह से जुड़ी कोई अड़चन दूर हो सकती है। अपने महत्वपूर्ण काम दूसरों के भरोसे छोड़ने से बचें। मनमौजी स्वभाव पर थोड़ा नियंत्रण रखेंगे, तो परिवार का माहौल और बेहतर बना रहेगा।

कन्या- आज हर काम सोच-समझकर करने की जरूरत होगी। काम का दबाव अधिक रहने से जल्दबाजी हो सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। किसी अजनबी के साथ धन का लेन-देन करने से बचें और निवेश से जुड़े फैसले विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही लें। वाहन में अचानक खराबी आने से अतिरिक्त खर्च हो सकता है। यदि कोई काम पैसों की कमी के कारण रुका हुआ था, तो उसे पूरा करने के लिए आज अच्छे प्रयास करेंगे।

तुला- आज का दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क के दम पर आप समय से पहले लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। किसी सामाजिक या मनोरंजन कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। बिना मांगी सलाह देने से बचें, क्योंकि इससे गलतफहमी पैदा हो सकती है।

वृश्चिक- व्यापार से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन लाभ और प्रगति के संकेत दे रहा है। हालांकि विरोधियों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखना जरूरी होगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। उन्नति के नए रास्ते खुलते नजर आएंगे। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो सकती हैं। प्रेम जीवन में भी मधुरता बनी रहेगी और साथी के साथ यादगार समय बिताने का मौका मिलेगा।

धनु- आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। लंबे समय से अटकी हुई कोई डील या महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है। पुराने मित्र से मुलाकात खुशी देगी। व्यापार में किसी भी तरह के विवाद से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने की संभावना है। किसी महत्वपूर्ण विषय पर माताजी की सलाह आपके बहुत काम आएगी। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

मकर- आज मेहनत और धैर्य ही आपकी सफलता की कुंजी बनेंगे। काम का दबाव थोड़ा अधिक रह सकता है, लेकिन आप अपनी जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभाएंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। जीवनसाथी की ओर से कोई प्यारा-सा सरप्राइज या उपहार मिल सकता है।

कुंभ- आज का दिन मिला-जुला लेकिन उम्मीदों से भरा रहेगा। दोस्तों की ओर से कोई उपहार या सुखद सरप्राइज मिल सकता है। स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी परेशानी को हल्के में न लें। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी और पढ़ाई में मन लगेगा। आपकी कोई पुरानी बात या गलती सामने आ सकती है, इसलिए संयम बनाए रखें।

मीन- आज का दिन आपके लिए नई खुशियां लेकर आ सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन से घर का माहौल आनंदमय रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखते हुए बचत या निवेश की योजना बनाना भविष्य के लिए लाभदायक रहेगा। आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी और परिवार में प्रेम व एकता बनी रहेगी। यदि नौकरी बदलने का विचार कर रहे हैं, तो नई जगह आवेदन करने के लिए समय आपके पक्ष में दिखाई दे रहा है।

शब्दजाल - 8322

शब्दजाल में दस बेहतरीन फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मु	हु	मे	रि	ह	आ	ल	म	आ	रा	म
ग	खु	क	दू	म	जी	ने	शि	या	ड़	द
ले	पी	जा	क	दि	ग	बा	द	ह	प	र
आ	ग	ए	रा	ल	दे	व	दा	स	लि	इं
ज	आ	रा	ल	दे	ब्लै	ला	कि	यो	प	डि
म	इ	वा	मो	चु	प	क	शी	ह	गी	या
न	अ	ल	रा	के	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	स	र	प्या	सा	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	न	न	ज	जी	व	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	म	व	शि	का	री	क्त	ल
बां	दो	बी	घा	ज	मी	न	स	सु	रा	ल

मदर इंडिया,दो बीघा जमीन, आवारा, प्यासा, वक्त, आलमआरा,मुगले आजम, देवदास, हम दिल दे चुके सनम, ब्लैक,

शब्दजाल - 8321 का हल

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं
वि	स	की	वै	को	ह	रा	के	ल	ख	गो
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्वा	घ	रिं
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ
थ	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	सि	मी
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.27 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	07.43 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.55 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.06 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.20 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.36 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.28 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.01 बजे से
राहुकाल		मेष	23.31 बजे से
10.30 से		वृष	01.11 बजे से
12.00 बजे तक		मिथुन	03.09 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 198 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** तृतीया 06.28 बजे तदनन्तर चतुर्थी 04.43 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 18.35 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 22.46 बजे को समाप्त। **करण** गर 06.28 बजे, वणिज 17.31 बजे तदनन्तर विष्टि 04.43 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 2.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 14' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872773 **जूलियन दिन** 2461238.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः नागरिक का कर्तव्य

लीबिया के लिबलिस शहर के एक प्रमुख अस्पताल में अलगअलग वार्डों में मरीजों को मुख्य डाक्टर के आने का इंतजार था। नर्स, कंपाउंडर आदि बेंचों पर शांति से बैठे थे लेकिन लंबे कद का एक आदमी लंबा चोगा पहने, चहलकदमी करता हुआ प्रत्येक स्थान और वस्तु का गहराई से निरीक्षण कर रहा था, तभी अपनी ओर आते बड़े डाक्टर को देख कर वह व्यक्ति ठिठका। डाक्टर ने पूछा, ''ऐ मिस्टर, कौन हो तुम? यहां क्या कर रहे हो?'' वह व्यक्ति बोला, ''डाक्टर, मेरे पिता बहुत बीमार है।'' इस पर डाक्टर बोला, ''बीमार हैं तो उन्हें यहां भरती कराओ।'' ''वह बहुत कमजोर हैं। उन्हें यहां लाना संभव नहीं है। आप चलिए डाक्टर,'' उस व्यक्ति ने आदरपूर्वक कहा। लेकिन डाक्टर ने उसे झिड़क दिया, ''क्या बेहूदगी है? मैं तुम्हारे घर कैसे जा सकता हूं?'' ''भले ही रोगी मर जाए, फिर भी आप नहीं जा सकते?'' वह व्यक्ति बोला। डाक्टर ने उसे डांटते हुए कहा, ''ज्यादा बोलने की जरूरत नहीं है। तुम्हें मालूम नहीं कि तुम किस से बात कर रहे हो। चीफ सिविल सर्जन से इस तरह बात की जाती है?'' यह सुन कर वह व्यक्ति तिलमिला गया। इस का उस ने सख्ती से उत्तर दिया, ''मैं ने अभी तक तो बहुत शराफत बरती है, लेकिन मुझे तुम से बात करने का ढंग सीखने की जरूरत नहीं है डाक्टर। तुम भी नहीं जानते कि तुम किस से बात कर रहे हो।'' अब डाक्टर का पारा चढ़ गया। उसने अस्पताल के वार्ड अटेंडेंट को पुकार कर कहा, ''इस पागल को पागलखाने भिजवा दो।'' जैसे ही अटेंडेंट आगे बढ़ा, उस लंबे व्यक्ति ने अपना चोगा उतार फेंका। डाक्टर ने देखा, सामने कोई साधारण व्यक्ति नहीं बल्कि सैनिक वरदी में एक रोबदार कर्नल खड़ा था। अब तो डाक्टर भी खुद सकपका गया। अपने देश के राष्ट्रपति कर्नल गद्दाफी को सामने देख कर उस के होश उड़ गए। कर्नल गद्दाफी ने आदेश दिया, डाक्टर, अब तुम्हारे लिए लीबिया में कोई जगह नहीं है। मैं एक अस्पताल का नहीं, पूरे देश का अनुशासित सेनापति और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी हूं। जो लोग अपना कर्तव्य निभाना नही जानते, उन्हें इस देश में रहने का कोई हक नहीं।'' राष्ट्रपति के आदेश पर तत्काल अमल हुआ और सबक मिला कि राष्ट्र सेवा प्रत्येक नागरिक का सर्वोच्च कर्तव्य है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7266

1		■	2		3	■	4	5	
	■	6		■	7	8			■
9	10	■	11		■		■	12	13
14				■	15			■	
■		■	■	16		■	■	17	
18	■	19		■	20	21			■
22			■	23	■		■		■
	■	24			■	25			■
■	26		■	27	28	■	■	29	
30		■	31			■	32		■

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7265

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल- 7575

★★★✩✩ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7574 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 8790

बाएँ से दाएँ

1.जनमत-4
4.सचेत,सजग-4
7. सहयात्री,संगी-5
9.रुपया,पैसा -2
11.छोटी सवारी गाड़ी-2
12.घ्राणेंद्रिय-2
13.बेकार-3
15.झुका हुआ-2
16.बसंत काल-3
17.टिड्डा-3
18.अन्वेषण,ढूंढना-2
19.जलने की प्रक्रिया-3
21.एक विदेशी शराब-2
23.कला,हुनर-2
24.मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25.आत्मबलिदानी-5
29.करामात-4
30.नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1.पूजा,प्रार्थना-4
2.मार्ग,पथ-2
3.यमराज,मृत्युदेवता-2
4.स्वच्छ-2
5.दूल्हा,वरदान-2
6.द्वेष,ईर्ष्या-4
8.तमीज,तहजीब-3
10.सेंधमार-5
11.चुगली करना-5
13.देवर्षि-3
14.रसद,खाद्य सामग्री-3
18.भयानक,डरावना-4
20.अक्षर (उर्दू-3)
22.संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25.तेज,सत्य-2
26.ईश्वर,भगवान-2
27.रुदन,क्रंदन-2
28.मोमबत्ती(उर्दू-2)

शब्द पहेली -8789 का हल

■	त	ला	क	■	ह	म	रा	ज
म	■	■	म	ह	क	■	■	रू
ना	■	श	त	■	ला	ल	■	र
ना	म	क	र	ण	■	की	म	त
■	लि	■	ता	■	म	■	क्षा	■
अ	न	ल	■	मा	न	क	र	ना
रा	■	हू	र	■	मो	ल	■	च
ज	■	■	ज	ग	ह	■	■	ना
क	रा	मा	त	■	क	ल	श	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

पद्मेश न्यूज। लांजी।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 15 जुलाई को पुलिस विभाग द्वारा नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश शासन के निर्देश पर 15 से 30 जुलाई तक चलाए जा रहे इस अभियान के तहत विद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर नशे की दुष्प्रभावों के प्रति छात्र-छात्राओं व स्थानीय नागरिकों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मुकेश दुवोलिया थाना प्रभारी लांजी, श्रीमती विधि पांडे उप निरीक्षक, प्रमोद बिसेन प्रधान आरक्षक, व्यवस्थापक विजय रामटेक्कर तथा विद्यालय के प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी उपस्थित रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती एवं मां भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। वाणी वंदना के बाद श्री बोहने जी ने सभी अतिथियों का तिलक वंदन कर स्वागत किया।

थाना प्रभारी मुकेश दुवोलिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक नशा मुक्ति जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं सहित आमजन को नशे की लत से मुक्त करना है। उन्होंने कहा, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, शराब जैसी नशीली वस्तुएँ व्यक्ति, परिवार और पूरे समाज को तबाह कर देती हैं। नशेड़ी व्यक्ति खुद को बर्बाद करने के साथ परिवार को कर्ज के बोझ तले दबा देते हैं। चोरी, डकैती जैसी गतिविधियों तक की नौबत आ जाती है। उन्होंने अपील की कि यदि किसी के आस-पास नशे का आदी व्यक्ति दिखे तो तुरंत पुलिस थाने में सूचना दें और उसे नशा मुक्ति केंद्र तक पहुँचाने में सहयोग करें। कार्यक्रम में सभी उपस्थित जनों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नशे की लत कई परिवारों को बर्बादी की कगार पर ला खड़ी कर रही है। उन्होंने आधुनिक समस्या की ओर भी इशारा करते हुए कहा कि मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग भी नशे की तरह है। छात्र-छात्राओं को पढ़ाई और अन्य रचनात्मक कार्यों के लिए समय देना चाहिए तथा अनावश्यक मोबाइल उपयोग से दूरी बनानी चाहिए।

उन्होंने पुलिस विभाग, विद्यालय परिवार तथा सभी भाई-बहनों का आभार व्यक्त किया जो इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग कर रहे हैं।कार्यक्रम का मंच संचालन त्र्यंबक भगत ने किया।

मध्यप्रदेश कांग्रेस में राधेश्याम सिंगनधुपे बने प्रदेश सचिव

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की दिशा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 15 जुलाई को जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार राधेश्याम सिंगनधुपे को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के निर्देश तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अनुशंसा पर की गई है। नई कार्यकारिणी का उद्देश्य संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूत करना, जनाधार का विस्तार करना तथा कांग्रेस की नीतियों एवं कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाना बताया गया है। नियुक्ति के बाद राधेश्याम सिंगाधुपे ने कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे और पार्टी की विचारधारा तथा जनहित के कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। सिंगनधुपे की नियुक्ति पर पूर्व विधायक हीना कावरे, जनपद पंचायत लांजी अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, पूर्व अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, मुकेश चौहान, अनीश चौहान, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष रेवाजी कराटकरे, नगर कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष सौरभ मोनू पशीने, मनीष जुझार, ललित कबीरे, अशोक पालीवाल, पूनम आसटकर, राजू बापुरे, संतोष आवरे, ज्योति उमरे, ओमकार रहांगडाले, खेमचंद दानी, मुकेश दसरिया ,राजू मेंढे, मुकेश रणदिवे, महेन्द्र सोनवाने, शरद आसटकर, दिनेश लांडे, संजीत ठाकरे, देबीलाल चौधरी, आशीष सोनू श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र चूटे, घनश्याम पटले, संजय वानखेड़े, कोमल कांडे, योगेन्द्र मिश्रा, राम ठाकरे, लिखेन्द उपराड़े, एडवोकेट अनमोल तिडके, जीतू मोरघड़े, सुरेन्द्र चौधरी, पन्ना बिल्हारे, पोषण मस्करे, नरेन्द्र नागपुरे, बंटी पटेल, मोनू हरिनखेड़े, अफजल बेग, आरिफ बेग, सैयद अरशद, इरशाद खान, गणेश बागड़े, राजू सोयाम, प्रभुदयाल किरमें, विनोद उमरे, टुमन घोरमारे, सिद्धीक अंसारी, अफसाना अंसारी, जुग्गू खान, बब्बू भाईजान, युवराज पटले, महेश चौधरी, गोवर्धन घोरमारे, श्याम बेदरे, राधेश्याम नखाते, रविन्द्र धारने, दिनेश चौहान, लीलाराम मानकर, अमन श्रीवास्तव, शिवम् नखाते, लक्ष्मण कावरे, रामकृष्ण गिरिया, कल्याण कालबेले, योगदास नागपुरे, अजीत नागपुरे, गुरुदास लिल्हारे, रामेश्वर बिल्थरे, विश्वनाथ मोरघड़े, मुरली बावनथडे, स्नेहा बागड़े, राकेश बागड़े, कैलाश मस्करे, बब्लू उमरे, पप्पू कावडे, भरत बड़में, नरेश चौहान, सीताराम बड़मे, चंद्रकांत किरनापूरे, प्रवीण दुबे, पप्पू कामरी, सुखराम बड़में, दिलीप रामटेके, पवन कश्यप, विजय रामटेकर, राजेश पन्द्रे, सखाराम वरकड़े, गुड्डु गोस्वामी, नरेन्द्र मोतीचुर, ललित वरकड़े, राकेश पंद्रे, बेनीराम खोटेले महासचिव जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट, श्रीमती रुक्मणी माहुले जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती चेतना कुराहे,जिला पंचायत सदस्य, सुश्री डाली कावरे, जिला पंचायत सदस्य , अजय कुराहे, श्रीमती मीरा सिंगनदुपे जिला पंचायत सदस्य, यूसुफ पटेल अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी किरनापुर , मनीष भीमटे, मंगल रैकवार, बालचंद पांचे, अजय पाचे , अनिल खरे, प्रेमलाल हाथीमारे, प्रेमलाल पाचे, नारायण कावरे, त्रिवेंद्र गुड्डा पाचे , भोजराज ठाकरे, पूरनलाल देशमुख, संतोष बहेकार, तिलक पचाले, शेषराम पंचाले, डिगुलाल पाचे , गीतेश पाचे, मानिक लाल पाचे, खेमराज वाहेकर , संजय ठाकरे , गुड्डु मडामे, जयचंद बिसेन, राजेन्द्र बिसेन, मुन्ना तुरकर , यादव राव तुरकर , पवन खरखाटे , अरुण बिसेन, लखन मानकर, राधेश्याम मानकर, राकेश मेश्राम, ऋषिकेश भास्कर, ओमकार पांचे,बुधराम वगारे, सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

डायरिया रोको अभियान के तहत बोथली, सुलसूली, घोटी सहित सात गांवों में खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में संचालित डायरिया रोको अभियान卐 के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) द्वारा पेयजल स्रोतों को सुरक्षित एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उपखंड लांजी के बोथली, सुलसूली, घोटी सहित सात गांवों में खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर उन्हें पुन: चालू किया गया। पीएचई विभाग की टीम ने गांवों में पहुंचकर खराब हैंडपंपों का तत्काल सुधार कराया, जिससे ग्रामीणों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही सुधारे गए हैंडपंपों सहित गांवों के अन्य सभी पेयजल स्रोतों में जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया। विभाग के अनुसार क्लोरीनीकरण से पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणु एवं कीटाणु नष्ट होते हैं, जिससे डायरिया सहित अन्य जलजनित बीमारियों की रोकथाम में प्रभावी सहायता मिलती है। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि वर्षा ऋतु में जलजनित रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए पेयजल को हमेशा छानकर और ढककर रखें, जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें तथा केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी का ही उपयोग करें। पीएचई विभाग ने बताया कि डायरिया रोको अभियान के तहत जिले के विभिन्न गांवों में पेयजल स्रोतों की नियमित निगरानी, हैंडपंपों का रखरखाव एवं क्लोरीनीकरण का कार्य निरंतर जारी रहेगा, ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके और जलजनित रोगों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोलेगांव में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षा के क्षेत्र: मे अग्रणी संस्था सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोलेगांव में बुधवार को गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा (15 जुलाई से 29 जुलाई 2026) का भव्य शुभारंभ श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य बी.आर. गुरदे एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके साथ ही गुरु महिमा पर प्रभावशाली भाषण, लघु नाटिका तथा वर्तमान समय में गुरु के घटते महत्व पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसकी सभी ने सराहना की। अपने उद्बोधन में प्राचार्य बी.आर. गुरदे ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति की अंधी दौड़ में हम अपनी गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा को धीरे-धीरे भूलते जा रहे हैं। शिक्षा तभी सार्थक है, जब उसके साथ संस्कार जुड़े हों। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा मनाने का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं गुरु के महत्व से जोड़ना है। यह 15 दिवसीय आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान एवं अपनी विरासत को अपनाने की भावना विकसित करेगा। उन्होंने बताया कि पखवाड़े के दौरान प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रथम दिवस दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना एवं शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। आगामी दिनों में नवाचार गतिविधियों का अवलोकन, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन, संस्कृत श्लोक पाठ, भजन एवं गुरु वंदना, योगाभ्यास, ध्यान सहित अनेक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में सभी ने गुरु परंपरा के संरक्षण एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पाली अकाडमिक संस्थान में हुआ शाला नायक व शाला नायिका का चुनाव

पद्मेश न्यूज। लांजी। सी.बी.एस.ई. से मान्यता प्राप्त पाली अकाडमिक संस्थान में संचालिका महोदय श्रीमति वंदना वैद्य की अध्यक्षता में तथा प्राचार्य श्रीमति श्रध्दा कांड्रा एवं प्रबंधक संजय चौरे के मार्गदर्शन में 16 जुलाई को विद्यालय में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकगणों के सहयोग से शाला-नायक, शाला-नायिका तथा विभिन्न विभागों के छात्र प्रतिनिधियों का चुनाव निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से संपन्न कराया गया इस चुनावी प्रक्रिया में कक्षा चौथी से लेकर कक्षा दसवीं तक के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह व उमंग से भाग लिया। चुनाव की इस प्रक्रिया का महत्व बताते हुए संचालिका महोदया ने चुनाव के महत्व के बारे में छात्रों को जानकारी दी की कैसे किसी भी लोकतंत्रात्मक देश में चुनाव का संचालन किया जाता है, चुनाव जनता के लिए क्यों महत्वपूर्ण होता है तथा कैसे चुनाव के माध्यम से आमजन अपने प्रतिनिधियों को चुनकर, देश की शासन व्यवस्था को सशक्तत व कारगर बनाते है। इस संदर्भ में संचालिका महोदय द्वारा छात्रों को भारत देश की लोकतंत्रात्मक व्यवस्था का उदाहरण दिया गया साथ ही भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त के बारे में छात्रों को अवगत करवाया गया। संपन्न हुए चुनाव के माध्यम से निर्वाचित वेदांग चंद्रिकापूरे को हेडबॉय और दिव्या काड़े को हेडगर्ल तथा डिप्टी हेडबॉय-अद्वित्व राऊत, डिप्टी हेडगर्ल-वाणी मस्करे, स्पोर्ट हेडबॉय-लिकेश सोनवाने, स्पोर्ट हेडगर्ल-देशना वैद्य, मेडिकल हेड-पूर्वी खिरेकर, कलचरल हेड- विनिधि घोंगडे, डिसिप्लेन हेड-नितू दह्लेमाल ।

हाऊस केपटन-

अग्नि हाऊस-

गर्ल कैप्टन - वैष्णवी भटेरे और वाइस कैप्टन बॉय कैप्टन - लक्ष रण्दिवे और वाइस कैप्टन सुहानी करहि देव गुर्दे

वायु हाऊस- गर्ल कैप्टन - श्रावणी बागडे और वाइस कैप्टन - मायशा बॉय कैप्टन - सिद्धार्थ कांड्रा और वाइस कैप्टन- सानिध्य चौरे

पृथ्वी हाऊस:- गर्ल कैप्टन - अक्षलीना बंसोड़ और वाइस कैप्टन - सौम्या बिल्हारे बॉय कैप्टन - आद्वित्व राऊत और वाइस कैप्टन भविष्य खोंगल

गगन हाऊस- गर्ल कैप्टन - तनुश्री और वाइस कैप्टन- रेशिका बॉय कैप्टन- समर्थ और वाइस कैप्टन- गगन

16 जुलाई को हुए चुनाव में विद्यालय के शिक्षको द्वारा नवाचार का उदाहरण प्रस्तुत कर अपने मोबाइल फोन को ई.वी.एम. मशीनों में परिवर्तित कर संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया संपन्न कराई गई। समस्त नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को पद की गरिमा व निष्ठा बनाये रखने हेतु शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय तथा महाविद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा प्राध्यापकगणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बहेला पुलिस ने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मनेरी व हाई स्कूल सावरी में चलाया जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बहेला। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत थाना बहेला पुलिस द्वारा हाई स्कूल सावरी एवं शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मनेरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी शैलेंद्र सक्सेना, एएसआई बीजू मम्मन, आदर्श मिश्रा, जितेंद्र सेन, शुभम मिश्रा सहित थाना बहेला का पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। थाना प्रभारी शैलेंद्र सक्सेना ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि आज का युवा देश का भविष्य है। यदि युवा नशे से दूर रहेंगे, तभी वे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए बेहतर योगदान दे सकेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने साइबर अपराधों, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, यातायात नियमों के पालन तथा कानून का सम्मान करने की भी समझाइश दी। विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने सरल एवं प्रेरणादायक तरीके से उत्तर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और भविष्य तीनों को बर्बाद कर देता है। छात्र जीवन सपनों को साकार करने का समय होता है, इसलिए किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें। यदि आपके आसपास कोई व्यक्ति नशे की लत में है, तो उसे समझाने का प्रयास करें और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस को सूचना दें। नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का उद्देश्य युवाओं को जागरूक कर नशामुक्त समाज का निर्माण करना है।

लांजी में ''पद्मेश''

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

किसी की हिम्मत नहीं मेरे कार्यकर्ताओं का नुकसान कर दे

उपचुनाव में कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा

भोपाल । दतिया उपचुनाव के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को भावनात्मक संदेश देते हुए भरोसा दिलाया कि किसी भी कार्यकर्ता के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी की हिम्मत नहीं कि मेरे कार्यकर्ताओं का नुकसान कर दे। अगर ऐसी नौबत आई तो मैं भी तुम्हारे साथ जेल जाऊंगा।

गुरुवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में मिश्रा ने हाल के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की आंखों में आंसू देखकर वे भी भावुक हो गए थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि नाराजगी का निशाना भाजपा नहीं, बल्कि कांग्रेस होनी चाहिए और हर हाल में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को विजयी बनाना है।

पीतांबरा माई की शपथ दिलाई

डॉ. मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को पीतांबरा माई की शपथ दिलाते हुए भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कराने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा अपने चुनाव से ज्यादा दूसरे चुनावों में ताकत लगाते रहे हैं और कार्यकर्ताओं के सम्मान की रक्षा उनकी प्राथमिकता है। अपने संबोधन में मिश्रा ने कहा कि जो कुछ हुआ वह भ्रम और गुस्से की स्थिति में हुआ। उन्होंने तीन दिन तक बाजार बंद रखकर समर्थन देने वाले व्यापारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि रास्ते में कई घायल कार्यकर्ता मिले, जिनमें एक कार्यकर्ता के सिर पर आंसू गैस का गोला लगने से गंभीर चोट आई।

आशुतोष टिकट काटने की क्षमता नहीं रखते

कार्यकर्ताओं के बीच फैली नाराजगी पर मिश्रा ने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि आशुतोष तिवारी ने उनका टिकट कटवाया, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि आशुतोष की टिकट काटने की क्षमता नहीं है। टिकट का फैसला कहीं और होता है। जहां बात करनी होगी, हम करेंगे। गुस्सा गलत जगह मत निकालो। पार्टी हमारी मां है, इसे कभी मत भूलो।

पुलिस कार्रवाई पर भी जताई नाराजगी

पूर्व गृहमंत्री ने पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यालय पर आंसू गैस के गोले दागे गए, जबकि कार्यालय सड़क पर नहीं था। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के पास तोड़फोड़ के फुटेज मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि एसपी साहब, मैं भूलने वाला प्राणी नहीं हूं। दोस्ती और दुश्मनी दोनों याद रखता हूं। निर्दोष कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज करना और उन्हें पीटना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आशुतोष तिवारी बोले- सम्मान पर आंच नहीं आने देंगे

बैठक में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने भी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि प्रशासनिक कार्रवाई से यदि किसी कार्यकर्ता को परेशानी हुई है तो वे हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि पीतांबरा माई को साक्षी मानकर कहता हूं कि जब तक मेरे तन में प्राण हैं, आप सभी के सम्मान पर किसी प्रकार की आंच नहीं आने दूंगा। दतिया उपचुनाव के बीच आयोजित इस बैठक को भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बनाए रखने और संगठनात्मक एकजुटता का संदेश देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही, नरोत्तम मिश्रा के बयान से यह भी स्पष्ट हुआ कि वे अपने समर्थकों के बीच सक्रिय भूमिका निभाते हुए चुनावी अभियान में पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

मप्र कांग्रेस विधायक दल की बैठक कल

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में विधानसभा सत्र की रणनीति पर होगा मंथन

भोपाल। आगामी विधानसभा के मानसून सत्र की रणनीति तय करने और जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए 19 जुलाई को शाम 7:30 बजे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के निवास बी-12 (ए), 74 बंगला, भोपाल में कांग्रेस विधायक दल की बैठक आयोजित की गई है।

बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सदन में उठाए जाने वाले प्रमुख जनहित के विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी तथा सरकार को जनता से जुड़े मुद्दों पर घेरने की रणनीति तैयार की जाएगी।

बैठक में जिन प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी, उनमें मुख्यमंत्री एवं उनके परिवार से जुड़े भूमि घोटाले का मामला, किसान संकट, सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक जॉब कैलेंडर जारी करने की मांग, युवाओं के रोजगार एवं भर्ती परीक्षाओं में व्यापक सिस्टम सुधार, यूसीसी, आदिवासियों एवं दलितों के अधिकारों से जुड़े विषय, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार एवं प्रदेश में सामने आ रहे घोटाले, भ्रष्टाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं।

उमंग सिंघार ने कहा, कांग्रेस विधायक दल जनता की आवाज को पूरी मजबूती के साथ विधानसभा में उठाएगा। प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महिलाओं की सुरक्षा, केन-बेतवा सहित आदिवासियों और दलितों के अधिकारों पर लगातार गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सरकार जवाबदेही से बच नहीं सकती। उन्होंने कहा कि विधानसभा का आगामी सत्र जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और सरकार से जवाब मांगने का सत्र होगा। कांग्रेस विधायक दल पूरी तैयारी और एकजुटता के साथ जनता की अपेक्षाओं को सदन में रखेगा तथा प्रदेश के हर वर्ग से जुड़े मुद्दों पर सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर करेगा।

मप्र पुलिस में बड़े बदलाव की आहट

भोपाल । मध्यप्रदेश पुलिस में वर्ष 2026 के अंत तक बड़े प्रशासनिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। वर्तमान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना का एक वर्ष का सेवा विस्तार 1 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। यदि राज्य सरकार उन्हें दोबारा विस्तार नहीं देती है तो प्रदेश को नया पुलिस प्रमुख मिलेगा। इसे देखते हुए पुलिस मुख्यालय से लेकर सत्ता के गलियारों तक नए डीजीपी के नामों पर मंथन शुरू हो गया है। वरिष्ठता, सेवा अवधि और अनुभव को देखते हुए डीजी ईओडब्ल्यू उपेंद्र जैन, डीजी जेल वरुण कपूर और स्पेशल डीजी (सीआईडी) पंकज श्रीवास्तव को डीजीपी पद की दौड़ में प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। इनमें वरिष्ठता और न्यूनतम कार्यकाल की उपलब्धता के कारण उपेंद्र जैन का नाम सबसे मजबूत बताया जा रहा है।

डीजीपी कैलाश मकवाना का नियमित कार्यकाल 1 दिसंबर 2025 को समाप्त हो गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए, उन्हें एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया था। हालांकि सरकार चाहे तो उन्हें एक और वर्ष का विस्तार दे सकती है, लेकिन प्रशासनिक हलकों में इसकी संभावना फिलहाल कम मानी जा रही है। ऐसे में दिसंबर के बाद नए डीजीपी की नियुक्ति लगभग तय मानी जा रही है। डीजीपी पद के लिए, जिन अधिकारियों के नाम सबसे अधिक चर्चा में हैं, उनमें उपेंद्र जैन महानिदेशक, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, वरुण कपूर महानिदेशक, जेल और पंकज श्रीवास्तव स्पेशल डीजी, सीआईडी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, यदि वरिष्ठता और कार्यकाल को प्राथमिकता दी जाती है तो उपेंद्र जैन सबसे आगे रह सकते हैं। वहीं प्रशासनिक अनुभव और विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने का अनुभव वरुण कपूर और पंकज श्रीवास्तव को भी मजबूत दावेदार बनाता है।

2027 में एक साथ रिटायर होंगे 13 आईपीएस अधिकारी

अगले वर्ष प्रदेश पुलिस महकमे में सेवानिवृत्ति का बड़ा दौर आने वाला है। वर्ष 2027 में कुल 13 आईपीएस अधिकारी सेवा से निवृत्त होंगे। इनमें सात प्रमोटी और छह डायरेक्ट आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। जो अधिकारी सेवानिवृत्ति होंगे उनमें जनवरी में राकेश सगर, मार्च में मुकेश श्रीवास्तव, मई में वरुण कपूर, जून में ओमप्रकाश त्रिपाठी, विनोद कुमार सिंह, संतोष सिंह गौर, जुलाई में जी. अखेतो सेमा, राजाबाबू सिंह, अगस्त में उपेंद्र जैन, अक्टूबर में उमेश जोगा, मनोज कुमार सिंह, रसना ठाकुर, दिसंबर में पंकज श्रीवास्तव शामिल हैं। इसी वजह से डीजीपी चयन में अधिकारियों के शेष सेवा काल को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस साल भी 16 आईपीएस हो रहे हैं सेवानिवृत

वर्ष 2026 में भी आईपीएस कैडर में बड़े पैमाने पर सेवानिवृत्तियां हो रही हैं। कुल 16 अधिकारियों को इस वर्ष रिटायर होना है। अब तक जिन अधिकारियों की विदाई हो चुकी है, उनमें जगदीश डाबर, अंशुमान सिंह, हिमानी खन्ना, सविता सोहाने, जितेंद्र सिंह पंवार, महेशचंद्र जैन, संजीव शमी, आलोक रंजन और संजय तिवारी शामिल हैं।

जुलाई और अगस्त में कई वरिष्ठ अफसर होंगे विदा

इसी माह अरविंद सक्सेना और शशिकांत शुक्ला भी सेवानिवृत्त होंगे। इसके बाद अगस्त में सबसे अधिक चार वरिष्ठ अधिकारी अजय शर्मा, आशुतोष रॉय, ए. साई मनोहर और मिथिलेश शुक्ला सेवानिवृत्त होंगे। वहीं अक्टूबर में वर्तमान में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में प्रतिनियुक्ति पर महानिदेशक के रूप में कार्यरत सोनाली मिश्रा भी सेवा से निवृत्त होंगी।

पुलिस मुख्यालय में बड़े फेरबदल की तैयारी

लगातार हो रही सेवानिवृत्तियों के कारण आने वाले महीनों में पुलिस मुख्यालय, जोन, रेंज और जिला स्तर पर बड़े प्रशासनिक फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि नए डीजीपी की नियुक्ति के साथ ही वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की जिम्मेदारियों में भी व्यापक बदलाव हो सकते हैं। इसके अलावा रिक्त होने वाले पदों को भरने के लिए नई तबादला सूची जारी होने की भी संभावना है, जिससे पुलिस प्रशासन में नई कार्यशैली और नेतृत्व व्यवस्था देखने को मिल सकती है।

दिसंबर के बाद साफ होगी तस्वीर

फिलहाल प्रदेश की पुलिस व्यवस्था की सबसे बड़ी चर्चा यही है कि क्या कैलाश मकवाना को एक और सेवा विस्तार मिलेगा या मध्यप्रदेश को नया डीजीपी मिलेगा। यदि सरकार नया चेहरा चुनती है तो यह केवल पुलिस नेतृत्व का बदलाव नहीं होगा, बल्कि उसके साथ पूरे पुलिस महकमे में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक पुनर्संतुलन की शुरुआत भी होगी।

मप्र में बिजली संकट का एआई से निकलेगा समाधान...

- 24 घंटे होगी ग्रिड की स्मार्ट निगरानी, थमेगी अघोषित कटौती

भोपाल। प्रदेश में तेजी से बढ़ रही बिजली की मांग के बीच बिजली कंपनियां अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से ग्रिड संचालन को स्मार्ट बनाने की तैयारी में हैं। इस तकनीक के जरिए बिजली की मांग का पहले से अनुमान लगाया जाएगा। इससे समय पर ग्रिड का बेहतर प्रबंधन और तकनीकी खराबियों की समय रहते पहचान संभव होगी। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को अधिक भरोसेमंद बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना और अघोषित कटौती की स्थिति को कम करना है।

प्रदेश में वर्ष 2018-19 के दौरान अधिकतम बिजली मांग 14,089 मेगावाट थी, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 18,913 मेगावाट तक पहुंच गई। वर्तमान में यह आंकड़ा करीब 20 हजार मेगावाट के आसपास है। ऊर्जा क्षेत्र के अनुमान के अनुसार वर्ष 2027-28 तक अधिकतम मांग 22 हजार मेगावाट तक पहुंच सकती है। बढ़ती जरूरत को देखते हुए बिजली कंपनियां पारंपरिक व्यवस्था के बजाय डिजिटल तकनीकों पर फोकस कर रही हैं।

ग्रिड पर रहेगी पैनी नजर और एससीएडीए प्रणाली का उपयोग

एआई से लैस एससीएडीए (सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन) प्रणाली नियंत्रण केंद्रों को ग्रिड की वास्तविक स्थिति का लगातार आकलन करने में मदद करेगी। इसके जरिए वोल्टेज नियंत्रण, मांग-आपूर्ति संतुलन, आर्थिक डिस्पैच और पीक लोड प्रबंधन जैसे निर्णय अधिक तेजी और सटीकता से लिए जा सकेंगे। इससे बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ने की उम्मीद है।

ट्रांसमिशन लाइनों की निगरानी होगी स्मार्ट और ड्रोन का इस्तेमाल

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी बिजली की ड्रोन आधारित निरीक्षण व्यवस्था को और उन्नत बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। ड्रोन आधारित इमेज एनालिसिस तकनीक की मदद से ट्रांसमिशन लाइनों, टावरों और उपकरणों में संभावित खराबियों की समय रहते पहचान की जा सकेगी। इससे प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस को बढ़ावा मिलेगा और अनावश्यक ट्रिपिंग की घटनाओं में कमी आएगी।

हरित ऊर्जा के लिए भी उपयोगी होगी यह आधुनिक तकनीक

प्रदेश में सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं का विस्तार लगातार हो रहा है। इन स्रोतों का उत्पादन मौसम पर निर्भर होने के कारण इनमें उतार-चढ़ाव बना रहता है। ड्रोन आधारित विश्लेषण प्रणाली मौसम संबंधी आंकड़ों के आधार पर नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का बेहतर पूर्वानुमान तैयार कर सकेगी, जिससे ग्रिड संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

-एआई से होंगे ये फायदे

मांग बढ़ने का पहले से मिलेगा अनुमान
ग्रिड की 24 घंटे स्मार्ट निगरानी
ड्रोन से ट्रांसमिशन लाइनों की जांच
खराबी आने से पहले होगी मरम्मत
ट्रिपिंग और तकनीकी फाल्ट में आएगी कमी
सौर और पवन ऊर्जा का बेहतर प्रबंधन
-आंकड़ों में बढ़ती बिजली मांग

रात 11 बजे राज्यपाल ने किए हस्ताक्षर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में उस समय हलचल मच गई। जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पशुपालन मंत्री लखन पटेल से पशुपालन विभाग आनन फानन में वापस ले लिया। बताया जा रहा है, दिल्ली से आई शिकायत और एक फोन कॉल के बाद महज दो घंटे के भीतर मंत्री जी का विभाग छीन लिया गया।

पशुपालन विभाग छिनने की वजह गोशाला योजना के तहत 125 एकड़ जमीन आवंटन को लेकर मंत्री जी की विशेष रुचि बताई जा रही है। आरोप है जमीन आवंटन प्रक्रिया में सौदेबाजी और अनियमितताओं की शिकायतें संगठन स्तर से लेकर दिल्ली तक पहुंचीं थी। शिकायत मिलने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय सक्रिय हुआ, देर रात कार्रवाई शुरू हुई।

सूत्रों के अनुसार, डेयरी संघ और छह दुग्ध उत्पादक संघों की महत्वपूर्ण फाइलें लंबे समय से लंबित थीं। इन फाइलों पर निर्णय नहीं होने से डेयरी परियोजनाएं प्रभावित हो रही थीं। यह विभाग केंद्र में गृह मंत्री अमित शाह से जुड़ा हुआ है। बताया जाता है, मंत्री स्तर पर इन फाइलों को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा था। जिससे सरकार की योजनाओं में विलंब हो रहा था।

मुख्यमंत्री को रात करीब 9 बजे दिल्ली से फोन आया। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। रात 11 बजे राज्यपाल से विभाग परिवर्तन की मंजूरी ली गई। देर रात अधिसूचना जारी कर, लखन पटेल को पशुपालन विभाग से मुक्त कर दिया गया। इस कार्रवाई को सरकार का बड़ा प्रशासनिक संदेश माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है मध्य प्रदेश में गौशाला के काम में लगभग 90 फीसदी संस्थाएं भाजपा और संघ से जुड़ी हुई हैं इसी तरह से दुग्ध संघ का मामला केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह से जुड़ा हुआ है उसके बाद भी मंत्री जी ने फाइलों को रोक उसके कारण उनका विभाग एक झटके में चला गया।

लखन पटेल के पास पहले 2365 करोड़ का बजट था। अब आनंद विभाग में मात्र 12 करोड़ रुपए का बजट है। इसी में उन्हें आनंद करना पड़ेगा।

सुधरेगी गोवंश की नस्ल, बढ़ेगा दूध का उत्पादन

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तीसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है। 6 दिवसीय इस अभियान के तहत भोपाल जिले के 480 गांवों और 15 वार्डों के 6330 पशुपालकों से 112 प्रशिक्षित विभागीय कर्मी सीधे उनके घर जाकर संपर्क करेंगे। पूरे प्रदेश में 5 लाख 72 हजार पशुपालकों तक पहुंचने का लक्ष्य है। मैदानी अमले की मदद के लिए डॉ. अंकिता जैन को कंट्रोल रूम का प्रभारी व नोडल अधिकारी बनाया गया है। इस चरण में मुख्य रूप से 3 से 4 गौवंश व भैंस रखने वाले पशुपालकों को नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण और सार्टेड सीमेन के प्रति जागरूक किया जाएगा।

अब कॉलेज सुधारेंगे आंगनबाड़ियों की हालत!

- महिला बाल विकास ने उच्च शिक्षा विभाग को लिखा पत्र...

भोपाल। मध्य प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग के कामकाज और प्रशासनिक क्षमता को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। विभाग प्रदेश के नौनिहालों और आंगनबाड़ियों की जिम्मेदारी संभालने में पूरी तरह हांफता नजर आ रहा है। अपनी इस नाकामी या व्यवस्थागत लाचारी को छिपाने और बोझ को कम करने के लिए विभाग ने अब एक नया रास्ता निकाला है। प्रदेश की आंगनबाड़ियों को संभालने के लिए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को आगे लाया जा रहा है। महिला बाल विकास विभाग ने बाकायदा आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर इस मामले में सीधी मदद मांगी है। यह पूरा मामला राष्ट्रीय स्तर की एक बैठक और उसकी रिपोर्ट के बाद सतह पर आया है। मुख्य सचिवों की पांचवीं राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के दौरान विभाग को आंगनबाड़ियों की हालत सुधारने के कड़े निर्देश मिले थे। इसी कॉन्फ्रेंस की 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' और बाल अवस्था देखभाल शिक्षा के लक्ष्यों का हवाला देते हुए महिला बाल विकास विभाग ने यह पत्र लिखा है। विभाग का तर्क है कि आंगनबाड़ी केंद्रों में सामुदायिक स्वामित्व और जनभागीदारी को बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। महिला बाल विकास विभाग के इस सरेंडरनुमा पत्र के बाद उच्च शिक्षा विभाग में भी खलबली मच गई है। पत्र मिलते ही उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त ने तुरंत हरकत में आते हुए प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों और कॉलेजों को पत्र जारी कर दिया है।

दतिया उपचुनाव अवधेश नायक की बढ़ी राजनीतिक अहमियत

टिकट नहीं मिलने से नाराज नेता को मनाने में जुटी कांग्रेस, भाजपा भी साधने की कोशिश में

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अवधेश नायक अचानक चुनावी राजनीति के केंद्र में आ गए हैं। कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही दल उन्हें अपने पक्ष में बनाए रखने अथवा साधने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। कांग्रेस टिकट नहीं मिलने से नाराज नायक को मनाने में जुटी है, जबकि भाजपा उनके पुराने वैचारिक और संगठनात्मक संबंधों को आधार बनाकर उन्हें अपने पाले में लाने की संभावनाएं तलाश रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नायक का रुख उपचुनाव के समीकरणों पर निर्णायक असर डाल सकता है।

कांग्रेस ने इस बार भी अवधेश नायक को उम्मीदवार नहीं बनाया और घनश्याम सिंह को प्रत्याशी घोषित कर दिया। इसके बाद नायक समर्थकों में खुलकर नाराजगी सामने आई। हालात को संभालने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी स्वयं उनके निवास पहुंचे और उनके साथ भोजन कर संगठन की एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी सार्वजनिक मंच से स्वीकार किया कि वर्ष 2023 में अवधेश नायक को टिकट नहीं मिलने में उनकी भी

भूमिका रही थी। उन्होंने मंच से ही नायक से माफी मांगते हुए पुराने मतभेद दूर करने की कोशिश की।

भाजपा भी साधने में जुटी

इधर भाजपा ने भी इस राजनीतिक अवसर को भुनाने की कवायद तेज कर दी है। भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी अवधेश नायक के घर पहुंचे और उनसे मुलाकात की। मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद नायक के भाजपा में शामिल होने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया। सूत्रों के अनुसार भाजपा संगठन स्तर पर भी इस पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है और वरिष्ठ नेताओं के बीच रणनीतिक चर्चा हुई है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अवधेश नायक का राजनीतिक सफर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और भाजपा से शुरू हुआ था। बाद में उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा। यही वजह है कि दोनों दल उन्हें अपने लिए महत्वपूर्ण मान रहे हैं। वहीं जारी एक वीडियो संदेश में अवधेश नायक ने भाजपा में शामिल होने की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि फिलहाल भारतीय जनता पार्टी में जाने का उनका कोई विचार नहीं है और इस संबंध में चल रही खबरें पूरी तरह भ्रामक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह उनके बड़े भाई जैसे हैं और पार्टी के खिलाफ जाने का कोई सवाल नहीं है। नायक ने समर्थकों से भी अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की।

भाजपा ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

उधर भाजपा ने दतिया उपचुनाव को प्रतिष्ठा का चुनाव मानते हुए संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने दतिया में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि दतिया उपचुनाव केवल एक विधानसभा सीट का चुनाव नहीं, बल्कि संगठन की प्रतिष्ठा का चुनाव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर बूथ पर पूरी ताकत और समर्पण के साथ जुटने का आह्वान करते हुए भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को ऐतिहासिक जीत दिलाने का लक्ष्य दिया। अजय जामवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रत्येक बूथ को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए योजनाबद्ध तरीके से काम करें और हर बूथ पर अधिक से अधिक मतों की बढ़त सुनिश्चित करें।

नायक की भूमिका पर टिकी राजनीतिक नजर

दतिया उपचुनाव में अब सबसे बड़ी नजर अवधेश नायक के अगले राजनीतिक कदम पर है। हालांकि उन्होंने भाजपा में जाने की अटकलों को खारिज कर दिया है, लेकिन टिकट नहीं मिलने से उपजा असंतोष पूरी तरह समाप्त हुआ है या नहीं, इस पर राजनीतिक दलों की नजर बनी हुई है। माना जा रहा है कि नायक यदि पूरी सक्रियता से कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करते हैं तो चुनावी मुकाबले की दिशा बदल सकती है, जबकि उनकी निष्क्रियता या अलग रणनीति दोनों दलों के लिए नए समीकरण पैदा कर सकती है।

नेहरू ने पुरातन भारत को आधुनिक बनाया: केप्टन प्रवीण डाबर

इंसानियत धर्म का मूल आधार,कांग्रेस इंसानियत की पक्षधर-दिग्विजयसिंह

भोपाल । मध्य प्रदेश विचार विभाग द्वारा आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में विचार विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष केप्टन प्रवीण डाबर ने भाजपा के अफवाह तंत्र पर तीखे प्रहार किये। आयोजन कांग्रेस मुख्यालय भोपाल में संपन्न हुआ। इस बैठक में डाबर ने कहा कि प्रभु राम करोड़ों भारतीयों की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्य के प्रतीक हैं। हाल ही में चढ़ावा चोरी की घटना से पूरा देश स्तब्ध है। जिसमें आरएसएस/बीजेपी/ बीजेपी के लोगों की संलिप्तता सरेआम देखी गई है। राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए जा रहे करोड़ों रुपये के चंदे के प्रबंधन को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं। मोदी सरकार एवं योगी सरकार इस पूरे प्रकरण में मिलीभगत की दोषी हैं।

डबल इंजन की सरकारें आज तक ऐसी कोई स्वतंत्र, पारदर्शी एवं उत्तरदायी टीम की नियुक्ति नहीं कर पाई हैं, जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं द्वारा दान में दिए जा रहे करोड़ों रुपये के चंदे का सुरक्षित, निष्पक्ष एवं जवाबदेह प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

संघ और भाजपा मंदिरों को धार्मिक लोगों को निकालकर संघ प्रचारकों को सौपना चाहते है- दिग्विजयसिंह

पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि धर्म का मूल आधार इंसानियत है। हमारे शास्त्र मानवता के पक्षधर हैं।कांग्रेस इंसानियत और नागरिकता में विश्वास करती है देश का हर नागरिक कांग्रेस के लिये बराबर है।वह भेदभाव नहीं मानती।कांग्रेस ऐसी धार्मिक पार्टी है जो सभी धर्मो का आदर करती है। दिग्विजय ने कहा कि भाजपा मंदिरो में संतो साधुओं को दरकिनार कर उसमें प्रचारकों को घुसपैठ करा रही है। सिंह ने कहा कि आज मूल निवासियों को आदिवासी को वनवासी बनाने का काम हो रहा है उन्होंने मंदिरों में शंकराचार्यो की भूमिका सुनिश्चित करने की मांग की।

श्री डाबर ने कहा कि मंदिर के लिए नए सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया ही विभाजन कारी है जो कहती है केवल राम भक्त हो सकता है, तो फिर वह शिवभक्त क्यों नहीं हो सकता या देवी भक्त क्यों नहीं हो सकता? आखिर भगवान को अलग-अलग खाँचों में बाँटने का प्रयास क्यों किया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने देश की संप्रभुता की कीमत पर हो सकने वाले समझौतों से सतर्क रहने की अपील की गुप्ता ने कहा सरकार को बताना चाहिए कि संघ के नेता पाकिस्तान के साथ किस हैसियत से कथित गुपचुप बैठकें कर रहे हैं। कार्यक्रम में सैकड़ों बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

2027 एकदिवसीय विश्व कप में तीन बार होगा भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

मुम्बई । भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मुकाबलों का इंतजार हमेशा से ही क्रिकेट प्रशंसकों को रहता है। इसका कारण ये है कि इस मुकाबले में बेहद रोमांच रहता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण इनके बीच से द्विपक्षीय सीरीज बंद हैं, ऐसे में प्रशंसकों को इन दोनो की टक्कर केवल आईसीसी टूर्नामिंटों में देखने को मिलती है। ऐसे में प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उन्हें तीन बार भारत-पाक मुकाबले देखने को मिल सकते हैं। इसका कारण है कि आईसीसी ने अपनी बैठक में टूर्नामेंट के प्रारुप में जो बदलाव किये हैं उससे इन दोनो टीमों के बीच अधिक से अधिक मुकाबलो की राह बन गयी है।

आईसीसी ने साल 2027 विश्वकप के लिए टीमों की संख्या बढ़ाकर 14 करने का फैसला लिया है। आईसीसी ने नए और कमजोर एसोसिएट देशों के लिए ऐसी बाधाएं लगा दी हैं कि मुख्य दौर तक पहुंचते-पहुंचते केवल बड़ी टीमों का ही दबदबा रहेगा। नियमों के अनुसार, रैंकिंग में सबसे नीचे की तीन टीमों के बीच एक त्रिकोणीय सीरीज खेली जाएगी जिसमें से केवल एक ही आगे बढ़ पाएगी। इसका सीधा मतलब यह है कि व्यावहारिक रूप से टूर्नामेंट में खेलने वाली टीमों की संख्या 14 से घटकर केवल 12 ही रह जाएगी। इसके अलाव इन 12 टीमों के बीच पहले राउंड के मुकाबले होने के बाद, केवल 7 टीमें ही अगले दौर में पहुंचेंगी, जिसे 'सुपर सेवन' का नाम दिया गया है। यानी दो कड़े क्वालिफिकेशन राउंड्स पार करने के बाद केवल 7 मुख्य टीमों को ही आपस में खेलने का असली मौका मिलेगा। एक रिपोर्टों के अनुसार, इस कठिन प्रारुप को रखने कका कारण भारत और पाकिस्तान के बीच ज्यादा से ज्यादा मुकाबले कराना है, क्योंकि यह मुकाबला आईसीसी के लिए भारी कमाई और ब्रॉडकास्टर्स के लिए लाभ का सबसे बड़ा जरिया होता है।

नये प्रारुप के तहत ही भारत और पाकिस्तान को एक ही छह-टीमों वाले ग्रुप में रखा जाएगा, जहां उनके बीच टूर्नामेंट का पहला मुकाबला होगा। दोनों टीमों के मजबूत प्रदर्शन को देखते हुए उनका सुपर सेवन में पहुंचना तकरीब तय है। यह राउंड पूरी तरह से राउंड-रॉबिन फॉर्मेट पर आधारित होगा, जिसका अर्थ है कि इस स्तर पर मौजूद सभी सात टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी। इस नियम के चलते सुपर सेवन राउंड में भारत और पाकिस्तान एक बार फिर, यानी दूसरी बार आमने-सामने होंगे। इसके बाद शुरू होगा नॉकआउट का असली रोमांच। सुपर सेवन की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जहां पहले स्थान की टीम चौथे से और दूसरे स्थान की टीम तीसरे नंबर की टीम से खेलेगी। इस समीकरण के हिसाब से दोनों टीमें सेमीफाइनल या फिर सीधे फाइनल में तीसरी बार एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतर सकती हैं।

आईसीसी ने एकदिवसीय और टी20 विश्वकप के नये प्रारुप को मंजूर किया

एडिनबर्ग। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने खेल का रोमांच बढ़ाने के लिए एकदिवसीय और टी20 विश्वकप के नये प्रारुप को मंजूरी दे दी है। इससे इन टूर्नामेंटों में भाग लेने वाली टीमों को लाभ होगा बल्कि खेल का रोमांच भी बढ़ेगा। आईसी ने कहा कि इस बदलाव से विश्वकप और टी20 विश्कवप का महत्व और भी बढ़ जाएगा। आईसीसी के अनुसार बोर्ड ने मुख्य कार्यकारी कमेटी के सुधार प्रस्तावों को मान लिया है। साथ ही कहा कि प्रारुप में हुए बदलावों से खेल में रोमांच बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धी ढांचा बेहतर होगा और खिलाड़ियों व प्रशंसकों दोनों को ही लाभ होगा। बोर्ड ने आईसीस पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2028 के लिए क्वालीफाइंग प्रारुप को भी मंजूरी दे दी है। इससे एसोसिएट सदस्य देशों के लिए विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का रास्ता खुलेगा।

विश्वकप में अब 14 योग्य टीमें हिस्सा लेंगी, जो एक बदले हुए प्रारुप में फाइनल तक पहुँचने के लिए तीन चरणों वाली प्रतिस्पर्धा से गुजरेंगी। इस नए ढांचे को इवेंट के हर चरण में प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया है, जिससे पहले मैच से लेकर फाइनल तक हर मुकाबला महत्वपूर्ण और रोमांचक बना रहेगा। इससे पहले और दूसरे राउंड के मैचों का महत्व और बढ़ जाएगा, जिसके बाद एक बेहद प्रतिस्पर्धी सुपर 7 चरण होगा। इस चरण में 7 क्वालिफाइंग टीमें सेमी-फाइनल में जगह बनाने के लिए राउंड-रॉबिन चरण से गुजरेंगी। ज्यादा महत्व और बेहतर प्रतिस्पर्धी तीव्रता से प्रशंसकों को रामांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इससे उभरती हुई टीमों को भी क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर मुकाबला करने का अवसर मिलेगा।

इसके साथ ही टी20 विश्वकप में भी बदलाव आयेंगे। उभरती हुई टीमों के शानदार प्रदर्शन से उत्साहित होकर आईसीसी ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में खेलने वाली टीमों की संख्या 8 से बढ़ाकर 10 करना तय किया है। इससे सुपर 10 चरण में क्रिकेट के उभरते देशों की भागीदारी बढ़ेगी और मुकाबले का स्तर भी ऊंचा होगा। इसके अतिरिक्त, ढ्ढक्क की तरह ही एलिमिनेटर मैच को शामिल किया गया है, जिसमें सुपर 10 चरण के ग्रुप में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होंगी।

विराट शामिल पर रोहित को नहीं मिली जगह

उथप्पा की सर्वकालिक पसंदीदा एकदिवसीय टीम में सचिन और गांगुली शामिल

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने हाल ही में अपनी सर्वकालिक पसंदीदा एकदिवसीय टीम चयनित की है। इसमें सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को शामिल नहीं किये जाने से सभी हैरान हैं।

उथप्पा ने अपनी सर्वकालिक पसंदीदा टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली को शामिल किया है। एकदिवीसय वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक 18,426 रन बनाने वाले सचिन और हाल ही में आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली के 11,221 रन हैं और ये जोड़ी आंकड़ों के हिसाब से बेहद मजबूत और सफल रही है। वहीं नंबर तीन पर विराट कोहली को शामिल किया गया है। विराट एकदिवसीय में सबसे ज्यादा 54 शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं और आधुनिक क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। मध्यक्रम को मजबूती देने के लिए उथप्पा ने ऑलराउंडर युवराज सिंह और पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को भी शामिल किया। वहीं छठे नंबर पर बल्लेबाजी में गहराई के लिए, उन्होंने सुरेश रैना को शामिल किया है। ऑलराउंडर विभाग में,

उथप्पा ने 1983 विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव को तेज रखा है क्योंकि कपिल में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से मैच पलटने की क्षमता है। स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर रवींद्र जडेजा ने रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़कर टीम में अपनी जगह बनाई, जो अपनी सटीक गेंदबाजी, जबरदस्त फील्डिंग और निचले क्रम की बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। विशेषज्ञ स्पिनर के रूप में, उन्होंने महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले को रखा है जो अपनी निरंतरता और मैच जिताने वाली क्षमताओं के लिए प्रसिद्ध थे। वहीं तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान जहीर खान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दी गयी है। उथप्पा की सर्वकालिक पसंदीदा टीम इस प्रकार है- सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, विराट कोहली, युवराज सिंह, महेन्द्र सिंह धोनी (कप्तान/विकेटकीपर), सुरेश रैना, कपिल देव, रवींद्र जडेजा, अनिल कुंबले, जहीर खान, जसप्रीत बुमराह।

एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए एक और तेज गेंदबाज शामिल करे इंग्लैंड -ब्रॉड

बर्मिंघम । इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि अगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए टीम में एक और तेज गेंदबाज को टीम में शामिल किया जाये। ब्रॉड के अनुसार इसका लाभ ये होगा कि एक तेज गेंदबाज बैकअप के तौर पर टीम के पास तैयार रहेगा। ब्रॉड के अनुसार भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय में मिली हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। उन्होंने आगाह किया है कि यदि इन कमियों को अभी ठीक नहीं किया गया तो विश्वकप में टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ब्रॉड का मानना है कि मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण के पास अभी दबाव बनाकर लगातर विकेट लेने के लिए पर्याप्त गेंदबाज नहीं हैं। जब भी अच्छी बल्लेबाजी वाली टीम सामने आती है। गेंदबाजी दबाव में आ जाती है। ब्रॉड के अनुसार भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले में मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर नजर आयी। उनके पास भारतीय बल्लेबाजों को रोकने या विकेट लेने के लिए असरदार गेंदबाज नहीं थे। इससे सफेद गेंद क्रिकेट में टीम की कमजोर सामने आ गयी। ब्रॉड के अनुसार एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करने से टीम को न केवल अधिक विकल्प मिलेंगे बल्कि अलग-अलग हालातों और पिचों पर बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता भी बढ़ेगी। यह गेंदबाजों के वर्कलोड को भी साझा करेगा और उन्हें पूरे टूर्नामेंट में ताजा रखने में मदद करेगा। उनका मानना है कि अब से विश्व कप तक का समय नई रणनीतियों को आजमाने और युवा तेज गेंदबाजों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने के लिए महत्वपूर्ण है, ताकि वे बड़े मंच के लिए तैयार हो सकें। उनके अनुसार इंग्लैंड का एकदिवसीय रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसकना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कुछ गंभीर सुधारों की आवश्यकता है। उनका यह भी मानना है कि इंग्लैंड को सीम-बॉलिंग विकल्पों की कमी को तुरंत दूर करना चाहिए क्योंकि अगला एकदिवसीय विश्व वर्ल्ड कप दक्षिण अफ्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। साथ ही कहा कि वहां तेज़ और लंबे कद के गेंदबाज ही असरदार साबित होंगे।

इंग्लैंड की हार से निराशा में डूबे कप्तान हैरी केन

जीत की दहलीज पर आकर भी उसे हासिल नहीं कर पाये

अटलांटा । इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने अर्जेंटीना के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में मिली 1-2 की हार पर निराशा जताते हुए कहा कि हम जीत की दहलीज पर पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर सके। इससे टीम का खिताबी जीत का सपना भी टूट गया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम जीत के बेहद करीब पहुंच चुकी थी पर निर्णायक क्षणों में वह लय बरकरार नहीं रख पायी जिसके कारण उसे बाहर होना पड़ा है।

इस हार के साथ ही इंग्लैंड की टीम को साल 1966 के बाद से सेमीफाइनल में तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले साल 1990 और 2018 में भी टीम सेमीफाइनल में ही बाहर हो गयी थी। इस बार इंग्लैंड ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही एंथनी गॉर्डन के शानदार गोल से 1-0 की बढ़त हासिल कर ली थी पर कप्तानी लियोनल मेसी के जादुई खेल से अर्जेंटीना ने मैच के अंतिम क्षणों में जबरदस्त वापसी करते हुए केवल सात मिनट में ही दो गोल दागकर मुकाबला जीत लिया। मेसी की सहायता से एंजो फर्नांडीज और लाउतारो मार्टिनेज ने गोल दागकर अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलायी। मार्टिनेज का विजयी गोल इंजरी टाइम में आया,

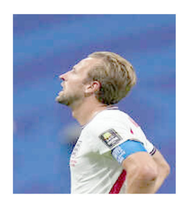

जिसने मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह मिली, वहीं इंग्लैंड के प्रशंसक निराशा में डूब गये।

वहीं मैच के बाद केन ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत दुखी हूं। साथी खिलाड़ियों के लिए दुखी हूं, सभी के लिए दुखी हूं। उन्होंने आगे कहा, इस टूर्नामेंट में हमारे कई अच्छे पल रहे। हमने कई अच्छे मैच खेले और एक और सेमीफाइनल तक पहुंचे। हम हमेशा कहते हैं कि हम जीत के दरवाजे पर हैं, हम बहुत करीब हैं। हमें बस टूर्नामेंट के आखिरी चरण में उस गायब कड़ी को खोजने की जरूरत है। केन ने यह भी बताया कि ऐसे टूर्नामेंट कितने थका देने वाले होते हैं, जिनमें बहुत मेहनत, दबाव और मानसिक मजबूती की जरूरत होती है। अपनी टीम के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए, केन ने स्वीकार किया कि 1-0 की बढ़त लेने के बाद उनकी टीम की रणनीति में खामी थी। उन्होंने कहा, जब हम 1-0 से आगे हुए तो ऐसा लगा जैसे हम बस बढ़त बनाए रखने की कोशिश कर रहे थे, जो इस स्तर पर काफी नहीं है।

स्टोक्स अब कलब क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे

लंदन। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है कि वह क्लब क्रिकेट खेलते रहेंगे। ऐसे में अब स्टोक्स का अपने बचपन के क्लब डरहम के लिए खेलना तय है। स्टोक्स के अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद वह आराम का अनुभव कर रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि व सफेद-गेंद प्रारूप में फ्रैंचाइजी की ओर से खेलने पर भी विचार करेंगे। उन्होंने डरहम के हेड कोच रयान कैंपबेल को एक संदेश भी भेजा जिससे साफ है कि वह अभी भी खेल को लेकर उत्साहित हैं। स्टोक्स ने कहा, इस सप्ताह कुछ पल ऐसे भी आए जो सच में बहुत कठिन थे और इन सब चीजों ने यह साफ कर दिया कि मैंने सही फैसला लिया है।

वहीं डरहम के हेड कोच कैंपबेल को पूरी उम्मीद है कि स्टोक्स इस गर्मी में वन-डे कप में खेलते दिखेंगे। यह टूर्नामेंट 21 जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसमें डरहम का मुकाबला पहले राउंड में डर्बीशायर से होगा। स्टोक्स का द हंड्रेड टूर्नामेंट में खेलने के लिए कोई अनुबंध नहीं है, क्योंकि उन्होंने इस सत्र की नीलामी में शामिल नहीं होने का फैसला किया था। द हंड्रेड टूर्नामेंट भी उसी दिन शुरू हो रहा है, इसलिए जो खिलाड़ी उस टूर्नामेंट के लिए चुने गए हैं, वे अपनी काउंटी टीमों के लिए वन-डे कप में नहीं खेल पाएंगे, जब तक कि उनकी फ्रेंचाइजी उन्हें खेलने की अनुमति न दे दे। स्टोक्स के इस फैसले से इंग्लैंड क्रिकेट में एक युग का अंत हो गया है, लेकिन उनके प्रशंसकों को क्लब स्तर पर अब उन्हें खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा।

मेसी ने बनाया महारिकार्ड

अटलांटा। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने अपने जादुई प्रदर्शन से टीम को फीफा विश्वकप फाइनल में पहुंचाने के दौरान ही एक नया विश्व रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इंग्लैंड के खिलाफ हुए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में मेसी ने दो गोल करने में असिस्ट (सहायता) की इससे उनकी टीम को 2-1 से जीत मिली। इसके साथ ही मेसी के नाम अब विश्वकप में कुल 12 असिस्ट दर्ज हो गए हैं। इन 12 में से 10 असिस्ट उन्होंने टूर्नामेंट के बेहद दबाव भरे नॉकआउट मुकाबलों में किए हैं, जो उनकी असाधारण खेल समझ और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाते हैं। आंकड़ों के अनुसार मेसी इस अभूतपूर्व मुकाम तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। गौरतलब है कि विश्व कप के पूरे इतिहास में किसी अन्य खिलाड़ी ने 8 से अधिक असिस्ट नहीं किए हैं, जो मेसी की उपलब्धि को और भी खास बना देता है।

मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने गोल के कई प्रयास किए लेकिन कोई भी टीम सफलता हासिल नहीं कर पाई। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में इंग्लैंड ने 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन के गोल से1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद अर्जेंटीना की ओर से लगातार प्रयास जारी रहे, और मुकाबले के आखिरी 7 मिनटों में टीम ने एक जबरदस्त वापसी करते हुए मैच का रुख ही पलट दिया। मैच के 85वें मिनट में मेसी के एक बेहतरीन पास पर एंजो फर्नांडेज ने एक गोल दाग दिया। जिससे स्कोर 1-1 से बराबरी पर आ गया। इसके बाद मेसी ने फिर असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक शानदार पास दिया, जिसे लाउतारो मार्टिनेज ने हेडर की मदद से गोल में बदलने में कोई गलती नहीं करते हुए अर्जेंटीना को मैच में 2-1 से आगे कर दिया।

अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई

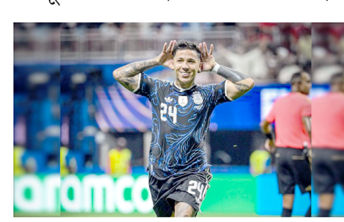

अटलांटा। अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। कप्तान लियोनेल मेसी का जादू आज फिर चला जिससे रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना की टीम ने बाजी मार ली। अब अर्जेंटीना की टीम लगातार दूसरे बार विश्वकप जीतने के लिए स्पेन का मुकाबला करेगी। इसमें उसका खिताबी मुकाबला 19 जुलाई को न्यूजर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में स्पेन से होगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में स्पेन ने फ्रांस को 2-0 से हराया था। अब शनिवार को तीसरे स्थान के लिए फ्रांस का मुकाबला इंग्लैंड से होगा। अटलांटा स्टेडियम में अर्जेंटीना ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए इंग्लैंड पर दबाव बनाने का प्रयास किया। गेंद पर नियंत्रण और गोल करने के अवसरों को लेकर दोनों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रही। वहीं इंग्लैंड ने भी अर्जेंटीना पर कई हमले किये। दोनों टीमों की रक्षापंक्ति ने पहले हाफ में जबरदस्त खेल दिखाया जिससे एक भी गोल नहीं हो पाया। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत से ही इंग्लैंड ने हमले शुरु कर दिए। मैच के 55वें मिनट में मोर्गन रोजर्स के शानदार पास पर एंथनी गॉर्डन ने सीधे गेंद गेंद गोल पोस्ट में डाल दी। इससे इंग्लैंड को मुकाबले में 1-0 की बढ़त मिल गयी। इस गोल के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ गया और उन्होंने लगातार अर्जेंटीना पर दबाव बनाए रखा। जिससे ऐसा लगने लगा था कि अर्जेंटीना के लिए वापसी करना कठिन होगा।

वहीं एक गोल से पिछड़ने के बाद गत चैम्पियन अर्जेंटीना ने कप्तान मेसी की सहायता से एक गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। मैच के 85वें मिनट में मेसी के एक बेहतरीन पासपर एंजो फर्नांडेज ने गेंद गोल में डालने में कोई गलती नहीं की और स्कोर को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद इंजरी टाइम में अर्जेंटीना ने तेजी से हमले शुरु कर दिये मेसी ने एक बार फिर अपनी महानता दिखाते हुए एक बेहतरीन पास दिया। जिसे गोल में बदलकर लाउतारो मार्टिनेज ने अर्जेंटीना को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिला दी। अंतिम 7 मिनटों में किए गए इन दो गोलों से अर्जेंटीना ने जीत हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया अब उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा।

द्रविड को कोच बना सकती है सीएसएके

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम नये सत्र के लिए एक अच्छे कोच की तलाश में लगी हुई हुई है। इसका कारण है कि एक दशक से भी अधिक समय तक उसके कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग ने अपना पद छोड़ दिया है। सीएसके की टीम के लिए पिछले कुछ सत्र अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनपर पद छोड़ने का दबाव बना हुआ था। नहीं नये कोच की दौड़ में भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ का नाम सबसे आगे है। कई दिग्गजों का मानना है कि द्रविड के अनुभव, आधुनिक सोच और युवा खिलाड़ियों को निखारने की क्षमता के कारण उन्हें कोच बनाया जा सकता है।

द्रविड़ का सबसे बड़ा मजबूत पक्ष उनका व्यापक कोचिंग अनुभव है। खिलाड़ी, कप्तान और कोच के रूप में उन्होंने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काम किया है। भारतीय टीम के मुख्य कोच रहते हुए उन्होंने टीम को कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स में फाइनल तक पहुंचाया। वहीं टीम ने टी20 विश्वकप जीता। इससे पहले भारत ए और अंडर-19 टीमों के साथ उनका कार्यकाल भी बेहद सफल रहा, जहां उन्होंने यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल जैसे कई युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया। यही अनुभव चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है, जो अपने अगले दौर में युवा प्रतिभाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही है। दूसरा बड़ा कारण् द्रविड़ की आधुनिक क्रिकेट सोच और आंकड़ों पर आधारित रणनीति मानी जा रही है। पिछले कुछ साल में टी-20 क्रिकेट तेजी से बदला है और अब डेटा विश्लेषण, मैच-अप, आक्रामक बल्लेबाजी तथा लचीली रणनीतियां सफलता की कुंजी बन चुकी हैं। भारतीय टीम के साथ अपने कार्यकाल में विड़ ने इन पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया और परिस्थितियों के अनुसार नई योजनाएं अपनाईं। माना जा रहा है कि यदि उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स की जिम्मेदारी मिलती है तो टीम की रणनीति में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे टीम वर्तमान क्रिकेट की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकेगी।

तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण पहलू युवा खिलाड़ियों के साथ उनका शानदार काम है। चेन्नई सुपर किंग्स ने हाल के वर्षों में अपनी टीम में युवा प्रतिभाओं को अधिक अवसर देना शुरू किया है। ऐसे समय में द्रविड़ का अनुभव टीम के लिए बड़ा लाभ साबित हो सकता है। हालांकि, अभी तक फ्रेंचाइजी की ओर से नए मुख्य कोच को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है पर क्रिकेट जगत में द्रविड़ को इस पद के लिए सबसे मजबूत दावेदारों में से एक माना जा रहा है।

बेल्जियम के अनुभवी मिडफील्डर टिलेमैन्स मैनचेस्टर यूनाइटेड से खेलते नजर आयेंगे

लंदन । बेल्जियम के अनुभवी मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स अब इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल के एक प्रमुख क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर खेलते हुए दिखेंगे। मैनचेस्टर ने मिडफील्डर यूरी के साथ जून 2031 तक के लिए करार किया है। यह ट्रांसफर सभी जरूरी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आधिकारिक रूप से लागू किया जाएगा। वह 2026/27 सीजन से पहले माइकल कैरिक की टीम से जुड़ेंगे और नंबर 18 की जर्सी पहनेंगे। ये जर्सी क्लब के महान मिडफील्डर पॉल स्कोल्स ने 1996/97 सीजन से लेकर 2010/11 तक पहनी थी।

टिलेमैन्स ने बेल्जियम की ओर से 90 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और हाल ही में फीफा विश्व कप में बेल्जियम के क्वार्टर फाइनल तक के सफर में इनकी अहम भूमिका रही है। वहीं स्कोल्स जैसे दिग्गज की नंबर 18 की जर्सी पहनना उनके लिए सम्मान की बात होगी।

क्लब से जुड़ने के बाद इस मिडफील्डन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मैनचेस्टर यूनाइटेड जैसी बड़ी टीम का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व अैर सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, शब्दों में अपनी खुशी नहीं बतायी जा सकती है। इतने बड़े और ऐतिहासिक क्लब के लिए खेलना मेरे बचपन के सपनों में शामिल था।

संसदीय दल की बैठक में कांग्रेस ने मानसून सत्र में सरकार को घेरने बनाया फुल-प्रूफ प्लान

नीट, चंदे की चोरी, ई20 जैसे मुद्दों से गरमाएगी संसद

नई दिल्ली । सोनिया गांधी के आवास पर गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें मल्लिकार्जुन खडगे, शशि थरूर और जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अपनी बैठक में कई प्रस्तावित विधेयकों पर चर्चा की और तय किया कि विपक्षी दलों के साथ मिलकर इनके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने आगे कहा कि कई मुद्दे ऐसे हैं, जिन्हें हम विशेष रूप से उठाएंगे। जैसे चंदे की चोरी और विश्वासघात। प्रभु श्रीराम मंदिर के संबंध में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। हम अयोध्या में भाजपा और ऋस्स् के रचे गए घोटाले का मुद्दा जरूर उठाएंगे। नीट और ई20 घोटाला जैसे कई मुद्दे भी हैं, जिसमें कई वरिष्ठ भाजपा नेता और उनके बेटे शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमें पता चला है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री परिसीमन विधेयक को वापस लाने की तैयारी कर रहे हैं। सरकार 17 अप्रैल को दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रही और इस विधेयक पर उसे बड़ा झटका लगा था। अब वह विधेयक को फिर से पेश करना चाहती है। कांग्रेस इस विधेयक का पहले भी विरोध करती रही है और आगे भी करती रहेगी। साथ ही विपक्षी दलों की एकजुटता बनाए रखने की पूरी कोशिश करेगी। जयराम रमेश ने कहा कि न्यायाधीशों को हटाने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर भी बैठक में चर्चा हुई। इस विधेयक की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई गई है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका बहिष्कार किया है। कांग्रेस इस विधेयक का भी मजबूती से विरोध करेगी।

महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान लागू करें, तो पूरा समर्थन देंगे

जयराम रमेश ने कहा कि हमने 16 और 17 अप्रैल को वर्तमान लोकसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों के आरक्षण के संबंध में अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में महिलाओं के लिए इस एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान शामिल है। यदि आप 543 सदस्यीय लोकसभा का एक तिहाई मान लें, तो यह 181 आता है। इसलिए, महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान लागू करें, और हम अपना पूरा समर्थन देंगे। हालांकि, परिसीमन विधेयक जिसे महिला आरक्षण अधिनियम के रूप में पेश किया गया था, वास्तव में महिला आरक्षण की आड़ में लाया गया एक खतरनाक परिसीमन विधेयक था।

कांग्रेस एफसीआरए का भी विरोध करेगी

यदि सरकार विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक मानसून सत्र में लाती है तो कांग्रेस इसका पूरी तरह विरोध करेगी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक दोबारा लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी इस विधेयक का विरोध किया था, जिसके बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा था। अगर इसे फिर पेश किया गया तो पार्टी दोबारा इसका विरोध करेगी।

विदेश नीति की चुनौतियों से संबंधित मुद्दा भी उठाएंगे

जयराम रमेश ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 में प्रस्तावित संशोधनों का भी कांग्रेस विरोध करती है। यही कानून प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का आधार है। यदि इसमें बदलाव का विधेयक संसद में लाया गया तो कांग्रेस इसका भी कड़ा विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार के मौजूदा विधायी एजेंडे में ऐसा कोई विधेयक नहीं दिख रहा है, जिसका कांग्रेस समर्थन कर सके। पार्टी संसद के भीतर और बाहर इन मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करेगी। हम विशेष रूप से विदेश नीति और उत्पन्न हुई नई चुनौतियों से संबंधित मुद्दा भी उठाएंगे। इनमें चीन और अमेरिका के साथ हमारे संबंध, साथ ही पिछले एक-दो महीनों में पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति शामिल है।

कांग्रेस परिसीमन विधेयक का करेगी पुरजोर विरोध-जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने घोषणा की कि अगर संसद के आगामी मॉनसून सत्र में प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को फिर से पेश किया जाता है, तब पार्टी इसका विरोध करेगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह एक इसतरह के विधेयक के लिए समर्थन जुटाने का प्रयास कर रही है, जिसे अप्रैल में लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया था, जो केंद्र सरकार की एक बड़ी हार थी।

कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक के बाद रमेश ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का रुख हमेशा से ही विधेयक के विरोध में रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने सरकार पर विपक्षी दलों में फूट डालकर कानून पारित करने के लिए संख्या जुटाने का आरोप लगाया। रमेश ने संविधान का अपमान बातकर कहा कि विपक्षी दलों को तोड़कर दो-तिहाई बहुमत हासिल करना एक दागदार बहुमत होगा। हालांकि, उन्होंने विश्वास जताया कि लोकसभा में सरकार के लिए दो-तिहाई बहुमत हासिल करना संभव नहीं होगा। रमेश ने बताया कि कांग्रेस सभी विपक्षी दलों के बीच एकता बनाए रखने की हर संभव कोशिश करेगी। राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उन सभी दलों के संपर्क में हैं, जिन्होंने 16 और 17 अप्रैल को परिसीमन बिल का पुरजोर विरोध किया था। महिला आरक्षण कानून का जिक्र कर रमेश ने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के लिए आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया से जोड़ने का कड़ा विरोध करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान (लोकसभा की 543 सीटों में से 181 सीटें) शामिल है, जिसका कांग्रेस पूरा समर्थन करती है। लेकिन, रमेश ने आरोप लगाया कि जो परिसीमन बिल पेश किया गया था, वह असल में महिला आरक्षण की आड़ में लाया गया एक खतरनाक परिसीमन बिल था।

हैदराबाद स्कूल विवाद : हिंदु छात्र को इस्लामिक होमवर्क पर शिक्षक बर्खास्त

हैदराबाद (ईएमएस)। हैदराबाद के निजी स्कूल में एक शिक्षक को नौकरी से निकाल दिया गया है। यह कार्रवाई कथित तौर पर छह साल के एक हिंदू छात्र को इस्लामिक धार्मिक रीति-रिवाजों से जुड़ी सामग्री होमवर्क में पढ़ने के लिए देने के बाद हुए भारी विवाद के चलते हुई है। पुलिस ने छात्र के रिश्तेदार की शिकायत पर आरोपों की जांच शुरू कर कहा है कि जांच के नतीजों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विवाद तब शुरू हुआ जब बच्चे के परिवार ने उसकी होमवर्क डायरी में लिखे निर्देशों पर कड़ी आपत्ति जाहिर की। छात्र की आंटी ने बताया कि असाइनमेंट में इस्लाम की एक मुख्य मान्यता से जुड़ी जानकारी पढ़ने के लिए कहा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने मामले को लेकर स्कूल अधिकारियों से बात की, तब प्रिंसिपल ने कहा कि यह एक धार्मिक विषय है जिसका पालन करना सभी छात्रों के लिए ज़रूरी है। हालांकि, बाद में संबंधित शिक्षिका ने यह कहकर अपना बचाव किया कि ये निर्देश गलती से लिख दिए थे। बच्चे की आंटी ने शिक्षा विभाग से कार्रवाई करने की मांग की।

इस घटना पर देशभर में आक्रोश फैल गया और कई हलकों से इसकी कड़ी निंदा की गई। विवाद के बाद स्कूल प्रबंधन ने गुरुवार को पुष्टि की कि संबंधित शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से नौकरी से बर्खास्त किया गया है। हालांकि, प्रबंधन ने इस फैसले के बारे में और जानकारी साझा नहीं की। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) जैसे प्रमुख संगठनों ने भी मामले पर कड़ी आपत्ति जताकर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

आशीष दुबे / 16 जुलाई 2026

डोभाल का वैश्विक आह्वान : टकराव नहीं, सहयोग से ही सुरक्षित होगी दुनिया

नई दिल्ली। जहां दुनिया एक बड़े हिस्से में युद्ध, तनाव और भू-राजनीतिक टकरावों से दो चार हो रही है, वहीं भारत ने स्थायी नेतृत्व का नया मॉडल पेश किया है। नई दिल्ली में बिम्सटेक देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पांचवीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने पूरी दुनिया को महत्वपूर्ण रणनीतिक संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद, साइबर हमलों और समुद्री चुनौतियों जैसे साझा खतरों का समाधान टकराव नहीं, बल्कि विश्वास, साझेदारी और समन्वित कार्रवाई में है। एनएसए डोभाल के संदेश ने न केवल भारत की क्षेत्रीय कूटनीति को नई धार दी, बल्कि यह भी संकेत दिया कि हिंद-प्रशांत में भारत अब सुरक्षा एजेंडा तय करने वाला निर्णायक नेतृत्व है।

महत्वपूर्ण बैठक में भारत सहित बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तथा प्रतिनिधिमंडलों ने हिस्सा लिया। डोभाल ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में क्षेत्रीय सहयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि जरुरी है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज सशस्त्र संघर्षों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, बहु-क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोधों के कारण पैदा हुए आर्थिक दबावों का सामना कर रही है, इसके बाद बिम्सटेक देशों को साझा हितों की रक्षा के लिए सामूहिक और निर्णायक कदम उठाना होगा।

बैठक की सबसे बड़ी उपलब्धि समुद्री मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) के लिए दिशानिर्देशों को अपनाना रही। इन दिशानिर्देशों से प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में सदस्य देश पहले से कहीं अधिक तेज, समन्वित और प्रभावी राहत अभियान चला सकते है। इसके साथ ही, समुद्र में कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच संपर्क और कार्रवाई के लिए साझा मार्गदर्शक सिद्धांतों को भी मंजूरी दी गई, जिनका उद्देश्य समुद्री अभियानों के दौरान पारदर्शिता, पूर्वानुमेयता और सुरक्षा बढ़ाना है।

एनएसए डोभाल ने बिम्सटेक की रणनीतिक क्षमता को रेखांकित कर कहा कि यह मंच दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के दो सबसे गतिशील क्षेत्रों को जोड़ता है, जिसमें 1.7 अरब आबादी और करीब पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संयुक्त अर्थव्यवस्था शामिल है। उन्होंने जोर दिया कि बिम्सटेक ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध, साइबर खतरों और समुद्री सुरक्षा जैसी साझा चुनौतियों के विरुद्ध उल्लेखनीय प्रगति की है। सामरिक दृष्टि से यह बैठक हिंद महासागर और विशेष रूप से बंगाल की खाड़ी में भारत की नेबरहुड फर्स्ट और एक्ट ईस्ट नीतियों का केंद्र बिंदु है।

बेंगलुरु में डिलीवरी बॉयज को ट्रैफिक नियमों पर नई सीख

जुर्माने की बजाय मिलेगी 4 घंटे की क्लास

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में डिलीवरी बॉयज के लिए पुलिस ने ट्रैफिक नियमों को लेकर एक नया और अनूठा कदम उठाया है। अब ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर इन डिलीवरी कर्मचारियों को जुर्माना नहीं देना होगा। इसके बजाय उन्हें चार घंटे का एक व्याख्यान सुनना होगा, जिसमें उन्हें यातायात नियमों के बारे में बताया जाएगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला गिग वर्कर्स द्वारा अक्सर की जाने वाली नियमों की अनदेखी को ध्यान में रखकर लिया है।

पुलिस का मानना है कि कई बार डिलीवरी कर्मचारी जल्दी के चक्कर में नियमों का उल्लंघन करते हैं, लेकिन अब उन्हें इस समय बचत के लिए चार घंटे देना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर कार्तिक रेड्डी ने बताया कि बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने व्यवस्था शहर के 53 पुलिस थानों में शुरू की है और धीरे-धीरे अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में ही शहर में करीब 4000 इसतरह के मामले सामने आए हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि फाइन लगाना इसका स्थायी समाधान नहीं है, क्योंकि इनमें से कई कर्मचारी छोटे शहरों से आकर पैसा कमाने के लिए यह काम करते हैं।

रेड्डी के मुताबिक, एक बार क्लास लेने के बाद डिलीवरी बॉयज अगली बार नियम तोड़ने से बचने वाले है। इससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा और पुलिस का काम आसान होगा। इस फैसले के पीछे कुछ और वजहें भी हैं, जैसे डिलीवरी ऐप्स द्वारा तय की गई समय सीमा के भीतर सामान पहुंचाने का दबाव। इसके अलावा, कई गिग वर्कर्स यूलु बाइक जैसी किराए की गाड़ियों का इस्तेमाल करते हैं, जिनके लिए ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होती और इन पर नंबर प्लेट भी नहीं होती।

स्वर्ण कांता शर्मा हटी, लेकिन केजरीवाल और सहयोगियों ने नहीं दिया जवाब

नई दिल्ली। कथित दिल्ली आबकारी नीति मामले में विशेष अदालत द्वारा बरी होने के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। दिल्ली की अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आप नेता दुर्गेश पाठक को अपना पक्ष रखने के लिए एक और, पर अंतिम मौका दिया है। पूर्व में जब जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा मामले की सुनवाई कर रही थीं, तब आप के नेताओं ने सुनवाई का बहिष्कार किया था। हालांकि, अब बेंच बदलकर जस्टिस मनोज जैन के पास आने के बाद भी प्रतिवादियों की ओर से कोई जवाब दाखिल नहीं किया।

सुनवाई के दौरान अदालत में सीबीआई की ओर से एसजीआई तुषार मेहता और एएसजी एसवी राजू पेश हुए, लेकिन आप नेताओं की ओर से कोई वकील उपस्थित नहीं था। रजिस्ट्री की रिपोर्ट का संज्ञान लेकर जस्टिस जैन की पीठ ने न्याय के हित में आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का अंतिम समय दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले को आगे और नहीं लटकाया जा सकता। सीबीआई की दलीलें सुनने के लिए 17 और 18 अगस्त की तारीख तय की गई है, जिसके बाद प्रतिवादियों को अपनी बात रखनी होगी। तब तक पूर्व में जारी अंतरिम आदेश लागू रहेगा।

तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय विवाद : क्या विजय दे सकते हैं राहुल गांधी को झटका

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में हाल ही में तमिलनाडु में नवोदय विद्यालयों की स्थापना से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य की विजय सरकार से तीखे सवाल किए। मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें राज्य को हर जिले में नवोदय विद्यालय खोलने का निर्देश दिया था। जस्टिस बी.वी.नागरत्ना और जस्टिस आर.महादेवन की पीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के स्थगन अनुरोध को करीब खारिज करते हुए कहा कि तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय अवश्य होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र पूरा खर्च वहन करेगी, राज्य को केवल जमीन उपलब्ध करानी है। जस्टिस नागरत्ना ने पूछा, बाकी सभी राज्यों में नवोदय विद्यालय हैं, आप तमिलनाडु को इससे क्यों वंचित रख रहे हैं?

यह मामला सिर्फ मौजूदा अदालती कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि चार दशक पुरानी एक विवाद का हिस्सा है। नवोदय विद्यालय तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की नई शिक्षा नीति का महत्वाकांक्षी सपना थे, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना था। हालांकि, तमिलनाडु देश का एकमात्र राज्य है जहां पिछले 40 सालों से एक भी नवोदय विद्यालय नहीं खुल सका है। राज्य सरकार की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) का समर्थन और नवोदय विद्यालयों की त्रि-भाषा नीति का विरोध ही इसकी मुख्य वजह रही है। इन वर्षों में राज्य में डीएमके और एआईएडीएमके की सरकारों ने नीति में कोई बदलाव नहीं होने दिया।

अब, जब थलपति विजय की अगुवाई में नई टीवीके सरकार सत्ता में है, और सरकार को कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है, तब इस मुद्दे पर सभी की निगाहें टिकी हैं। कांग्रेस भी सरकार का हिस्सा है, इसके बाद विजय सरकार का फैसला महत्वपूर्ण होगा। यदि विजय सरकार डीएमके और एआईएडीएमके से हटकर राज्य में नवोदय विद्यालयों की स्थापना को हरी झंडी देती है, तब यह राहुल गांधी और गांधी परिवार के लिए एक सुखद क्षण होगा, क्योंकि राजीव गांधी का सपना तमिलनाडु में साकार होगा। हालांकि, यदि नई सरकार भी पूर्ववर्ती सरकारों की राह पर चलती है और नवोदय विद्यालयों को अनुमति नहीं देती है, तब यह राहुल गांधी के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका हो सकता है, विशेषकर जब उनकी पार्टी सत्ताधारी गठबंधन का हिस्सा है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 34.29 लाख रुपये का सोना जब्त, बुर्के में छिपाकर लाई थी महिला यात्री

अबूधाबी से आई फ्लाइट की महिला यात्री से 233 ग्राम 24 कैरेट सोना बरामद, कस्टम्स की सतर्कता से तस्करी की कोशिश नाकाम

अहमदाबाद। शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम्स विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने सोने की तस्करी के एक और प्रयास को विफल कर दिया। अबूधाबी से अहमदाबाद पहुंची एक महिला यात्री के पास से करीब 34.29 लाख रुपये मूल्य का 233 ग्राम 24 कैरेट सोना बरामद कर जब्त किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फ्लाइट संख्या 3एल111 से अबूधाबी से अहमदाबाद पहुंची महिला यात्री की संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर कस्टम्स अधिकारियों ने उसका पैसेंजर प्रोफाइलिंग के तहत चयन किया। इसके बाद महिला को रोककर उसकी गहन जांच और पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान पता चला कि महिला ने कस्टम्स ड्यूटी की चोरी करने के इरादे से अपने बुर्के के अंदर बेहद चालाकी से 24 कैरेट सोने के दो टीटी बार (गोल्ड बिस्किट) छिपा रखे थे। दोनों बिस्किटों का कुल वजन 233 ग्राम पाया गया। जब्त किए गए सोने की बाजार कीमत करीब 34.29 लाख रुपये आंकी गई है।

कस्टम्स अधिकारियों ने बरामद सोने को कस्टम्स एक्ट, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। महिला यात्री से पूछताछ जारी है। साथ ही जांच इस दिशा में भी की जा रही है कि इस तस्करी के पीछे किसी संगठित गिरोह या अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता तो नहीं है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी के प्रयासों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इसे देखते हुए कस्टम्स विभाग ने पैसेंजर प्रोफाइलिंग, इंटेलिजेंस इनपुट और सघन जांच व्यवस्था को और अधिक सख्त कर दिया है। इसी सतर्कता के चलते तस्करी के ऐसे कई प्रयास लगातार नाकाम किए जा रहे हैं।

महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक : मानसून सत्र में पारित होने का दावा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने विश्वास जाहिर किया है कि संसद के आगामी मॉनसून सत्र में बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन विधेयक पारित हो जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास अब इन महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए स्पष्ट बहुमत है। केंद्रीय मंत्री आठवले ने कहा कि बीते संसद सत्र में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस जैसे दलों के विरोध के कारण ये विधेयक पारित नहीं हुए थे। हालांकि, अब राजग के पास स्पष्ट दो-तिहाई बहुमत है, जिससे 2029 के लोकसभा चुनाव से महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिलेगा। उन्होंने परिसीमन को भी हर 30-35 साल में आवश्यक बताया। भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के अध्यक्ष ने अपनी बहुमत की अवधारणा को स्पष्ट कर कहा कि तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के कुछ सदस्य राजग का समर्थन कर सकते हैं, और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कांग्रेस से अलग होने की संभावना भी है। उन्होंने विपक्षी दलों से भी इन विधेयकों पर सहयोग की अपील की।

गौरतलब है कि 17 अप्रैल को संसद के विस्तारित सत्र के दौरान ये विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सके थे। उस समय विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 सांसदों ने मतदान किया था, लेकिन आवश्यक दो-तिहाई बहुमत (352 मत) हासिल नहीं हो पाया था।

कम बारिश से कर्नाटक में सूखे की स्थिति, डिप्टी सीएम ने पीएम को लिखा पत्र

राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का किया अनुरोध

बेंगलुरु। कर्नाटक में कमजोर मानसून के कारण सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने एनडीआरएफ के नियमों में राहत देने और राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में परमेश्वर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून में कर्नाटक में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसका सीधा असर खेती, पेयजल व्यवस्था, भूजल स्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। बता दें जून महीने में कर्नाटक में 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जबकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 36 फीसदी बारिश की कमी रही। जुलाई में भी स्थिति नहीं सुधरी और राज्य में अब तक 34 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेंगलुरु में भी सामान्य से करीब 34 फीसदी कम बारिश हुई।

उपमुख्यमंत्री परमेश्वर ने कहा कि आकलन के मुताबिक कम बारिश और अधिक तापमान के कारण प्रभावित इलाकों में करीब 80 फीसदी बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से अल नीनो के प्रभाव को जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि कई जिलों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट और गहरा गया है। पत्र में बताया गया है कि विजयनगर (61 फीसदी), मैसूर (55 फीसदी), मडिकेरी (51 फीसदी), चिक्कमगलुरु (48 फीसदी), दावणगेरे (47 फीसदी), हावेरी (46 प्रतिशत, शिवमोग्गा (44 फीसदी), कलबुर्गी (43 फीसदी), मंगलुरु (43 फीसदी) और बीदर (40 फीसदी) जैसे जिलों में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। परमेश्वर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि कर्नाटक द्वारा सूखे का आधिकारिक ज्ञापन भेजने से पहले मौजूदा सूखा आकलन के नियमों की समीक्षा की जाए।

उन्होंने मांग की कि एफआरयूआईटीएस डेटाबेस को छोटे और सीमांत किसानों की पहचान के लिए स्वीकार किया जाए। वर्तमान में 2015-16 की कृषि जनगणना के आधार पर सहायता तय की जाती है, जो अब राज्य की वास्तविक कृषि स्थिति को नहीं दर्शाती। उन्होंने सूखा मैनुअल-2020 के प्रावधानों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के मानकों के अनुरूप बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत दिशानिर्देशों के तहत 33 फीसदी से ज्यादा फसल नुकसान होने पर सहायता दी जाती है, जबकि सूखा मैनुअल में 50 फीसदी फसल नुकसान होने पर ही गंभीर सूखे की श्रेणी में माना जाता है।

इसके अलावा उन्होंने केंद्र से सूखे का आकलन करने में ज्यादा लचीलापन अपनाने, वैज्ञानिक आधार पर कम अवधि के सूखे को भी मान्यता देने और सूखे की जल्द घोषणा से जुड़े नियमों में बदलाव करने की मांग की, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। डिप्टी सीएम परमेश्वर ने केंद्र सरकार से अपील की कि मौजूदा हालात को राष्ट्रीय महत्व की आपदा घोषित करने या उसी स्तर की सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाए।

सिराज/ईएमएस 16जुलाई26

सिया-चेतन केस : खाटू श्याम मंदिर पहुंची पुलिस

पुणे । पुणे पुलिस सिया गोयल और चेतन चौधरी के कथित शादी के दावों की जांच में राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर पहुंची थी। यह जांच चेतन अग्रवाल हत्याकांड मामले से जुड़ी है, जिसमें दोनों आरोपी हैं। पुलिस को मंदिर परिसर से सीसीटीवी फुटेज की तलाश थी, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली।

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों के बीच हुई बातचीत के विश्लेषण से गुप्त शादी का संकेत मिलता है। पुलिस दावे का सत्यापन कर रही है और जांच रही है कि क्या उनकी शादी का कानूनी रूप से पंजीकरण हुआ था। जांचकर्ताओं के अनुसार, सिया और चेतन पर केतन अग्रवाल को रास्ते से हटाने की साजिश रचने का आरोप है, क्योंकि वह उनके रिश्ते में कथित तौर पर बाधा बन रहे थे। यह जांच डिजिटल साक्ष्यों, जैसे मोबाइल फोन डेटा और चैट रिकॉर्ड के विश्लेषण पर केंद्रित है।

इस बीच, सिया का एक स्नैपचैट संदेश भी वायरल हुआ है, जिसमें उसने लिखा था केतन से शादी नहीं होने वाली। पुलिस संदेश की प्रामाणिकता की जांच कर रही है, जो कथित तौर पर मई में, केतन की हत्या से कुछ सप्ताह पहले भेजा गया था। संदेश में उदयपुर में प्रस्तावित शादी के लिए आधार कार्ड की मांग की गई थी, लेकिन साथ ही यह भी लिखा था कि शादी नहीं होगी। सिया और चेतन पर लोनावला स्थित लोहागढ़ किले पर केतन अग्रवाल को ऊंचाई से धक्का देकर हत्या करने का आरोप है। केतन अग्रवाल के परिजन न्याय के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से गुहार लगा चुके हैं।

शहर की सड़कों पर उतरी पुलिस, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर कसा शिकंजा

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत नवागत टीआई अजय गुर्जर का पैदल मार्च
बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और शराब दुकानों के बाहर की गई कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कोतवाली पुलिस ने सख्त अभियान शुरू कर दिया है। नवागत थाना प्रभारी अजय गुर्जर के नेतृत्व में शाम पुलिस बल सड़क पर उतरा और शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, शराब दुकानों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल मार्च कर कार्रवाई की। अभियान के दौरान खुलेआम शराब पी रहे लोगों को रोककर समझाइश दी गई, जबकि संदिग्ध परिस्थितियों में खड़े युवकों से पूछताछ कर उनकी पहचान की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से शहर में देर शाम तक हड़कंप की स्थिति बनी रही।

पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी-2.0 अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने काली पुतली चौक स्थित शराब दुकान से कार्रवाई की शुरुआत की। यहां शराब दुकान के बाहर और आसपास सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन कर रहे लोगों को पुलिस ने मौके पर ही रोक लिया। पुलिस ने उन्हें चेतावनी देते हुए स्पष्ट कर दिया कि अब सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोबारा ऐसा करते पाए जाने पर सीधे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद थाना प्रभारी अजय गुर्जर स्वयं पुलिस बल के साथ पैदल मार्च करते हुए बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हनुमान चौक, कलेक्ट्रेट क्षेत्र और अन्य प्रमुख स्थानों पर पहुंचे। इस दौरान सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर बिना वजह खड़े युवकों से पूछताछ की गई। कई लोगों की तलाशी लेकर उनकी पहचान की पुष्टि की गई तथा संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर सख्त हिदायत दी गई। पुलिस की मौजूदगी से कई स्थानों पर शराब पी रहे लोग मौके से हटते भी नजर आए। थाना प्रभारी अजय गुर्जर ने बताया कि शहर के कई सार्वजनिक स्थानों पर शाम ढलते ही शराबखोरी और हुड़दंग की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर यह विशेष अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि शराब दुकान के बाहर बैठकर शराब पीना, सार्वजनिक स्थानों पर नशा करना और राहगीरों को परेशान करना कानून का उल्लंघन है। ऐसे लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में पुलिस की टीमें रोजाना शाम के समय शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त करेंगी। शराब दुकानों के बाहर सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की जाएगी, ताकि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, काली पुतली चौक, हनुमान चौक, कलेक्ट्रेट क्षेत्र और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों को विशेष निगरानी में रखा गया है। टीआई अजय गुर्जर ने यह भी स्पष्ट किया कि अभियान केवल शराब तक सीमित नहीं रहेगा। शहर में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री, प्रतिबंधित कफ सिरप और अन्य नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर भी पुलिस विशेष नजर रखेगी। मेडिकल स्टोरों की जांच भी अभियान का हिस्सा होगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि यदि कहीं सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी, नशाखोरी या कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और तुरंत कार्रवाई की जाएगी। नवागत थाना प्रभारी की इस सख्त कार्रवाई से साफ संकेत मिल गया है कि अब शहर में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, हुड़दंग करने और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के लिए कोई राहत नहीं होगी। पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा और आने वाले दिनों में इसे और व्यापक बनाया जाएगा।

नागर लौटाने के विवाद में तीन लोगों ने मजदूर से की मारपीट, दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सुसवा के सैकी टोला में एक वर्ष पुराने नागर के विवाद ने फिर हिंसक रूप ले लिया। नागर वापस नहीं करने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर गांव के ही एक मजदूर के साथ मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। भारत लाल कुंजाम 55 वर्ष की शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने अशोक टेकाम और उसके दोनों बेटे के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुसवा निवासी भारतलाल कुंजाम मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बताया गया है कि पिछले वर्ष 5 जुलाई 2025 को गांव के अशोक टेकाम के खेत से जुताई में उपयोग होने वाला नागर चोरी हो गया था। अशोक को भारतलाल पर चोरी का संदेह था। इसी शक के आधार पर उसने खेत में ही भारतलाल के साथ मारपीट की थी। बाद में उसने समझौते की बात कहते हुए इलाज के लिए 500 रुपये दिए और पुलिस में शिकायत नहीं करने को कहा। गांव में विवाद बढ़ने से बचाने के उद्देश्य से भारतलाल ने उस समय थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई।14 जुलाई की सुबह लगभग 8 बजे भारत लाल मजदूरी के लिए उदेसिंह परते के घर जा रहा था। जब वह उनके घर के सामने खड़ा था तभी अशोक टेकाम अपने दोनों पुत्र रवेंद्र टेकाम और विकास टेकाम के साथ वहां पहुंचा। अशोक ने भारतलाल से नागर वापस नहीं करने की बात कहते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब भारतलाल ने गालियां देने का विरोध किया तो अशोक ने उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उसके दोनों बेटों ने लकड़ी से हमला कर दिया।मारपीट के दौरान भारतलाल के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच बचाव कर किसी तरह उसे आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। जाते जाते तीनों आरोपियों ने नागर वापस नहीं करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।घटना के बाद घायल भारतलाल कुंजाम किरनापुर थाना पहुंचा। जहां पुलिस ने उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया। उसकी शिकायत के आधार पर किरनापुर पुलिस ने आरोपी अशोक टेकाम, रवेंद्र टेकाम और विकास टेकाम के विरुद्ध मारपीट, गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना जारी है।

बाईक फिसलने से युवक हुआ घायल, घायल का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में लगातार बढ़ रही आवारा श्वान(कुत्तों) की ता-दात अब मुसीबत बनते जा रही है। जिनकी वजह से आए दिनों सड़क दुर्घटनाएं हो रही है तो वहीं कुत्ते के काटने के मामले भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं,आए दिनों सामने आ रही इन्हीं घटनाओं के बीच बीती रात थाना वारासिवनी के अंतर्गत आने वाले ग्राम एकोडी में अचानक कुत्ता सामने आने के चलते एक युवक की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई।जिससे वहां गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का नाम ग्राम एकोडी निवासी 19 वर्षीय अनुज पिता योगेश पारधी बताया गया है।जिनके परिजनों ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार जारी है।

आटीआई का छात्र है अनुज

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम एकोड़ी निवासी अनुज, नगर के बूढ़ी स्थित आईटीआई का छात्र है।जो बुधवार की शाम घर पर था, देर शाम वह अपनी मोटरसाइकिल से एकोड़ी चौक स्थित किराने की दुकान में सामान लेने जा रहा था, बताया गया कि जैसे ही वह मोटरसाइकिल लेकर एकोड़ी चौक पहुंचा वैसे ही कुछ श्वान(कुत्ते) उनके सामने आ गए जिससे अचानक ब्रेक लगाने पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई।जहां इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिरने युवक अनुज के हाथ, पैर ,कोहनी, घुटने, पंजे सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोट आई है। उधर घटना के बाद मामले की जानकारी मिलते ही परिजनों ने स्थानीयजनों की मदद से अनूज को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर रात्रि में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है।

नगर में हर्षोल्लास के साथ निकाली गई जगन्नाथ यात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दो वर्षों से चली आ रही परंपरा को कायम रखते हुए,प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर में हर्षोल्लास के साथ भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। जगन्नाथपुरी की तर्ज पर 16 जुलाई गुरुवार को सायंकाल 5.30 बजे निकाली गई रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, रथ पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने निकले। जिनके साथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भी मौजूद रही। लगातार तीसरे वर्ष, बालाघाट में जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन इस्कॉन संस्था ने किया। जिसमें संस्था प्रतिनिधियों के अलावा, तकरीबन दो हजार की संख्या में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ के रथ को बारी-बारी से खींचकर पुण्यलाभ अर्जित किया।

रथ यात्रा के दौरान भक्ति में डूबे नजर आए भक्तगण

इस रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ के जयकारों के साथ ही हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, हरे-हरे के भक्तिगीत में भक्तगण, भक्ति में लीन होकर झुमने लगे। नगर में निकाली गई यह रथयात्रा, नए श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होकर हनुमान चौक, नया सराफा, सुभाष चौक, राजघाट चौक, गुजरी चौक, काली पुतली चौक होते हुए आंबेडकर चौक से सिंधु भवन पहुंची। जहां रथयात्रा का समापन और भगवान जगन्नाथ को 56 भोग का भोग प्रसाद अर्पित कर, भक्तों को महाप्रसाद का वितरण किया गया।

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

लंबित मांगों को लेकर जिला प्राध्यापक संघ ने सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उच्च शिक्षा विभाग के प्राध्यापकों की वर्षों से कई मांगे लंबित है जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है। इस पर अपनी नाराजगी जताते हुए जिला प्राध्यापक संघ ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौपा है।प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे को सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापकों एवं अन्य प्राध्यापकों की सेवा संबंधी लंबित समस्याओं के शीघ्र निराकरण, पदोन्नति, वेतनमान एवं अन्य लंबित मांगों के त्वरित समाधान की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने प्राचार्य से आग्रह किया कि ज्ञापन को शासन तक शीघ्र प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।इस अवसर पर बालाघाट जिला प्राध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष डॉ.अनिल पंचारिया, महाविद्यालय अध्यक्ष डॉ. आर. एन. झारिया, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी.एस. कातुलकर सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाएँ उपस्थित रहे। सभी ने प्राध्यापकों की लंबित समस्याओं के शीघ्र निराकरण की अपेक्षा व्यक्त करते हुए शासन से सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया।अंत में प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ज्ञापन शासन के समक्ष नियमानुसार अग्रेषित किया जाएगा।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 17 जुलाई को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 17 जुलाई को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शाम 04 बजे से आयोजित की जाएगी। बैठक में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (MPRRDC) सहित जिला सड़क सुरक्षा समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे। संबंधित अधिकारियों एवं सदस्यों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव देने का आग्रह किया गया है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट